सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
18.04.2025
नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | बैसाख, कृष्ण पक्ष, पंचमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 273 | गुड फ्राइडे की शुभकामनाएं

न्यूज डायरी

रिम्स निदेशक पद से हटाये गये

रांची। राज्य की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर अब गाज गिरनी शुरू हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने गुरुवार को रिम्स के निदेशक डॉ. राजकुमार को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया। उन पर लापरवाही, आदेशों की अनदेखी और विभागीय कामों को जानबूझ कर लंबित रखने का मामला है। जीबी मीटिंग में मंत्री ने विभाग का का रिव्यू किया तो काम की सुस्त रफ्तार से वह चौंक गये थे। रिम्स निदेशक की कार्यशैली पर गमभीर सवाल उठे थे। ऐसे में स्वास्थ्य मंत्री ने कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से हटा दिया।

नहीं रहीं प्रसिद्ध आदिवासी लेखिका डॉ. रोज केरकेट्टा

रांची। प्रख्यात आदिवासी लेखिका, कवयित्री और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ रोज केरकेट्टा का गुरुवार को निधन हो गया। अपनी लेखनी से उन्होंने झारखंड की सामाजिक सच्चाइयों और जनविमर्श को नयी दिशा दी थी। हिंदी साहित्य में एमए और पीएचडी डॉ केरकेट्टा का जन्म 5 दिसंबर 1940 को सिमडेगा जिले के कइसरा सुंदरा टोली गांव में खड़िया आदिवासी समुदाय में हुआ था। वह झारखंड नेशनल एलायंस ऑफ वीमेन और प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन जैसी संस्थाओं से जुड़ी रहीं।

एनडीए में चयनित आद्या झारखंड की पहली बेटी

सरायकेला। नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) की परीक्षा में देश भर में सरायकेला की रहने वाली आद्या सिंह ने 136 रैंक प्राप्त किया है। वे इस परीक्षा में चयनित होने वाली झारखंड की एकमात्र लड़की हैं। परिवार का दावा है कि वह झारखंड की पहली लड़की हैं जिनका चयन एनडीए के लिए हुआ है।

आज नहीं होगा मैट्रिक इंटर का मूल्यांकन कार्य

रांची। गुड फ्राइडे की छुट्टी के कारण शुक्रवार को मैट्रिक-इंटर का मूल्यांकन कार्य स्थगित रहेगा। यह जानकारी जैक के सचिव जयंत मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि चार अप्रैल से राज्य के विभिन्न मूल्यांकन केंद्रों पर कॉपियों की जांच की जा रही है।

कार्टून कोना

उपराष्ट्रपति ने न्यायपालिका की भूमिका पर उठाये सवाल, कहा

कोई शक्ति राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती

राष्ट्रपति को निर्देश देना असंवैधानिक

एजेंसी

नयी दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की असीमित स्वतंत्रता पर सवाल करते हुए गुरुवार को कहा कि कोई शक्ति किसी भी आधार पर राष्ट्रपति को कोई निर्देश नहीं दे सकती। उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि राष्ट्रपति को कोर्ट द्वारा निर्देशित किया जायेगा। राष्ट्रपति भारत की सेना की सर्वोच्च कमांडर हैं और केवल वही संविधान की रक्षा, संरक्षण और सुरक्षा की शपथ लेते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, हम ऐसी स्थिति नहीं ला सकते, जहां राष्ट्रपति को निर्देश दिया जाये। संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट का अधिकार केवल अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। वह उप राष्ट्रपति निवास पर राज्यसभा के छठे बैच के प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे।

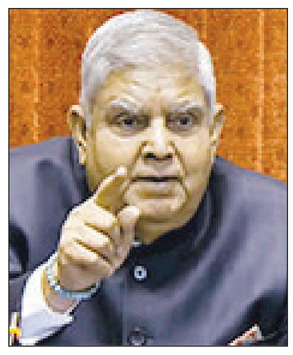

उनकी भूमिका सिर्फ परामर्श : उपराष्ट्रपति ने न्यायपालिका की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाये। उन्होंने कहा, न्यायपालिका की भूमिका परामर्श की है। परामर्श सहमति नहीं है, परामर्श केवल परामर्श है। उप राष्ट्रपति का यह वक्तव्य उच्चतम न्यायालय के हाल के उस निर्णय के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि राष्ट्रपति को विचार के लिए भेजे विधेयकों पर अधिकतम तीन महीने के भीतर फैसला करना होगा। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 145(3) के तहत सुप्रीम कोर्ट को केवल संविधान की व्याख्या करने का अधिकार है और वह भी कम से कम पांच जजों की पीठ द्वारा।

राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च : श्री धनखड़ ने कहा कि भारत के राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च है।

(शेष पेज 11 पर)

संविधान की शक्ति नहीं भूलें

श्री धनखड़ ने कहा, न्यायपालिका संविधान की शक्ति को भूल गयी है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 145(3) में संशोधन करने की जरूरत है। आठ में से पांच का मतलब होगा कि व्याख्या बहुमत से होगी। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 142, अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है, जो न्यायपालिका को 24 घंटें सातों दिन उपलब्ध है। न्यायाधीशों ने जो राष्ट्रपति को एक आदेश जारी किया है और एक परिदृश्य प्रस्तुत किया है, यह देश का कानून होगा।

मुख्यमंत्री आज से स्पेन, स्वीडन की यात्रा पर

झारखंड में विदेशी निवेश का द्वार खोलेंगे : हेमंत

विशेष संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 18 अप्रैल को रांची से दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जहां से वे स्पेन और स्वीडन के लिए रवाना होंगे। इस विदेश दौरे पर उनके नेतृत्व में 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न कंपनियों और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगा। इस दौरे का उद्देश्य विदेशी निवेशकों को झारखंड की औद्योगिक और निवेश नीति के बारे में जानकारी देना और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना है। प्रतिनिधिमंडल माइनिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, एग्रो प्रोसेसिंग, क्लीन एनर्जी, ग्रीन एनर्जी, सोलर एनर्जी और महिला एवं बाल विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

यात्रा के पहले चरण में 21 अप्रैल को स्पेन में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

(शेष पेज 11 पर)

वक्फ एक्ट पर अंतरिम रोक से इनकार

शीर्ष कोर्ट ने कहा, 5 मई तक कोई बदलाव नहीं हो

एजेंसी

नयी दिल्ली। वक्फ कानून में हाल में किये गये संशोधनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को दूसरे दिन सुनवाई जारी रही। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने अंतरिम रोक लगाने से इनकार करते हुए केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन की मोहलत दी है। सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया कि इस दौरान डिनोटिफिकेशन या नयी नियुक्ति नहीं की जायेगी। वहीं, अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि यह मुद्दा ऐसा नहीं है कि कोई सेक्शन देखकर उस पर फैसला किया जाये। इसके लिए पूरे कानून और इतिहास को भी देखना होगा। कई लाख सुझावों पर गौर करके यह कानून पारित हुआ था। उन्होंने कहा कि यदि अदालत कोई आदेश जारी करती है तो उसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद सीजेआई ने कहा कि अदालत चाहती है कि कोई भी पक्ष प्रभावित न हो।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर आप ह्यवक्फ बाय यूजरह्ल को लेकर भी कुछ कहना चाहते हैं, तो उसके लिए हमारा पक्ष सुने। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह तक वक्फ बोर्ड में कोई भी नियुक्ति नहीं होगी। पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद कहा, हम नहीं चाहते कि स्थिति बदले। पांच साल (इस्लाम का अभ्यास) जैसे प्रावधान हैं, जिन पर हम रोक नहीं लगा रहे हैं। श्री मेहता ने तर्क दिया कि अदालत को वक्फ संशोधन अधिनियम, 1995 पर अप्रत्यक्ष रूप से रोक लगाकर कठोर रुख नहीं अपनाना चाहिए।

सीएम हेमंत ने विभागीय सचिवों को सौंपा टास्क, कहा

जनहित की तीन प्रमुख योजनाओं का करें चयन

- योजनाएं पारदर्शी, प्रभावी और असरदायक हो
- एक से डेढ़ साल के भीतर जनता को लाभ हो

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विदेश यात्रा पर जाने से एक दिन पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विभागीय सचिवों को वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए विशेष टास्क सौंपा है। सीएम ने विभागीय सचिवों से जनहित की तीन प्रमुख योजनाओं का चयन करने को कहा है, जो एक से डेढ़ साल के अंदर राज्य की जनता को समर्पित किया जा सके। ये योजनाएं धरातल पर तय समय सीमा में प्रभावी तरीके से उतरनी चाहिए। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की समस्या आती है, तो उसका त्वरित और पूर्ण समाधान निकालें। इस पहल का उद्देश्य राज्य में विकास कार्यों को गति देना और सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाना है। वह प्रोजेक्ट भवन में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव/ सचिव के साथ विभिन्न योजनाओं को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर रहे थे।

क्रियान्वयन में लापरवाही नहीं हो : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जिन योजनाओं का चयन करें, उसमें पूरी पारदर्शिता बरती जानी चाहिये। इसका लोगों को सीधा लाभ मिले, इसकी सुनिश्चित व्यवस्था हो। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की कोताही और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इन योजनाओं के लिए जो भी संसाधन की जरूरत हो, उसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। सरकार की योजनाएं हर हाल में जन-जन तक पहुंचनी चाहिए।

(शेष पेज 11 पर)

किसी काम में लोगों को परेशानी न हो

सीएम ने कहा कि लोगों को आय, जाति आवासीय, जन्म और मृत्यु जैसे प्रमाण पत्र बनवाने के लिए काफी चक्कर लगाना पड़ता है। ऐसी शिकायतें लगातार मिलती रहती है। यह व्यवस्था के लिए अच्छी नहीं है। जाति, आवासीय, आय, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र का सीधा सरोकार आम जनता से होता है। ऐसे में इस तरह के प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था दुरुस्त रखें।

झारखंड को एक और मेडिकल कॉलेज की सौगात

मांडविया ने किया इएसआइसी हॉस्पिटल का उदघाटन, लाभार्थी और श्रमिक सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड को एक और नये मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की सौगात मिली है। केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को नामकुम में 220 बेड और 50 एमबीबीएस सीट वाले ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का उद्घाटन किया। अगले सत्र से यहां 50 सीटों पर एमबीबीएस की पढ़ाई भी होगी। इस 50 सीट में 40% सीट ईएसआईसी के तहत आने वाले श्रमिकों के बच्चे के लिए आरक्षित होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम मंत्री ने कहा कि हमारे बीमित श्रमिक ही हमारे लिए सबकुछ हैं। उनके इलाज में कोई कमी न रह जाये, इसका ख्याल हमेशा यहां के डॉक्टरों को रखना होगा। उदघाटन समारोह में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा भी मौजूद थे। इस मौके पर लाभार्थियों और इस अस्पताल के निर्माण में शामिल श्रमिकों को सम्मानित किया गया।

अत्याधुनिक सुविधाएं : 100 करोड़ की लागत से 16360 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने इस अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज अस्पताल का लाभ रांची और आसपास के ईएसआईसी के अंतर्गत आनेवाले करीब 5 लाख श्रमिक परिवार को मिल सकेगा। यहां व्यापक स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी, ओपीडी, इमरजेंसी, आईसीयू, 4 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, सामान्य चिकित्सा, सर्जरी, स्त्री रोग, हड्डी रोग, नेत्र और दंत चिकित्सा के साथ साथ योग का भी विभाग होगा।

रोगमुक्त भारत पीएम का संकल्पः संजय सेठ

इस मौके पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी का संकल्प है स्वस्थ और रोगमुक्त भारत। इसके लिए उन्होंने आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख का इलाज फ्री किया है। उन्होंने कहा कि अपने स्वास्थ्य मंत्री के काल में श्री मंडाविया ने जिस मजबूती से काम किया, उसका नतीजा है कि हमने कोरोना को पराजित किया। श्री सेठ ने कहा कि देश 2047 तक एक विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है। यह अस्पताल सिर्फ इमारत नहीं बल्कि श्रम शक्ति के सेवा का केंद्र है।

SANJEEV NETRALAYA
A Superspeciality Retina Hospital

OUR FACILITIES
- Advance Phaco Surgery (Day Care)
- Vitreo Retina Surgery & Retinal Laser
- Glaucoma Surgery & Treatment
- Oculoplasty Surgeries
- Amblyopia
- Uvea
- Low Vision Aid & Contact Lens
- OCT, OCT-RNFL, HVF,FFA, Fundus Photo
- Eye Ultrasound (B Scan)

IOL Master (Lens Power Calculator)

Education
- 1 year long term fellowship in PHACO
- 1 Year Internship In Optometry

Toll Free No. 1800 570 9927

CASHLESS FACILITIES AVAILABLE
- Acko General Insurance Limited
- Aditya Birla Health Insurance Co. Limited
- Aditya Birla SunLife Insurance Company Limited (formerly known as Birla SunLife Insurance Company Limited)
- Appolo Munich Health Insurance TPA Ltd.
- Bajaj Allianz General Insurance Co. Ltd.
- Bharti AXA General Insurance Company Limited
- Care Health Insurance Limited (formerly known as Religare Health Insurance Co. Ltd)
- Cholamandalam MS General Insurance Company Limited
- Zuno General Insurance Limited
- Future Generali India Insurance Co. Limited
- Go Digit General Insurance Limited
- HDFC Ergo General Insurance Company Limited
- HDFC Ergo Health Insurance Limited (formerly known as Apollo Munich Health Insurance Co. Ltd)
- ICICI Lombard General Insurance Co. Ltd.
- IFFCO-TOKIO General Insurance Co. Ltd
- IndiaFirst Life Insurance Company Limited
- Kotak General Insurance Company Ltd
- Liberty General Insurance Limited
- Magma HDI General Insurance Company Ltd
- ManipalCigna Health Insurance Company Limited (Formerly known as Cigna TTK Health Insurance Co. Ltd)
- Niva Bupa Health Insurance Co. Ltd
- National Insurance Co. Ltd.
- Navi General Insurance Limited (Formerly known as DHFL General Insurance Limited)
- PNB MetLife India Insurance Company Limited
- Raheja QBE General Insurance Company Limited
- Reliance General Insurance Co. Ltd.
- Reliance Nippon Life Insurance Co Ltd (Formerly known as Reliance Life Insurance Co. Ltd)
- Royal Sundaram General Insurance Company Limited
- SBI Life Insurance Company Limited
- SBI General Insurance Company Limited
- Star Health and Allied Insurance Co Ltd
- Tata AIG General Insurance Company LTD
- The New India Assurance Co. Ltd
- The Oriental Insurance Co. Ltd.
- United India Insurance co Ltd.
- Universal Sompo General Insurance Co.Ltd
- Tata AIA Life Insurance Company Ltd

GOVERNTMENTS & CORPORATES TIE-UPS
- Ayushman Bharat Jan Arogya Yojana
- ESIC Hospital Jamshedpur & Ranchi
- CGST & Excise Jamshedpur
- Income Tax Department
- South-Eastern Railway
- Rajya Karmi Swasthya Bima Yojna
- CSIR - National Metallurgical Laboratory (NML)
- LIC Of India

TPA TIE-UPS
- Ericson Insurance Tpa Private Limited
- East West Tpa/volo Health/zuno Gen Insurance
- Family Health Plan (tpa) Limited
- Heritage Health Insurance Tpa Pvt. Ltd.
- Health Insurance Tpa
- Health India Tpa Pvt.ltd
- Medi Assist Tpa
- Md India Tpa
- Paramount Tpa
- Park Mediclaim Tpa Insurance Company
- Raksha Tpa
- Safeway Insurance Tpa Pvt Ltd
- Vidal Tpa
- Vipul Medcorp Tpa Pvt Ltd

Dimna Road, Mango, Beside Ulidih Police Station, Jamshedpur-831012
9297992288 / 7283008800
sanjeevnetralayajsr@gmail.com www.sanjeevnetralay.com

ममता सरकार ने हलफनामे में स्वीकारा, भीड़ बेकाबू हो गयी थी

केंद्रीय बल तैनात रहेंगे, भड़काऊ भाषण रोकें

हाइकोर्ट का सख्त रुख

कोलकाता(एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बंगाल हिंसा के मामलों में राज्य सरकार को सख्त नसीहत दी है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि हिंसा प्रभावित पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती अभी बनी रहेगी। वक्फ संशोधन ऐक्ट के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान भड़काऊ भाषण न दिये जायें, जिनसे हिंसा भड़कने की आशंका बनी रहती है। अदालत ने माना है कि अब भी मुर्शिदाबाद जिले में हालात सामान्य नहीं हैं। वहीं वक्फ हिंसा पर राज्य की ममता सरकार ने हाइकोर्ट में दाखिल हलफनामा में स्वारा कि 10,000 की भीड़ हुई जमा हो गयी थी। उन्मादी भीड़ ने पुलिस की पिस्तौल भी छीन ली थी। पुलिस कर्मियों पर ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। हिंसा में तीन लोों की मौत हो गयी और कई घायल हो गये।

मानवाधिकार टीमें दौरा करे : जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस राजा बसु चौधरी की खंडपीठ ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य वाली तीन सदस्यीय समिति को हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास और शांति बहाली की निगरानी के लिए जिले के प्रभावित इलाकों का दौरा करना चाहिए। करीब ढाई सौ परिवार पड़ोस के मालदा जिले में पलायन कर गये हैं। इस बीच सूबे के राज्यपाल सीवी आनंद बोस का कहना है कि वह जमीनी हालात जानने के लिए मुर्शिदाबाद जायेंगे।

ममता सरकार का कबूलनामा : वक्फ संशोधन ऐक्ट के खिलाफ पिछले हफ्ते पश्चिम बंगाल के मुशीर्दाबाद में भड़की हिंसा पर राज्य सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बताया है कि हिंसा के दिन करीब 10,000 की भीड़ जमा हो गयी थी। इतना ही नहीं उन्मादी भीड़ ने तब मौके पर तैनात पुलिस की पिस्तौल भी छीन ली थी। पुलिस कर्मियों पर ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। बंगाल सरकार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उन्मादी भीड़ में से करीब 10 लोगों के पास घातक हथियार थे।

राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

दूसरी तरफ, भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि राज्य के मुर्शिदाबाद, मालदा और चौबीस परगना जैसे जिलों में भड़की हिंसा और लोगों के पलायन के बाद अब राज्य के हालात ममता बनर्जी सरकार के नियंत्रण से बाहर जा रहा है। ऐसे में राज्य में अविलंब राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। जिहादी तत्व खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस सत्ताधारी पार्टी के कैडर की तरह काम कर रही है।

मंत्री हफीजुल हसन को हेमंत सरकार से बाहर करने की मांग को ले भाजपा ने निकाला आक्रोश मार्च

झारखंड को शरिया कानून से नहीं संविधान से चलाएं मुख्यमंत्री : बाबूलाल

शरिया कानून को संविधान से बड़ा मानने वाले मंत्री हफीज़ूल हसन को करें मंत्रिमंडल से बर्खास्त

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश भाजपा ने कहा कि राज्य सरकार तुष्टिकरण और संविधान विरोध का पर्याय बन चुकी है। हेमंत सरकार के निक्कमे मंत्री हफीजुल हसन द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के संविधान का अपमान किया जा रहा है। इसे लेकर भाजपा ने गुरुवार को रांची महानगर और ग्रामीण जिला के द्वारा संयुक्त रूप से प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में जिला स्कूल मैदान से राजभवन तक आक्रोश प्रदर्शन किया गया। इसके माध्यम से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंत्री हफीजुल को बर्खास्त करने की मांग की गयी। केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने मौके पर कहा कि झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन के लिए संविधान से महत्वपूर्ण शरिया है। उनका यह बयान संविधान का अपमान है। मंत्री के इस बयान और अपमान के विरुद्ध यह आक्रोश प्रदर्शन है। संविधान के प्रति श्रद्धा रखने वाला कोई भी नागरिक यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। बाबूलाल ने कहा कि झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन के संविधान विरोधी बयान और झामुमो-कांग्रेस की सरकार द्वारा उसका समर्थन किया जाना शर्मनाक है। झारखंड में शरीयत लागू करने की साजिश को भाजपा सफल नहीं होने देगी और बाबासाहब अंबेडकर के संविधान की रक्षा पूरी मजबूती से करेगी। इस मार्च में प्रदेश भाजपाध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, महामंत्री (संगठन) कर्मवीर सिंह, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, पूर्व विधायक जीतू चरण राम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

मंत्री संविधान की खुल्लम खुल्ला अवमानना कर रहे हैं : मंत्रिमंडल के शपथग्रहण में यह पंक्ति का उल्लेख रहता है कि ₹मैं विधि द्वारा स्थापित संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा/रखूंगी। परन्तु इस प्रकार शपथ लेकर राज्य सरकार के मंत्री संविधान की खुल्लम खुल्ला अवमानना कर रहे है। इतना ही नहीं बल्कि ऐसे बयानों और मानसिकता के कारण राज्य में उन्मादी शक्तियों का मनोबल बढ़ रहा है। इसका परिणाम है कि सनातनी पर्व त्योहार दशहरा, रामनवमी, सरस्वती पूजा, शिवरात्रि, सरहुल के दौरान राज्य में समुदाय विशेष के उपद्रवियों द्वारा पत्थरबाजी, मारपीट, दंगा, फसाद, आगजनी की घटनाओं को बड़े पैमाने पर अंजाम दिया जा रहा है।

ध्वस्त हो रही है राज्य की विधि व्यवस्था : राज्य की विधि व्यवस्था ध्वस्त हो रही है। भारतीय जनता पार्टी का स्पष्ट मानना है कि राज्य में संवैधानिक संकट की स्थिति है जिसे संविधान की शपथ लेकर सत्ता सुख प्राप्त करने वाले मंत्रीगण ही उत्पन्न कर रहे हैं। यह एक प्रकार से सत्ता संपोषित संवैधानिक संकट है। राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख हैं। प्रदेश भाजपा आपके माध्यम से राज्य को संवैधानिक संकट को दूर करने की मांग करती है। अनुरोध है कि संविधान की मर्यादाओं का उल्लंघन करने वाले, उसे अपमानित करने वाले, दोयम दर्जा देने वाले तथा राष्ट्र और संविधान प्रथम की जगह शरिया प्रथम मानने वाले कैबिनेट मंत्री हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने के लिए मुख्यमंत्री को निर्देशित करें। इस मार्च में प्रदेश भाजपाध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, महामंत्री (संगठन) कर्मवीर सिंह, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, पूर्व विधायक जीतू चरण राम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

राज्यपाल से की हफीजुल को बर्खास्त करने की मांग

आक्रोश प्रदर्शन के अलावा भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन जाकर राज्यपाल संतोष गंगवार से भेंट की। उन्हें एक ज्ञापन सौंपते उनसे राज्य सरकार के मंत्री हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने के संबंध में आग्रह किया। बाबूलाल ने कहा किझारखंड प्रदेश राज्य सरकार संपोषित संवैधानिक संकट के दौर से गुजर रहा है। संविधान की शपथ लेकर पद पर आसीन होने वाले मंत्रीगण संवैधानिक मयार्दाओं को तार-तार कर रहे। विगत दिनों हफीजुल हसन ने यह बयान दिया कि हम कुरान को दिल में और संविधान को हाथ में रखते हैं। मंत्री यहीं नहीं रुके बल्कि उन्होंने कहा कि मेरे लिए शरिया पहले है, संविधान बाद में। राज्य के एक मंत्री इरफान अंसारी संसद द्वारा पारित वक्फ संशोधन कानून को राज्य में लागू नहीं होने देने का धमकी भरा असंवैधानिक बयान देते हैं। दोनों बयान संविधान की मयार्दाओं का उल्लंघन है।

झारखंड ऊर्जा विकास निगम में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों से लिया जा रहा है खतरनाक और असंगत कार्य : अजय

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की बदतर स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि निगम प्रशासन द्वारा आउटसोर्स कर्मियों से उनकी नियुक्ति शर्तों के विपरीत खतरनाक और अति कुशल कार्य करवाया जा रहा है, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ रही है। विगत कुछ महीनों में कई आउटसोर्स कर्मियों की कार्यस्थल पर दुर्घटना के कारण मृत्यु हो चुकी है, जो प्रशासन की घोर लापरवाही को दशार्ता है। श्री राय ने कहा कि ऊर्जा निगम के अधिकारी आउटसोर्स कर्मियों को केवल सहायक कार्यों के लिए अनुबंधित करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। पोल पर चढ़ना, ट्रांसफार्मर मरम्मत, हाई वोल्टेज लाइन पर काम करना जैसे कार्य, जो कि तकनीकी विशेषज्ञता और प्रशिक्षण की मांग करते हैं, वे आउटसोर्स कर्मियों से जबरन करवाए जा रहे हैं। ऐसे कार्य आमतौर पर स्थायी और कुशल कर्मचारियों से करवाए जाने चाहिए, लेकिन उन्हें कार्यालयी कार्यों या निरीक्षण जैसे कार्यों में लगा दिया गया है। उन्होंने कहा है कि यह स्थिति न केवल श्रम कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि मानवाधिकारों का भी हनन है। बिना उचित सुरक्षा उपकरण, प्रशिक्षण और बीमा के इन आउटसोर्स कर्मियों से जानलेवा काम करवाना पूरी तरह से अमानवीय है।

एसबीआई में सैलरी अकाउंट रखने वाले कर्मियों को अब एक करोड़ तक का दुर्घटना बीमा

दूरदर्शी सोच व संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है हमारी सरकार : हेमंत

राज्य कर्मचारियों के सैलरी पैकेज को लेकर वित्त विभाग और एसबीआई के बीच एमओयू

- सरकारी कर्मियों को आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक नए अध्याय की हो रही शुरूआत
- सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में वित्त विभाग और भारतीय स्टेट बैंक के बीच राज्य सरकार के कर्मचारियों के सैलेरी पैकेज को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। इस एमओयू के तहत जिन सरकारी कर्मचारियों का सैलरी अकाउंट भारतीय स्टेट बैंक में होगा, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक करोड़ रुपए तक का दुर्घटना बीमा समेत स्वास्थ्य बीमा एवं जीवन बीमा और कई अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिलेगा। एमओयू पर वित्त विभाग की विशेष सचिव राजेश्वरी बी एवं एसबीआई के उप महाप्रबंधक देवेश मित्तल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव वंदना दादेल, एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक (झारखंड -बिहार) केबी बंगारराजू तथा महाप्रबंधक प्रभाष बोस मौजूद थे।

एक बार फिर नए अध्याय की हो रही शुरूआत : मुख्यमंत्री ने एमओयू हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सरकारी कर्मियों को आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में आज से एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है।इसी कड़ी में राज्य सरकार के कर्मियों को दुर्घटना बीमा का कवर प्रदान करने के लिए एसबीआई के साथ मिलकर यह कदम उठाया गया है। दुर्घटना बीमा के माध्यम से उन्हें सेवा काल के दौरान दुर्घटना में मौत होने पर उनके परिजनों को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी । इसके अलावा कई और व्यवस्थाएं हमारी सरकार ने शुरू की है, जिसके जरिए सरकारी कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित करने का कार्य कर रहे हैं।

सरकारी कर्मियों को विपरीत और जटिल परिस्थितियों में दे रहे आर्थिक सुरक्षा : मुख्यमंत्री ने कहा ने कहा कि आज हर व्यक्ति अपने और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहता है। चाहे वह आर्थिक सुरक्षा का मामला हो या फिर स्वास्थ्य या जीवन सुरक्षा का, हमारी सरकार अपने सभी सरकारी कर्मियों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर दूरदर्शी सोच और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है । मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह सरकार को आपकी चिंता है ,उसी प्रकार अब झारखंड जैसे पिछड़े राज्य में एसबीआई जैसी संस्थाएं सहयोग के लिए आगे आ रही है।

राज्य के विकास में सरकारी कर्मचारियों का अहम रोल

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में सरकारी कर्मियों की अहम भूमिका होती है । राज्य कैसे आगे बढ़े, इसके लिए नीति निर्धारण से लेकर कार्य योजनाओं को धरातल पर उतारने का माध्यम सरकारी कर्मचारी बनते हैं। ऐसे में सरकारी कर्मियो का मनोबल बढ़ाने के साथ, उन्हें कार्य करने के लिए बेहतर वातावरण दिया जा है । सरकारी कर्मचारी भी राज्य हित में अपने कार्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करें।

कोर्ट ने एमपी-एमएलए के 12 लंबित आपराधिक मामलों पर सीबीआई से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

एमिक्स क्यूरी ने हाइकोर्ट को दी जानकारी, एमपी-एमएलए के कई मामले में आरोप पत्र दायर होने के बाद आरोप गठन में लग जाते हैं 6 साल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में एमपी-एमएलए के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले के त्वरित निष्पादन को लेकर कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। एमिकस क्यूरी अधिवक्ता मनोज टंडन ने कोर्ट को बताया कि एमपी-एमएलए के कई मामले में आरोप पत्र दायर होने के बाद आरोप गठन में 6 साल लग जाते हैं, जिससे ट्रायल पूरा होने में कई वर्ष लग जाएंगे। सीबीआई की मंशा ही नहीं है कि ट्रायल जल्द पूरा हो। वहीं सीबीआई की ओर से बताया गया कि राज्य में एमपी-एमएलए के 12 आपराधिक मामले लंबित हैं। इनमें रांची सिविल कोर्ट में 9 मामले और धनबाद कोर्ट में 3 मामले शामिल हैं। लंबित मामलों में ट्रायल पूरा होने में देरी के संबंध में कोर्ट को बताया जाएगा। कोर्ट ने सीबीआई को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले के अगली सुनवाई 17 जून निर्धारित की है। सीबीआई के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि ऑर्डर शीट का अध्ययन करने के बाद भी बता सकेंगे कि किन कारणों से ट्रायल पूरा होने में में देरी हो रही है। दरअसल, पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने सीबीआई को जवाब दाखिल कर बताने को कहा था कि झारखंड में एमपी-एमएलए के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले के ट्रायल को पूरा करने में क्यों देरी हो रही है ? गवाही पूरी होने में देरी का कारण स्पष्ट करने को कहा था। कोर्ट ने मौखिक कहा था कि सीबीआई जैसी संस्था गवाहों को जल्द लाने में असफल साबित हो रही है। ट्रायल में देरी होने से गवाहों में डर का भी माहौल बना रहता है। एक मामले में सीबीआई ने भी स्वीकार किया है कि ट्रायल में गवाहों को धमकाये जाने की आशंका के मद्देनजर उस गवाह की गवाही करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का भी सहारा लेना पड़ा है। कोर्ट ने मौखिक कहा था कि प्रतीत होता है कि सीबीआई एमपी -एमएलए के लंबित केस के जल्द निष्पादन को लेकर गंभीर नहीं है। ट्रायल में देरी होने से गवाहों पर भी असर पड़ता है, उनकी गवाही प्रभावित होती है।

सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति पर भी जेपीएससी से मांगी रिपोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य विश्वविद्यालय में शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के मामले में दाखिल अनिकेत ओहदार की जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने जेपीएससी को राज्य के विश्वविद्यालयो में असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। इससे पहले जेपीएससी ने कोर्ट को बताया नियुक्ति के संबंध में कुछ विश्वविद्यालयों से 437 पद के लिए अधिसूचना मिली है, कई विश्वविद्यालय से यह नहीं मिला है। विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए फ्रेश विज्ञापन जारी किया जाना है। अभी जेपीएससी को नए अध्यक्ष आयोग को मिल गए हैं, अब नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी आएगी। पूर्व में कोर्ट ने सरकार से मौखिक कहा था कि राज्य के विश्वविद्यालयो में कब तक संविदा पर नियुक्ति होती रहेगी?

टीचिंग और नन टीचिंग पदों पर नियमित नियुक्ति कब तक होगी? इस बिंदु पर राज्य सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट को बताया गया था कि राज्य सरकार ने एक नोटिफिकेशन निकाला था। जिसके बाद विश्वविद्यालयो में शिक्षक एवं कर्मचारी की नियुक्ति संविदा पर ली जाने लगी है। कोर्ट ने जेपीएससी से जाना चाहा की राज्य के विश्वविद्यालयों में बीते वर्षों में ले^ रर के पद के लिए कितने एग्जाम लिए हैं? जेपीएससी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि रांची यूनिवर्सिटी की ओर से कुछ पदों पर नियुक्ति के लिए वर्ष 2023 में अधियाचना मांगी गई है। जेपीएससी जल्द नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करेगा।

कार्यालय, जिला परिषद्, लोहरदगा
Email ID Zplohardaga@gmail.com Mobile no - 06526-222064

अति अल्पकालीन सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि कुडू बस स्टैण्ड में नव निर्मित दुकानों को खुले डाक से आवंटित किया जाना हैं। इच्छुक व्यक्ति जो उक्त दुकान किराये पर लेना चाहते है, निर्धारित जमानत की राशि का DDC-cum-CEO, Zila Parishad Lohardaga के पदनाम से निर्गत डी0डी0 के साथ आवदेन जमा कर सकते है।

क्र0 सं0	दुकान संख्या	दुकान का न्यूनतम मासिक किराया (प्रतिदुकान)	जमानत की राशि (प्रतिदुकान)	आवेदन करने की अंतिम तिथि	डाक की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	8,9,10,11,12,13,14,15 एवं 16	2055.00	20000.00	21.04.2025	22.04.2025 11:30 am

नियम एवं शर्त के लिए कार्यालय के सुचना पट्ट या लोहरदगा जिला के website www.Lohardaga.nic.in पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, लोहरदगा

PR 350543 Lohardaga (25-26)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या–1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना–09/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 24.04.2025 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 25.04.2025 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.04.2025 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Construction of PCC Road From Bituminous Road to Main Gate of LWE ITI at Hehal Ranchi	2079200	41600	5000	Two Months
2	Paver Road From Main Gate to Academic Building and Hostel of LWE ITI at Hehal Ranchi	2447000	49000	5000	Two Months
3	Renovation work of LDC House No-01 (Ground Floor) Located in the Premises of RCH Namkum Ranchi (Re-Tender)	1211600	24300	2500	Two Months

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची।

PR 350617 (Building) 25-26 (D)

सजायाफ्ता पौलूस सुरीन को हाई कोर्ट से झटका, नहीं मिली प्रोविजनल बेल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पुलिस मुखबिर के आरोप में भुषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की हत्या मामले में सजायाफ्ता पूर्व तोरपा विधायक पौलूस सुरीन की प्रोविजनल बेल की याचिका को झारखंड हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। पौलूस सुरीन की ओर से अपने भतीजे की मृत्यु को देखते हुए 15 दिन के लिए प्रोविजनल बेल का आग्रह किया गया था। पौलूस सुरीन की ओर से सजा के खिलाफ दाखिल क्रिमिनल अपील की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। दरअसल, अपर न्यायुक्त दिनेश कुमार की कोर्ट ने पौलूस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने पौलूस सुरीन पर 25 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है, जबकि जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर दोनों अभियुक्तों को 1 साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पौलूस सुरीन दो बार झामुमो के विधायक रह चुके हैं। पौलूस सुरीन ने सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल की है।

क्या था मामला : घटना खूंटी के तोरपा में साल 2013 की है। पुलिस मुखबिर भुषण सिंह और राम गोविंद की हत्या कर दी गई थी। मामले में पौलूस सुरीन, नक्सली जेठा कच्छप कृष्णा महतो और 3 महिला समेत 6 आरोपी ट्रायल फेस कर रहे थे। इसी मामले में पीएफएलआई सुप्रीमो दिनेश गोप भी ट्रायल फेस रहे हैं। अभियोजन पक्ष की ओर से 12 गवाह पेश किए गए थे। जबकि बचाव पक्ष की ओर से 1 गवाह पेश किया गया।

पक्ष व विपक्ष दोनों इस विषय पर गंभीर चर्चा कर चिंतन करें : रक्षा राज्य मंत्री

एक देश एक चुनाव पर हुई चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। फोरम फॉर अवेयरनेस ऑफ नेशनल सिक्योरिटी एवं रोटरी क्लब ऑफ रांची के द्वारा गुरूवार को एक देश एक चुनाव विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एक देश एक चुनाव की अवधारणा में देश का समग्र विकास संभव है। इससे ना केवल आर्थिक संसाधनों की बचत होगी बल्कि प्रशासनिक कार्यों में भी समय की बचत से प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रूप से चल सकेगी। 2024 के चुनाव में लगभग एक लाख करोड़ रूपया खर्च हुए इसके साथ ही कई योजनाओं व विकास की गति भी धीमी पड़ी देश में 5 साल में 1012 दिन आचार संहिता लागू होती है। जिससे विकास कार्यों की गति प्रभावित होती है। यह विषय गहन चिंतन का है और इस विषय पर पक्ष व विपक्ष दोनों को गंभीर चर्चा अवश्य प्रारंभ करनी चाहिए। यह भारतीय लोकतंत्र और भारत के लिए मुख्य मुद्दा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अनुज कुमार सिन्हा ने भी अपने संबोधन के द्वारा अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम समन्वयक प्रमोद सारस्वत ने भी अपना विचार रखा और अतिथियों का परिचय कराया। मंच का संचालन रोटरी क्लब की सचिव डॉ ख्याति मुंजाल ने किया वही धन्यबाद चेम्बर के मानद सचिव आदित्य मल्होत्रा ने किया। इस अवसर पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू ,फैन्स के अध्यक्ष पवन बजाज ,रोटरी क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष गौरव बागराय, सचिव डॉक्टर ख्याति मुंजाल, फैन्स के महासचिव रथीन भद्रा दीपक श्रीवास्तव, राजेश जायसवाल, डी पी सिंह, भंडारी लाल जी, राजेश सिंह, मेजर राघवेंद्र सिंह ,अमित अग्रवाल, डॉ रश्मि, राजीव चौधरी ,किशन अग्रवाल ,डॉक्टर ढाँढनीया, डॉक्टर अरविंद ,सुमित अग्रवाल, शशांक भारद्वाज सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

ईसाई समुदाय ने पुण्य वृहस्पतिवार की धर्मविधी में तीन महान घटनाओं को याद किया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लोयला मैदान में ईसाई समुदाय के लोगों ने पुण्य वृहस्पतिवार की धर्मविधी में तीन महान घटनाओं को याद किया गया, जिसे यीशु ने अपनी मृत्यु के एक दिन पहले अंतिम भोज में किया था। पहली घटना में यीशु ने अपने शिष्यों के पैर धोकर भातृ प्रेम, नम्रता और सेवाभाव की शिक्षा दी। दूसरी घटना के माध्यम से यीशु ने कलीसिया और विश्वासियो के लिए अपने शरीर व और रक्त को रोटी और दाखरस के रूप में दिया, जिसे हर पुरोहित हर एक दिन संपन्न करता है।

उन्होंने अपनी मृत्यु की पूर्वसंध्या पर मिस्सा बलिदान संस्कार की स्थापना की। तीसरी घटना के रूप में प्रभु यीशु ने अपने शिष्यों अपनी स्मृति में ऐसा ही करते रहने की आज्ञा देकर पवित्र पुरोहिताई की भी स्थापना की। इस मौके पर महागिरजाघर के आर्चबिशप बिशप विंसेट आइंड ने शिष्यों के पैर धोकर सेवाभाव का संदेश दिया।

गुड फ्राइडे आज मनाया जायेगा

गुड फ्राइडे ईसाई धर्म के लोगों के द्वारा आज मनाया जायेगा। यह दिन प्रभु यीशु मसीह के बलिदान की याद में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे हर साल ईस्टर संडे से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को आता है। यह दिन यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ने और उनकी मृत्यु की याद में मनाया जाता है। यह दिन शोक और प>ाताप का दिन होता है। आज के दिन ईसाई धर्म के लोग उपवास रखेगें और प्रार्थना करेगें साथ ही चर्चों में विशेष सेवाओं में भाग लेगें।

दान किया गया रक्त किसी जिंदगी को नया जीवन दे सकता है : मंत्री

मंत्री होने के नाते 24 घंटे आपकी सेवा में तत्पर हूं, आपको उचित सम्मान देना हमारा काम है

ब्लड डोनर रिप्लेसमेंट कार्ड डोनर कार्ड पुनः चालू कराने पर झारखंड राज्य स्वैच्छिक रक्तदान संगठन कॉर्डिनेशन कमेटी ने मंत्री का किया स्वागत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य के सक्रिय स्वैच्छिक रक्तदान संगठनों की अपील पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में हमारे स्वास्थ्य विभाग ने 6 साल बाद पुनः झारखांड में ब्लड डोनर रिप्लेसमेंट कार्ड डोनर कार्ड चालू करने का निर्णय लेते हुए रक्तवीरों को सम्मान देने का काम किया है। रक्तदाताओं को आगे भी प्रोत्साहित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग और सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाते रहेगी। यह बातें बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रांची प्रेस क्लब के कांफ्रेंस हॉल में झारखंड राज्य स्वैच्छिक रक्तदान संगठन कॉर्डिनेशन कमेटी द्वारा आयोजित आभार सह सम्मान कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम के दौरान झारखंड राज्य स्वैच्छिक रक्तदान संगठन कॉर्डिनेशन कमेटी के सदस्यों ने शॉल और मोमेंटो देकर माननीय स्वास्थ्य मंत्री का आभार जताया।

रक्तदान मानवता की पुकार है : मंत्री ने कहा कि रक्तदान महादान के समान है। साथ ही, रक्तदान मानवता की पुकार है। रक्तदाताओं द्वारा दान किया गया रक्त किसी ज़िंदगी की सांसों को नया जीवन दे सकता है। व्यक्ति जब अपना रक्त समाज के हितार्थ दान करता है, तब उसके मन में यह भावना नहीं होती है कि उसके रक्त से किस जाति अथवा संप्रदाय का व्यक्ति लाभान्वित होगा। समाज को कुछ ऐसे ही अंशदान समर्पित करने का भाव रखने वाले झारखंड वासियों को पुनः डोनर कार्ड की मांग को पूरा करते हुए झारखंड के उज्ज्वलतम भविष्य निर्माण के लिए जोर दिया गया है।

बाधाओं को दूर करने का नाम ही इरफान : मंत्री ने रक्तवीरों से आग्रह करते हुए कहा कि रक्तदान जिसकी हर बूंद में करुणा, सेवा और संस्कार समाहित होते हैं। उसे हर जरूरतमंद तक पहुंचायें और मरीज के जीवन को बचाने में सहयोग करें। झारखंड में रक्तदान करने वाले विभिन्न सामाजिक संगठन के सभी सदस्य बधाई के पात्र है जो निरंतर लोगों की सेवा करते है। राज्य का स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते मैं आपकी सेवा में 24 घंटे तत्पर हूं। रक्तदान करने वालों को उचित सम्मान के साथ उन्हें पहचान देना हमारी सरकार की सोच है। बाधाओं को दूर करने का नाम ही इरफान अंसारी है। जल्द ही आपकी रिफ्रेशमेंट रेट पर विभागीय समीक्षा की जायेगी, ताकि आप सभी रक्तवीरों को उचित सम्मान दिया जा सके।

6 साल पहले रिम्स में मरीजों को बेड तक नहीं मिलते थे

मंत्री ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा ने 18 साल तक झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को खोखला करने का काम किया है। डबल-इंजन की दुहाई देने वाली भाजपा और उनके नेताओं को यह आत्मसात करने की जरूरत है कि उनके पार्टी के नेता स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए घोटाला करने के मामले में जेल तक जा चुके हैं। वे अगर स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरूस्त करने पर टिप्पणी करते है तों निश्चित तौर पर यह एक हास्यास्पद बात है। भाजपा की रघुवर दास सरकार में रिम्स जैसी बड़ी संस्थान में मरीजों को इलाज के लिए बेड़ तक नहीं मिलते थे, एक ही बेड पर दो-दो मरीजों का इलाज होता था। किसी की जान दवा के अभाव में जाती रही तो, मृत्यु के बाद मृतक के परिजनों को शव घर तक जाने के लिए एम्बुलेंस तक नहीं मिलती थी। हमारी सरकार मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही पर्याप्त संख्या में दवाई और बेड उपलब्ध कराते हुए उनका इलाज कर रही है। किसी की मृत्यु के बाद उनके परिजनों को रिम्स से घर तक ले जाने के मोक्ष वाहन निःशुल्क उपलब्ध करवायेगी। साथ ही निधन व गरीब परिवारों को 5000/- की राशि अंतिम संस्कार के लिए उपलब्ध कराई जायेगी।

खबर एक नजर में

पूजा सिंघल के पति अभिषेक नहीं , अब रिजवान करेगा कोर्ट में पल्स अस्पताल का प्रतिनिधित्व

रांची। पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में पल्स हेल्थकेयर अस्पताल का प्रतिनिधित्व ओडिशा के भुवनेश्वर निवासी रिजवान नजीर करेगा। इसकी अनुमति कोर्ट ने दे दी है। जिसके बाद अब यह तय हो गया है कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में चल रहे ट्रायल के दौरान पल्स अस्पताल के प्रतिनिधि के तौर पर रिजवान नजीर ही अदालत में उपस्थित रहेगा। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से कोर्ट को यह बताया गया कि कंपनी के निदेशक मंडल की 31 जुलाई 2024 को आयोजित बैठक में पारित प्रस्ताव के माध्यम से यह निर्णय लिया गया है कि पल्स हेल्थकेयर अस्पताल का प्रतिनिधित्व रिजवान नजीर करेगा। बताते चलें कि मेसर्स पल्स संजीवनी हेल्थकेयर की ओर से यह याचिका दाखिल की गई थी कि अभिषेक झा की जगह उस व्यक्ति को कोर्ट की कार्यवाही के शामिल होने की अनुमति दी जाए, जिसे कंपनी ने नियुक्त किया है। जिसपर ईडी के विशेष लोक अभियोजक ने कड़ा विरोध किया। वरीय आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बरियातू रोड स्थित पल्स अस्पताल को ईडी ने आरोपी बनाया है। पल्स अस्पताल के लिए जमीन खरीदने के लिए पंचवटी बिल्डर को 3 करोड़ रुपए नकद दिया गया था। इसलिए कंपनी को भी अभियुक्त बनाया गया है।

22 से झारखंड दौरे पर रहेंगे राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना अपनी टीम के साथ 22 और 23 अप्रैल को रांची में दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे राज्य में अनुसूचित जाति से जुड़े मामलों की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक में झारखंड के अनुसूचित जाति की जनसंख्या और प्रति वर्ष वृद्धि दर, साक्षरता दर, जन्म और मृत्यु दर के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं से अनुसूचित जाति के लोगों को मिलने वाले लाभों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही राज्य में अनुसूचित जाति के विकास और कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की भी समीक्षा की जाएगी

झारखंड में कौशल मिशन से 2.48 लाख लोगों को मिला जॉब ऑफर

रांची। झारखंड में झारखंड स्कील डेवलपमेंट मिशन (कौशल विकास मिशन) के तहत चल रही विभिन्न योजनाओं में 2 लाख 48 हजार 347 लोगों को जॉब ऑफर मिला है। इसके तहत सभी योजनाओं को मिलाकर 8 लाख 56 हजार 496 लोगों ने निबंधन कराया। इसमें 6 लाख 20 हजार 749 लोग इंरोल्ड हुए। 5 लाख 39 हजार 948 लोगों को ट्रेंड किया गया। तीन लाख 98 हजार 603 लोगों को सर्टिफाइड किया गया। इसमें से दो लाख 48 हजार 347 लोगों को जॉब ऑफर मिला।

सबसे अधिक डीडीयूकेके योजना में जॉब ऑफर : सबसे अधिक डीडीयूकेके (दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र) योजना के तहत जॉब ऑफर मिला है। इस योजना के तहत 3 लाख 67 हजार 580 लोगों की काउंसिलिंग की गई। इसमें तीन लाख 28 हजार 239 इंरोल्ड हुए। दो लाख 95 हजार,702 लोगों को ट्रेंड किया गया। एक लाख 49 हजार 680 लोगों को जॉब ऑफर मिला। वहीं बिरसा (ब्लॉक लेवल इंस्टीट्यूट फॉर रूरल स्कील एक्वीजिशन) योजना के तहत 74,527 लोगों की काउंसिलिंग की गई। इसमें 58,620 इंरोल्ड हुए। 35,042 को ट्रेंड किया गया। 10,239 को जॉब ऑफर किया गया।

जेपीएससी अध्यक्ष एल खियांग्ते को मिला नया आवास

रांची। झारखंड सरकार ने झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एल खियांग्ते को नया आवास आवंटित किया है। कांके रोड पर मुख्यमंत्री आवास के सामने स्थित प्रमंडलीय आयुक्त के लिए चि?त आवास अब खियांग्ते का नया ठिकाना होगा। इससे पहले वे एटीआई के पीछे स्थित एक सरकारी आवास में रह रहे थे। बताते चलें कि खियांग्ते राज्य के पूर्व मुख्य सचिव रह चुके हैं।

चौकीदार बहाली परीक्षा 27 को

रांची। रांची जिले में चौकीदार के पद पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 27 अप्रैल 2025 (रविवार) को ली जाएगी। यह परीक्षा जिले के 15 अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर एक साथ आयोजित की जाएगी। इससे जुड़ी जानकारी जिला जनसम्पर्क कार्यालय, रांची की तरफ से दी गई है। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड 16 अप्रैल से ही जिला की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। उम्मीदवार वेबसाइट पर जाकर अपना नाम, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर और पद का नाम भरकर ओटीपी के जरिए एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से समय पर एडमिट कार्ड डाउनलोड करने और परीक्षा से पहले अपने परीक्षा केंद्र की जानकारी लेने की सलाह दी है। ताकि परीक्षा वाले दिन कोई परेशानी न हो। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। केंद्र में मोबाइल फोन सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।

निगम की पहल, अवैध पानी कनेक्शन और जार वाटर प्लांट पर लगेगी लगाम, चला विशेष अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शहर की जनता को साफ और सुरक्षित पानी मिले, इस मकसद से रांची नगर निगम ने आज एक जरूरी और सख्त कदम उठाया। शहर में अवैध तरीके से चल रहे पानी के कनेक्शन और जार वाटर बॉटलिंग प्लांट्स पर शिकंजा कसते हुए निगम की टीमों ने विशेष अभियान चलाया। कार्रवाई के तहत दो टीमों ने अलग-अलग इलाकों में जाकर 7 अवैध जार प्लांट्स और 7 अवैध पानी कनेक्शनों की जांच की। इनके संचालकों पर नोटिस जारी कर दस्तावेज मांगे गये हैं। अगर कागजात सही नहीं मिले, तो इन प्लांट्स को सील कर दिया जायेगा। कहां -कहां हुई कार्रवाई : टीम 1 ने बरियातू, जोड़ा तालाब और इंद्रपुरी कॉलोनी में छापेमारी की, टीम 2 ने वार्ड 26, बिरसा चौक इलाके में अवैध कनेक्शन हटाने के निर्देश दिये। नगर निगम ने बताया कि 16 अप्रैल तक ऐसे कुल 18 मामलों की पहचान की जा चुकी है।

आज जब पानी की हर बूंद कीमती है, तब कुछ लोग अवैध तरीके से पानी को लेकर न सिर्फ नियम तोड़ रहे हैं बल्कि दूसरों के हक पर भी डाका डाल रहे हैं. कई प्लांट्स बिना किसी लाइसेंस के चलाये जा रहे थे, जिससे नगर निगम को नुकसान हो रहा था और आम जनता को भी सही पानी नहीं मिल पा रहा था।

नगर निगम की अपील

रांची नगर निगम ने साफ कहा कि अगर किसी ने बिना अनुमति के बोरिंग, मोटर या पाइपलाइन लगाई है, या कोई जार प्लांट चला रहा है, तो उस पर कानूनी कार्रवाई होगी। नगर निगम जनता से सहयोग की अपील करता है। पानी बचाइए, नियमों का पालन कीजिए और मिलकर शहर को बेहतर बनाइए।

22 तक आंधी और वज्रपात के साथ होगी बारिश

रांची। झारखंड में मौसम का अप-डाउन जारी है। 22 अप्रैल तक राज्य के विभिन्न जिलों में बारिश, वज्रपात और आंधी तूफान की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को कई जिलों में बारिश और वज्रपात की संभावना जताई है। 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने की भी उम्मीद है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

आगामी दिनों का पूवार्नुमान

- 18-20 अप्रैलः गढ़वा, लातेहार, पलामू और चतरा जिले को छोड़कर अन्य सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।
- 20 अप्रैलः राज्य के कई ईलाकों में मौसम हल्का सामान्य होने की उम्मीद है।
- 22 अप्रैलः फिर से मौसम बिगड़ेगा, सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, और 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में झारखंड तंजीम की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखण्ड तंजीम के अगुवाई में अगामी 20 अप्रैल को वक्फ संशोधन बिल के विरोध में मुड़मा रांची मे हो रहे तहफ्फुज-ए-वक्फ कांफ्रेस की तैयारी को लेकर एक बैठक गुरूवार को झारखण्ड तंजीम के अध्यक्ष तनवीर गद्दी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में झारखण्ड तंजीम के अलावा रांची जिला मोमिन कांफ्रेस, रातु प्रंखण्ड अंजुमन इस्लामिया, माण्डर प्रखण्ड अंजुमन इस्लामिया, बुढ़मू प्रखण्ड अंजुमन इस्लामिया, अमन ग्रुप के साथ- साथ अल- फ्लाह एडुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट के सदस्य शामिल थे।

आसमान में एयरक्राफ्ट की अटखेलियां देख लोग हुए उत्साहित, हुआ रिर्हसल

कल से होगा एयर शो

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। एयर शो को लेकर नामकुम के खोजाटोली आर्मी मैदान में गुरुवार को भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण टीम ने एयर शो का रिहर्सल किया। आसमान में एयरक्राफ्ट की अटखेलियां देख वहां मौजूद लोग काफी उत्साहित नजर आए। इस दौरान 6 एयरक्राफ्ट ने आसमान में अटखेलियां करते नजर आए। वायुसेना की टीम इस एयर शो को यादगार बनाने में जुटी हुई है। इसके लिए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आमंत्रित किया गया है। एयर शो का उद्देश्य न केवल वायुसेना की शक्ति और कौशल का प्रदर्शन करना है, बल्कि युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें देश सेवा के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

एयर शो की तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने की बैठक : भारतीय वायु सेना का एयर शो 19 और 20 अप्रैल को रांची के नामकुम स्थित खोजा टोली आर्मी मैदान में होने वाला है। इसको लेकर आज जिला कार्यालय में एक जरूरी बैठक की गई, जिसमें कई बड़े अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में एयर शो की सभी तैयारियों की जानकारी ली गई और अधिकारियों को समय पर सारी व्यवस्था ठीक से पूरी करने का निर्देश दिया गया।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और मजिस्ट्रेट तैनात किए गए है। इसके साथ ही ट्रैफिक, भीड़ नियंत्रण और आम लोगों की सुविधा के लिए भी खास इंतजाम किए जा रहे हैं।

आर्मी ग्राउंड के आस-पास के क्षेत्र में मांस-मछली की दुकानों पर प्रतिबंध

रांची। एयर शो को लेकर 18 से 20 अप्रैल तक नामकुम थाना क्षेत्र स्थित आर्मी ग्राउण्ड के आस-पास के क्षेत्र में सभी प्रकार की मांस और मछली की दुकानों पर प्रतिबंध रहेगा। इस संबंध में अनुण्मडल पदाधिकारी, सदर, रांची द्वारा बी०एन०एस०एस० की धारा-163 के अंतर्गत नामकुम थानान्तर्गत आर्मी ग्राउण्ड के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गयी है। जो दिनांक 18.04.2025 के प्रातः 06:00 बजे से दिनांक 20.04.2025 के रात्रि 11:00 बजे तक के लिए लागू रहेगा। इसके साथ ही दोनों दिन 19 एवं 20 अप्रैल को एयर शो के दौरान उक्त इलाके में नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। बता दें कि 19 से 20 अप्रैल को पूर्वा? 09:45 बजे से 10:45 बजे तक नामकुम थानान्तर्गत आर्मी ग्राउण्ड में भारतीय वायु सेना के एयर शो का आयोजन किया गया है, जिसमें सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम द्वारा हवाई करतब दिखाये जायेंगे। शो के दौरान मांस-मछली की दुकानों के रहने से पक्षियों के जमावड़े के कारण दुर्घटना की आशंका को देखते हुए सुरक्षा के दृष्टिकोण से आर्मी ग्राउण्ड की 200 मीटर परिधि में मांस-मछली की दुकानों को प्रतिबंधित किया गया है, ताकि पक्षियों का जमावड़ा न हो और किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

दोनों दिन 19-20 को एयर शो के दौरान नो फ्लाई जोन

स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को जरूर दिखाएं एयर शो : संजय सेठ

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची के सभी स्कूल प्रबंधन एवं कॉलेजों के प्राचार्य से अपील करते हुए कहा है कि रांची में पहली बार आयोजित एयर शो को अवश्य देखें। इसका आयोजन भारतीय एयर फोर्स की ओर से किया जा रहा है। इस एयर शो में सभी स्कूल एवं कॉलेजों के प्रबंधक अपने बच्चों को अवश्य दिखाएं। रक्षा राज्य मंत्री श्री सेठ ने कहा भारतीय सेना के प्रति बच्चे जागरूक हो। अपने जीवन का गोल सेट कर सके। अपने सेना के शौर्य और पराक्रम को जान सके। इसी उद्देश्य के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन रांची में किया जा रहा है। यह शो पूरी तरह निःशुल्क है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में भाग लेने एयर फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ एपी सिंह कल रांची आ रहे हैंक उनके जोरदार स्वागत की भी तैयारी है। विदित हो कि 19 व 20 अप्रैल को सुबह 9:00 बजे रांची में विश्वस्तरीय एयर शो का आयोजन सूर्य किरण टीम द्वारा किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना की यह टीम विमानों के द्वारा कई रोमांचकारी करतब दिखाएगी।

प्रथम जेपीएससी घोटाला के छह आरोपियों का सीबीआई कोर्ट में सरेंडर

सीमा सिंह, सुषमा सोरेन, ज्योति झा, कमलेश नारायण, संजीव कुमार और राजीव कुमार ने भरा बेल बॉन्ड

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रथम जेपीएससी घोटाला के छह आरोपियों ने गुरुवार को रांची सीबीआई कोर्ट में सरेंडर किया है। जिन आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर किया है, उसमें सीमा सिंह, सुषमा सोरेन, ज्योति झा, कमलेश नारायण, संजीव कुमार और राजीव कुमार का नाम शामिल है। सभी आरोपियों ने कोर्ट के समक्ष दस-दस हजार के दो-दो निजी मुचलके भी भरे हैं। बताते चलें कि सीबीआई ने जेपीएससी घोटाला से संबंधित केस में पिछले वर्ष चार्जशीट दाखिल की थी। इस पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने सभी अभियुक्तों के खिलाफ समन जारी किया था। कोर्ट से समन जारी होने के बाद कई अभियुक्तों ने हाईकोर्ट से अग्रिम बेल मांगी थी। अग्रिम बेल के आग्रह को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। जिसके बाद सरेंडर और बेल बॉन्ड भरने की प्रक्रिया पूरी की गयी। सीबीआई ने खढरउ घोटाला से जुड़े इस केस में कांड संख्या 5/2012 दर्ज की है।

डीजीपी ने की पुलिस मुख्यालय में जैप, आईआरबी एसआईएसएफ, एसआईआरबी वाहिनियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा, कहा

आईजी एवं डीआईजी अपने क्षेत्राधिकार में प्रतिनियुक्त वाहिनी का करेंगे निरीक्षण

- कंपनी में बलों की कमी को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त संख्या में बलों की प्रतिनियुक्ति कराना सुनिश्चित करेंगे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में जैप, आईआरबी एसआईएसएफ, एसआईआरबी वाहिनियों की वर्तमान कार्यप्रणाली के मद्देनजर हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि आईजी और डीआईजी अपने क्षेत्राधिकार में प्रतिनियुक्त वाहिनी के कंपनियों का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा डीजीपी ने कहा कि वाहिनी, कंपनी के प्रमुख, वाहिनी, कंपनी का नियमित रूप से निरीक्षण करना सुनिश्चित करेंगे। कंपनी में बलों की कमी को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त संख्या में बलों की प्रतिनियुक्ति कराना सुनिश्चित करेंगे। वहीं वाहिनी में लोगों के बीच अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाये। वाहिनी में प्रतिनियुक्त वाहन का नियमित रूप से निरीक्षण करना सुनिश्चित करेंगे और आवश्यकतानुसार वाहनों के आवंटन के लिए पुलिस मुख्यालय को अवगत करायेंगे।

डीजीपी ने अपने निर्देश में यह भी कहा है कि प्रतिनियुक्त सभी कंपनियों में कार्यरत पदाधिकारी और कर्मी के रहने, खाने पीने की उत्तम व्यवस्था की जाये। वाहिनी में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी और कर्मी के प्रोन्नति के साथ उन्हें मिलने वाले वेतन वृद्धि एसीपी, एमएसीपी का समय से लाभ मिल सके, इसका अनुपालन अविलंब सुनिश्चित किया जाये।

स्वर्णरेखा संस्थान केंद्र पर झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

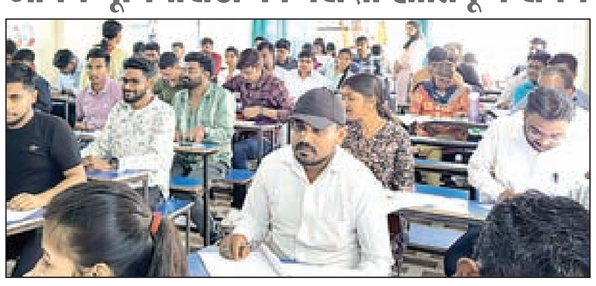

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी रांची द्वारा संचालित अप्रैल 2025 की परीक्षा सेमेस्टर 1 एवं सेमेस्टर 2, स्वर्णरिखा संस्थान में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र पर कुल 176 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस परीक्षा में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स, पीजी डिप्लोमा कोर्स, अंडरग्रेजुएट कोर्स एवं पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के छात्र शामिल थे। परीक्षा के दौरान पीने के पानी, बैठने की उचित व्यवस्था, स्वच्छता और निगरानी की समुचित व्यवस्था की गई थी। परीक्षा व्यवस्था की निगरानी केंद्र सुपरिंटेंडेंट डॉ विद्या सागर, अमित कुमार, गौरव सिंह, मुकेश कुमार, गंगोत्री कुमारी, डॉली कच्छप, अपूर्वा पाण्डेय एवं अन्य कर्मियों द्वारा की गई। मौके पर उपस्थित केंद्र कोऑर्डिनेटर डॉ गंगेश गुंजन झा ने बताया कि छात्रों ने पूर्ण अनुशासन और सकारात्मक माहौल में परीक्षा दी। झारखंड राज्य ओपन यूनिवर्सिटी एवं केंद्र प्रशासन ने परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया है।

फ्री में आईसक्रीम न देने पर दुकानदार को मारा चाकू, घायल

रांची। रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में मुफ्त में आईसक्रीम न देने पर दुकानदार को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। घटना गुरुवार रात की है। जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति फ्री में आईक्रीम मांग रहा था। जब दुकानदार ने पैसा मांगा तो विवाद हो गया और चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया गया। घायल युवक दिलखुश किर को इलाज के लिए सदर हॉस्पिटल भेजा गया है। मामले को लेकर पीड़ित परिवार और घायल युवक ने बताया कि चाकू की नोंक पर ठेले में रखे पैसे भी लूट लिये और गर्दन पर चाकू से हमला किया। घायल युवक राजस्थान का रहने वाला है और रांची में आईसक्रीम बेचने का काम करता है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

ड्रेस कोड कमेटी की दूसरी बैठक बेनतीजा रही

कोल इंडिया प्रबंधन बोला- जूता नहीं देंगे, पैसों पर मामला अटका

- पहली बैठक में चर्चा हुई थी कि ड्रेस के साथ जूता-मोजा भी उपलब्ध कराया जाएगा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/कोलकाता। कोल इंडिया द्वारा ड्रेस कोड निर्धारण करने के लिए गठित कमेटी की दूसरी बैठक गुरुवार को बेनतीजा रही। यह बैठक कोलकाता स्थित सीआईएल मुख्यालय में बुलाई गई थी।

बताया गया है कि गणवेश की राशि को लेकर बैठक में बात नहीं बनी। दरअसल पहली बैठक के सीआईएल प्रबंधन ने इस संदर्भ में एक रिवाइज ड्राफ्ट जारी किया था। इसमें ड्रेस के लिए 10,500 रुपए निर्धारित किए जाने का जिक्र था। जबकि पहली बैठक में चर्चा हुई थी कि ड्रेस के साथ जूता-मोजा भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस हेतु 12,500 रुपए की एडवांस राशि देने की बात भी हुई थी।

गुरुवार को हुई बैठक में प्रबंधन ने कहा कि जूता उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, इसलिए रिवाइज ड्राफ्ट 10,500 रुपए का उल्लेख किया गया था।

बैठक में उपस्थित यूनियन प्रतिनिधियों ने 10,500 रुपए का अस्वीकार कर दिया। बताया गया है कि चेयरमैन द्वारा भी इस संदर्भ में हस्तक्षेप किया गया, लेकिन बात नहीं बनी। लिहाजा बैठक बेनतीजा रही। कहा गया है कि अब इसकी चर्चा उच्च स्तर पर होगी।

हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर राज्य का माहौल खराब करना चाहती है बीजेपी : राकेश सिन्हा

खबर मन्त्र ब्यूरो

- रांची में भाजपा के आक्रोश प्रदर्शन पर कांग्रेस नेता ने दी तीखी प्रतिक्रिया

रांची। झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी द्वारा शरीयत और संविधान को लेकर दिए गए बयान के विरोध में गुरुवार को महानगर भाजपा की ओर से मंत्री को बर्खास्त करने की मांग को लेकर शहीद चौक से राजभवन तक आक्रोश मार्च निकाला गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि झारखंड की राजनीति में अप्रासंगिक हो चुकी भाजपा सिर्फ हिन्दू-मुस्लिम करने में लगी है और वह माहौल खराब करने की कोशिश में लगी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या कभी आपने सुना है कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, देश के लिए मेडल लाने वाली खिलाड़ी बेटियों के सम्मान के सवाल पर, हाथरस और कठुआ के सवाल पर या फिर अमेरिकी ट्रंप सरकार द्वारा भारतीयों को अपमानित कर भारत भेजने के सवाल पर भाजपा ने आक्रोश प्रदर्शन किया हो?

कांग्रेस नेता ने कहा कि एक अल्पसंख्यक मंत्री, जिसने अपने बयान को लेकर सफाई भी दे दी है बावजूद भाजपा के नेता इसे मुद्दा सिर्फ इसलिए बना रहे हैं, क्योंकि उन्हें वोट की राजनीति करनी है।

क्या कहा था मंत्री हफीजुल हसन ने

हेमंत सरकार में झामुमो कोटे से मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने एक निजी चैनल से बातचीत में कहा था कि उनके दिल में कुरान और हाथ में संविधान है। उनके लिए शरीयत का कानून पहले है और उसके बाद कुछ और है। भाजपा ने इसे संविधान का अपमान बताते हुए हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की है।

अवैध बालू खनन पर प्रशासन की कार्रवाई, दो ट्रेक्टर जब्त

इटखोरी। प्रखंड क्षेत्र में अवैध बालू खनन पर स्थानीय प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। बुधवार देर शाम को सीओ सविता सिंह ने मुहाने नदी क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध रूप से बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया। जब्त किए गए दोनों ट्रैक्टरों को इटखोरी थाना को सौंप दिया गया है। सीओ ने बताया कि ट्रैक्टर चालक बालू को बिना अनुमति नदी से खनन कर रहे थे। इस मामले में संबंधित ट्रैक्टर मालिकों के खिलाफ खनन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। सीओ ने स्पष्ट किया कि आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

जॉन्स प्ले स्कूल में शिक्षक की पिटाई से छात्र घायल, परिजनों ने की गिरफ्तारी की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। जॉन्स प्ले स्कूल के शिक्षक द्वारा एक नबालिग छात्र की बेरहमी से पिटाई किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार इटकी रोड स्थित करम टांड़ के समीप अवस्थित जॉन्स प्ले स्कूल के शिक्षक जेम्स खलखो द्वारा अपने ही विद्यालय के आठवीं वर्ग के नबालिग छात्र शाहनवाज अंसारी को डंडे से बर्बरतापूर्ण पिटाई की गई। जिससे बच्चे के पीठ और बांह में सूजन और डंडे का गहरा निशान पड़ गया है। शिक्षक द्वारा इस बर्बरतापूर्ण पिटाई करने से गुसाए छात्र के परिजन और ग्रामीणों ने इटकी थाना में लिखित आवेदन देकर दोषी शिक्षक को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक जेम्स खलखो को थाने ले आई। इसके बाद शिक्षक के रसूखदार सक्रीय हो गये और मामले को समझौता के तहत रफा दफा कराने में जुट गये। समाचार लिखे जाने तक थाने में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी।

प. बंगाल में हिंदुओं के उत्पीड़न के खिलाफ बजरंग दल 19 अप्रैल को करेगा राष्ट्र व्यापी प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बजरंग दल के झारखंड प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा है कि पिछले एक सप्ताह से वक़्फ अधिनियम के बहाने पश्चिम बंगाल में हिंदू लक्षित हिंसा और दंगों से हिंदुओं का उत्पीड़न बड़े स्तर पर चल रहा है। हजारों की संख्या में पीड़ित हिंदू परिवार अपने ही राज्य में निर्वासित होने पर विवश हुए हैं। इसके विरोध में 19 अप्रैल को बजरंग दल राष्ट्रव्यापी आक्रोश प्रदर्शन करेगा।

गुरुवार को यहां पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा कि पश्चिम बंगाल के प्रभावित इलाके से पलायन कर कई पीड़ित परिवार झारखंड के सीमावर्ती जिलों में अपनी जान बचाकर आश्रय लिए हुए हैं। विहिप उन्हें हरसंभव मदद करने को कृत संकल्प है। राज्य सरकार की किसी भी प्रकार की कार्यवाही हिंदू परिवारों की सुरक्षा के लिए अभी तक दृष्टिगत नहीं हुई है। स्पष्टतः इसके मूल में केवल मुस्लिम तुष्टिकरण की दुर्भावना ही है।

उन्होंने कहा कि ऐसी पक्षपाती राज्य सरकार के रहते हिंदू परिवारों के जीवन, सम्मान और सम्पति की रक्षा संभव नहीं है। ऐसी हिंदू विरोधी सरकार को तत्काल निलंबित कर राष्ट्रपति शासन लागू करने से ही हिंदू समाज के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा संभव है। यह बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद की मांग है।

बजरंग दल के झारखंड प्रांत संयोजक महतो ने कहा कि बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद इस मांग को लेकर 19 अप्रैल, दिन शनिवार को राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत सम्पूर्ण राज्य के सभी जिला केंद्रों पर आक्रोश प्रदर्शन व धरना देगा। इसके बाद जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस मौके पर विहिप प्रान्त अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, प्रान्त मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, प्रान्त संयोजक रंगनाथ महतो ने सभी जिला मंत्रियों, सभी जिला संयोजकों एवं जिलों में निवास करने वाले सभी दायित्ववान कार्यकर्ताओं सहित सभी धार्मिक, आध्यात्मिक, राजनैतिक संगठनों को इस कार्यक्रम में भारी संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

राज्य में विधि-व्यवस्था की समीक्षा करे सरकार : चेंबर

- आपराधिक घटनाओं की रोकथाम नहीं होने पर चिंता व्यक्त करते हुए की सख्त कार्रवाई की अपील

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य में हरेक नियमित अंतराल पर आपराधिक घटनाओं की रोकथाम नहीं होने पर चिंता व्यक्त करते हुए चेंबर ऑफ कॉमर्स ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और डीजीपी से सख्त कार्रवाई की अपील की है। चेंबर ने कहा है कि राज्य में विधि-व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए। चेंबर का कहना है कि किसी भी राज्य की राजधानी उसके विकास का पैमाना तय करती है, लेकिन राजधानी रांची में अपराधियों के बढ़ते मनोबल के कारण लोग भयभीत हैं। हाल के दिनों में शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में हत्या और दिनदहाड़े दुकान में घुसकर छिनतई की घटना पर आपत्ति व्यक्त करते हुए चैंबर ने जिला पुलिस प्रशासन से नए सिरे से विधि-व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की।

थाना स्तर पर पुलिस को बनाएं जवाबदेह

चेंबर ने कहा कि किसी भी थाना क्षेत्र में घटित घटना पर थाना स्तर पर पदस्थापित पुलिसकर्मियों को जवाबदेह बनाया जाना जरूरी है। अपराधियों के बढ़ते मनोबल के कारण मौजूदा परिवेश में व्यापार करना कठिन हो गया है, जिसपर सरकार को गंभीर चिंतन करने की आवश्यकता है।

राज्य की विधि-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए चैंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने थाना स्तर पर पुलिस व्यवसायी समन्वय समिति की बैठकें फिर शुरू करने की जरूरत बताई। साथ ही अधिक जनसंख्या वाले शहरों रांची, जमशेदपुर और धनबाद में पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री से जरूरी कदम उठाने का आग्रह किया। बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, सदस्य मनोज मिश्रा, संतोष अग्रवाल, अल्तमस आलम उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

अर्पिता महिला मंडल ने सीसीएल दरभंगा हाउस परिसर और राजभवन के सामने दो पियाऊ का किया उद्घाटन

रांची। समाजसेवा के अपने अभियान को आगे बढ़ाते हुए गर्मी के मौसम में लोगों को राहत देने के लिए अर्पिता महिला मंडल की ओर से सीसीएल दरभंगा हाउस परिसर और राजभवन के सामने गुरुवार को महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह के द्वारा एक-एक पियाऊ का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर पियाऊ से राहगीरों और जरूरतमंद स्थानीय लोगों को ठंडा पानी, जीरा पानी, लड्डू और छाछ वितरित किया गया। कार्यक्रम में रीता तिवारी, लीना शरण, नीरजा कुमारी, नूतन झा, झूमा चौधरी, नीतू गुप्ता, श्रीमती सोनल, श्रीमती मोनालिसा, सुधा सिंह, संगीता सिंह तथा कमेटी सदस्य त्रिवेणी इनामदार, नीता लाल और मनीषा सिंह, कविता झा, पूनम झा एवं बड़ी संख्या में आसपास के लोग मौजूद थे।

हटिया विधायक ने किया पथ निर्माण का शिलान्यास

रांची। विधायक नवीन जायसवाल द्वारा दो पथ निर्माण का शिलान्यास गुरुवार को किया गया। जिसमें नयासराय के कुटे गांव में फैजुल इस्लाम मदरसा से शाहिद खान के घर तक 1.6 किलोमीटर लंबा सड़क नाली का निर्माण हेतु शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही दूसरा पथ फुटकल टोली में दशरथ मुंडा के घर से नसीम अंसारी के घर तक 1.5 किलोमीटर का शिलान्यास किया गया। इस पथ निर्माण का कार्य ठेकेदार विनोद कुमार द्वारा किया जाएगा।

डीपीएस के प्राचार्य एवं प्राइमरी विंग इंचार्ज राज्यपाल मिले

रांची। दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. आरके झा और प्राइमरी विंग इंचार्ज प्रभा सिंह ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की। मौके पर राज्यपाल ने राज्य के व्यापक विकासात्मक उद्देश्यों के साथ शैक्षिक सुधारों को सुसंगत बनाने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने नवाचार को उत्प्रेरित करने और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत तालमेल का आह्वान किया। प्राचार्य ने इस दूरदर्शी सकारात्मक उद्देश्य को साकार करने में अपना अटूट समर्थन देने का वादा किया।

प्रो. डॉ. गूनेश्वर झा के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त

रांची। रांची विश्वविद्यालय के भूगर्भ शास्त्र विभाग के पूर्व प्रो. डॉ. गूनेश्वर झा के आकस्मिक निधन पर बाबा विद्यापति स्मारक समिति के कार्यालय में गुरुवार को जयंत झा की अध्यक्षता में शोकसभा का आयोजन किया गया। मौके पर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। समिति के अध्यक्ष जयंत झा ने कहा कि भूगर्भ शास्त्री प्रो. गुणेश्वर झा (84 वर्ष) का लंबी बीमारी के बाद इलाज के क्रम में विगत बुधवार की सुबह निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से सम्पूर्ण मिथिला समाज शोक में डूबा हुआ है। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष जयंत झा, देवेंद्र ठाकुर, मुकेश झा शास्त्री, डॉ पंकज राय, उदित नारायण ठाकुर, ज्ञानदेव झा, मृत्युंजय झा, अशोक पांडे, आशु झा, रितु नाथ झा, संतोष मिश्रा, मनोज झा आदि मौजूद थे।

अंगीभूत महाविद्यालय अनुबंध शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को आजसू छात्र संघ का समर्थन

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ गुरुवार को पिछले 10 दिनों से विश्वविद्यालय में समायोजित करने की मांग को लेकर धरना पर बैठे कर्मचारियों से मिला एवं उनकी मांगों से अवगत हुए। मौके पर आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कहा कि सरकार से हम मांग करते हैं कि इनके भरण पोषण हेतु सभी अंगीभूत महाविद्यालय में कर्मचारियों का समायोजन किया जाये अन्यथा बाध्य होकर आजसू छात्र संघ आंदोलन करेगा।

श्री यज्ञा बाबा आश्रम में श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ का आयोजन 19 अप्रैल से

रांची। मोरहाबादी स्थित श्री यज्ञा बाबा आश्रम दुर्गा मंदिर में 19 से 25 अप्रैल को भव्य श्री यज्ञा बाबा की मूर्ति का अनावरण होगा और देव प्रतिष्ठा सह श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ होगा। महंत भरत दास महाराज ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि 19 अप्रैल से होने वाला यह आयोजन विशाल भंडारे के साथ संपन्न होगा। देव प्रतिष्ठा आचार्य श्याम सुंदर शर्मा के सान्निध्य और श्रीमद् भागवत कथा गया पीठाधीश्वर स्वामी वैंकटेश प्रपन्नाचार्या महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। इस यज्ञ के निवेदक राधे श्याम शर्मा और विमला शर्मा हैं। वहीं यजमान की भूमिका में राकेश शर्मा-प्रिया शर्मा, अमित विक्रम और निधि शर्मा हैं।

वक्फ अधिनियम 2025 को रद्द करने की मांग को लेकर जनसंपर्क अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। वक्फ अधिनियम 2025 को रद्द करने की मांग को लेकर मुड़मा मैदान रविवार 20 अप्रैल 2025 को एक कांफ्रेंस रखा गया है। इसके लिए सघन जनसंपर्क अभियान के तहत गुरुवार को बुढ़मू प्रखंड के चकमे, मतवे, बूढ़ा खुखरा, मांडर प्रखंड के झिंझरी, कनभीठा, गोरे, बरटोली, टांगर बसली, नवाटाड़, बूढ़ा खुखरा, कंजिया एवं माडर सहित करगे, मलती, अंबा टोली, हेसल घुघरी समेत कई गांव में दौरा कर जनसंपर्क किया गया। इस काला कानून को रद्द करने की मांग को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लेने का अपील किया गया। सभी धर्मनिरपेक्ष पार्टियों एवं भारत की जनता यह मानती है कि वक्फ अधिनियम 2025 भारत के संविधान के लिए एवं विशेष कर मुस्लिम समुदाय के लिए एक काला कानून है। ये कानून धार्मिक, सामाजिक, संविधान में प्रदत मौलिक अधिकार, समानता के अधिकार का भी उल्लंघन है। जिसका सभी स्तरों पर विरोध होना चाहिए। विरोध का गूंज भारत सरकार प्रधानमंत्री और गृह मंत्री तक पहुंचना चाहिए। इस कानून के लागू होने से मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, खानकाह, कब्रिस्तान सहित कई इबादतगाहे एवं वक्फ की जमीन सरकार के हाथों में चली जाएगी और सरकार अपने पूंजीपति मित्रो को ये जमीन कौड़ियों के भाव लुटाएगी। इस अभियान में झारखंड तंजीम के केंद्रीय प्रवक्ता शाकीर इस्लाही, ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस के रांची जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद, समाजसेवी इरशाद इमाम समेत काफी तादाद में लोग मौजूद थे।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। झारखंड पुलिस द्वारा जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को अनगड़ा प्रखंड परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम में अनगड़ा, सिकीदीरी एवं ओरमांझी थाना क्षेत्रों के ग्रामीण अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें कई मामलों का निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया, जबकि अन्य मामलों के लिए जांच पदाधिकारी नियुक्त कर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। थाना वार प्राप्त आवेदनों का विवरण इस प्रकार है ओरमांझी थाना क्षेत्र से पांच आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से एक का निष्पादन किया गया एवं चार मामलों में जांच चल रही है। सिकीदीरी थाना क्षेत्र से एक आवेदन प्राप्त हुआ, जिसकी जांच की जा रही है। अनगड़ा थाना क्षेत्र से 17 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से एक का निष्पादन मौके पर किया गया। इसके अतिरिक्त एक नाली विवाद के मामले में आपसी समझौते के माध्यम से समाधान किया गया। कार्यक्रम में हीरालाल साह, विजय कुमार दास, अनिल कुमार तिवारी, वरुण कुमार हजाम, बाबूलाल टुडू सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

अज्ञात अपराधियों ने बंद घर को बनाया निशाना
सुंडील गांव में नकद और जेवरात की चोरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के सुंडील में 16 अप्रैल की रात अपराधियों ने बंद घर को निशाना बनाया और अलमारी में रखे 30 हजार नकद समेत कान का झुमका, एक लॉकेट, एक जोड़ी पायल, चार जोड़ी बिछिया, चार सोने की चेन, दो जोड़ी बच्ची का पायल, एटीएम कार्ड, हेलमेट, शूट और कपड़े आदि कीमती सामान की चोरी कर ली। मामले को लेकर भुक्तभोगी सोहरी देवी ने रातू थाने में संदेह के आधार पर गांव के ही शिवपूजन साहू, चंचल साहू और मनीष साहू के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

कैसे घटी घटना : चौदह अप्रैल को उसकी मां की सोने का फूल और नकबेसर चोरी हो गयी थी। खोजबीन में पता चला कि शिवपूजन का पुत्र प्रशुन कुमार ने चोरी की है। बुधवार को उसने थाने को इसकी सूचना दी। खबर पाकर पहुंची पुलिस के समक्ष शिवपूजन ने दो दिनों में जेवरात वापस करने की बात कही। इसके बाद सोहरी शाम को दरवाजे में ताले जड़ भाई के लड़के की शादी में मायका चली गयी। गुरुवार की दोपहर लौटी, तो अलमारी टूटी हुयी थी और कमरे में सामान बिखरे पड़े थे।

झारखंड नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी ने प्रखण्ड के किसानों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति किया जागरूक

खबर मन्त्र संवाददाता

किसानों को सम्मानित करते।

खलारी। प्रखंड सभागार खलारी में झारखंड नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (ज्रेडा) के द्वारा किसानों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं उनके क्षमता विकास के लिए कृषि डिमांड साइड मैनेजमेंट के अंतर्गत प्रखंड स्तरीय कर्मशाला का आयोजन किया गया। कर्मशाला की शुरूवात ज्रेडा के प्रतिनिधि गौरव मित्तल, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी आदित्य नाथ झा एवं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक विकास प्रीति रंजन तिर्की के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वल्लित कर किया गया। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के द्वारा सौर ऊर्जा से संबंधित योजना किसान समृद्धि योजना के बारे में विस्तारपूर्वक उपस्थित किसानों को बताया गया। प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी के द्वारा ऊर्जा संरक्षण के उद्देश्य, महत्व एवं लाभ के बारे में सभी को बताया गया। ज्रेडा के प्रतिनिधि गौरव मित्तल के द्वारा पीपीटी के माध्यम से घरेलू एवं कृषि क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण का उद्देश्य एवं महत्व के बारे में सभी किसानों को समझाया गया। कार्यशाला में मुखिया शिवनाथ मुंडा एवं प्रखंड किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष दिनेश उरांव को शॉल ओढ़ाकर एवं मोमेंटो दे कर सम्मानित किया गया।

मंत्री हफीजुल को बर्खास्तगी की मांग को लेकर राज्यपाल से मिले भाजपा कार्यकर्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ता राज्यपाल से मिलने राजभवन रांची पहुंचे। गेतलसूद में भाजपा कार्यकर्ता पूर्व रांची जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार व भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. सत्यदेव मुंडा के नेतृत्व में रवाना हुए। गेतलसूद चौक में सभी ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जैलेन्द्र कुमार ने बताया कि मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने संविधान के नाम का मंत्री पद की शपथ लिया। संविधान की रक्षा का शपथ लिया। लेकिन एक बयान में कहा कि मेरे लिए संविधान से उपर शरीयत है। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि कामेश्वर महतो, बिगेश्वर महतो, बन्नू बेदिया, नंदलाल राम, शिवधर रजवार, बिहारी महतो, मानेश्वर मुंडा, अनिल मुंडा, सोहन बेदिया, नागेश्वर महतो, शिकारी महतो, कमलाकांत मुंडा, पवन लोहरा आदि उपस्थित थे।

परीक्षा की तैयारी तथा कैरियर काउंसिलिंग को लेकर सेमिनार

मांडर। ऑक्सब्रिज स्कूल में गुरुवार को दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें बोर्ड परीक्षा की तैयारी तथा कैरियर काउंसिलिंग की गई। वक्ता उज्जवल कुमार तथा मोहम्मद इरशाद हैदर द्वारा बच्चों को परीक्षा की तैयारी में सफल होने के तरीकों को बताया गया। उसके बाद विषय वस्तु के चयन का मार्गदर्शन भी किया गया। बदलते आधुनिक परिवेश में सामंजस्य बैठाते हुए बाल मनोविज्ञान की भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस सेमिनार में कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

झारखण्ड आंदोलनकारी नेताओ को सरकार द्वारा चिन्हितीकरण पर प्रखण्ड के लोगो ने दी बधाई

▶▶ **चिन्हित आंदोलनकारियों को प्रदीप भोगता ने सभी सम्मानित सदस्यों को दी शुभकामनाएं**

खबर मन्त्र संवाददाता

सचिव रंथु उरांव।

खलारी। झारखण्ड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग द्वारा खलारी प्रखण्ड से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के एरिया सचिव रंथु उरांव तिग्गा, वरिष्ठ पत्रकार स्व. मुक्तिनाथ गिरी एवं अन्य सदस्यों का झारखण्ड आंदोलनकारी सूची में नाम शामिल किया गया। चिन्हित आंदोलनकारियों को झामुमो नेता प्रदीप भोगता के द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों को शुभकामनाएं दिया। साथ ही प्रखण्ड के कई लोगो ने शुभकामनाएं दिया। जिसमें जगरनाथ महतो, शशि मुंडा, सूरज मुंडा, परमेश्वर गंझू, अर्जुन गंझू, परमेश्वर साव, प्रभात कुमार, दशरथ तुरी, रमेश गंझू, रमेश तुरी, राजेश तुरी, मिथुन गंझू, नूंदन गंझू, अमर भोगता, दीपक टाना भगत, किशुन मुंडा, सुखरा उरांव, राजकुमार उरांव, सुभाष उरांव, ऋषिदेव प्रसाद, बालमुकुंद पांडेय, गुलाब राजभर, मंटू मुंडा, योगेन्द्र मुंडा मिंटू गंझू, अमित तुरी, अमित भोगता सेहत अन्य लोगो ने बधाई दिया।

मनरेगा पार्क ग्रामीणों के लिए वरदान : डीटीओ

खबर मन्त्र संवाददाता

मनरेगा पार्क में उपस्थित पदाधिकारी।

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के पूर्व प्रखंड विकास पदाधिकारी और वर्तमान जिला परिवहन पदाधिकारी डीटीओ कोडरमा के विजय कुमार सोनी ने बुधवार को ईटा पंचायत में बने मनरेगा पार्क का भ्रमण किया। उन्होंने ने मनरेगा पार्क में लगे लगभग 35 एकड़ की आम बागवानी को देखा। उन्होंने बताया की जिस समय मैं बेड़ो प्रखंड में था उसी समय इस मनरेगा पार्क का शुरूआत किया गया था। उस समय मनरेगा पार्क में लगे आम बागवानी के पौधे बहुत छोटे थे लेकिन आज पौधे काफी बड़े हो गए हैं और उनमें फल भी आना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि आज मेरे कार्यकाल में शुरू किया गया मनरेगा पार्क ने इतना बड़ा रूप धारण कर लिया है ये देखकर मुझे बहुत ही खुशी हो रही है।यह मनरेगा पार्क ग्रामीणों के लिए वरदान बनेगा। इसके निर्माण से जहां स्थानीय जॉब कार्ड धारक मजदूरों को रोजगार मुहैया होगा, वहीं मनरेगा पार्क बनने से गांव का चहुमुंखी विकास होगा। मनरेगा पार्क के बनने से आसपास के गांवों के ग्रामीण कृषि कार्य सिखेंगे और पूरा प्रखंड खुशहाल होगा। उन्होंने मनरेगा पार्क की सफलता और पंचायत को सुचारू रूप से चलाने के लिए पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा सराहना की। साथ ही कहा कि अपने कार्यकाल में लोगों से जुड़कर काम करने में बहुत आनंद मिलता था। इस मौके पर बीपीओ संजय तिर्की, जेई सद्दाम पूर्व उपप्रमुख धनंजय राय, राजेश सहाय, रसीद मीर, अश्विनी सिंह, कलिंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

कुख्यात नक्सली अमित मुंडा के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

खबर मन्त्र संवाददाता

तमाड़। पश्चिमी सिंहभूम के वांछित नक्सली अमित मुंडा के खिलाफ पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम के टेबो थाना में 29 जून 2022 को दर्ज कांड संख्या 10/22, भादवि की धारा 147/148/149/302/120(बी)/34 तथा 27 आर्म्स एक्ट एवं 17 सीएलए एक्ट के तहत वांछित नक्सली अमित मुंडा उर्फ सुखलाल मुंडा उर्फ चुका मुंडा (पिता सुखराम मुंडा) के तमाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तमराना गांव में स्थित घर में छापामारी की। यह छापामारी टेबो और तमाड़ थानों की पुलिस ने संयुक्त रूप से की। हालांकि, आरोपी फरार मिला। पुलिस ने न्यायालय द्वारा जारी इश्तेहार को घर पर चिपकाया और स्थानीय गवाहों की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया। कोर्ट ने आरोपी को 23 मई तक सरेंडर करने का निर्देश दिया है। ऐसा नहीं करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

ओरमांझी मे 131 आंगनबाड़ी सेविकाओं को मोबाइल के साथ मिली बड़ी जिमेदारी

खबर मन्त्र संवाददाता

कार्यक्रम में बोलेत विधायक राजेश कच्छप।

ओरमांझी। पोषण पखवाड़ा-2025 को लेकर प्रखंड मुख्यालय ओरमांझी में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी सेवकाओं को मोबाइल दिया गया। वहीं अपने क्रेद्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई सेविका व सहायिका को सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि विधायक राजेश कच्छप ने सेविका व सहायिकाओं को सम्मानित करने के साथ सभी को मोबाइल प्रदान किया। कहा अब सेविकाओं को डेटा संग्रह इंट्री करने में सुविधा होगी। लेकिन मोबाइल के साथ सेविकाओं को बड़ी जिमेदारी भी दी गई है। झारखंड को कुपोषण पूर्ण मुक्त राज्य बनाने में सेविका व सहायिका का भुमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। सविकाओं की प्रशिक्षण की मांग पर विधायक ने कहा आज के समय में 70-80 वर्ष के लोग मोबाइल चला रहे हैं। उन्होने कहा कल्सटर वाइज सुपरवाईजर के माध्यम से सभी को प्रशिक्षण दें। साथ ही उन्होने डीसी, एसपी व थाना का नंबर का उदहारण देते हुए कहा सेविकाओं के पास भी जो नंबर होगा वह बदलेगा नही। वहीं कार्यक्रम का संचालन करते हुए सीडीपीओ लक्ष्मी भारती ने बताया 1991 से भारत सरकार दशे को कुपोषण मुक्त करने के लिए शुरू की गई योजना आंगनबाड़ी का 35 वर्ष हो गए हैं। 2020 में सरकार द्वारा नेशनल डेस्क बार्ड बनाया। जिसके बाद से देशभर को केंद्रों को डेटा इंट्री हो रही है। उन्होने कुपोषण को साइलेंट कीलर बताया और कहा अभी भी देश के नवजात अपने जीवन के हजार दिन भी नही देख पाते हैं। वहीं जिप सदस्य सरिता देवी, कमिश्नर मुंडा, उपप्रमुख रिजवान अंसारी आदि ने संबोधित किया और जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र को नया निर्माण व केंद्र में शौचालय व पानी सुविधा आदि की उपलब्धता को महत्वपूर्ण बताया। विधायक द्वारा एक नवजात बच्चे को कुपोषण सप्ताह व विधायक कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। वहीं सड़क दुर्घटना में मौत के पांच स्वजन को एक-एक लाख सहयता राशि व रोजगार से जोड़ने के लिए 36 सेविकाओं को सीलाई मशीन दी गई। वहीं आंगनबाड़ी द्वारा लगाए गए फुड स्टाल की सरहाना किया। मौके पर बीडीओ कामेश्वर बेदिया, सीओ उज्जवल सोरेन, सुंदरी तिर्की, मुखिया अनिता लिंडा, विधायक प्रतिनिधि हरिमोहन महतो, श्रवण महली, अशोक गुप्ता, तुलसी खरवार, काशीनाथ पाहन सहित कई लोग उपस्थित थें।

Government of Jharkhand
Directorate of Food & Consumer Affairs
3rd Floor, JSFC Bhawan, Kadru, Jharkhand Ranchi -834002

Letter No. - 563 | **Corrigendum Notice** | Date- 17-04-2025

Reference to Tender Ref. No.-Kha.Up.Ni.-24(Chi.Vi.Yo.)-04/2024-Re-448 Dated:-24/03/2025, PR NO. 349157 for Supply of Free Flow White Crystal Sugar (Grade-S-30/M-30) (As per FSSAI Norms) for 4th Quarter (January 2025 to March 2025) of Financial Year 2024-25 through reverse e-auction platform of NCDEX e Markets Limited".

Bid End Date/Time Amended as follows:-

Description	As per RFP	Amended As
Bidding Document Cost Date :	16-04-2025	24-04-2025
Tender Document Sales End Date :	16-04-2025	24-04-2025
Bid Submission Closing Date :	16-04-2025	24-04-2025

However, the prospective bidder are advised to regularly keep visiting and checking the website http://jharkhand.gov.in/food & https://www.neml.in for any further forthcoming information/ notice(s) / developments / amendment(s) / Clarification(s) regarding the subject Tender. Rest all the Terms and Conditions of the RFP and subsequent amendment remains unchanged.

Sd/-
(Dilip Tirkey), Director

PR 350579 Directorate of Food and Consumer Affairs(25-26)#D

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi)
Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

VERY SHORT TERM E-QUOTATION INVITATION NOTICE
FOR RATE PURPOSE ONLY
Quotation Reference No : BCD/Bld. Div. No.- 1 --- 01/2025-26

Sealed Quotations are invited for the work **Renovation of Boundary Wall, Drain, Construction of Guard Room, Landscaping and Other Works in Quarter No. B-2(New) (F Type) PHED Colony, Hinoo, Ranchi** for all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufacturers / Suppliers / Retailers / Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition
1. The quotationer shall furnish Pan,GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.

नोट :–
(1) वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 26-04-2025 के अपराह्न 1:00 बजे तक।
(2) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 28-04-2025 अपराह्न 1:30 बजे।
(3) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची।
(4) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० : 8527519262
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,
Building Division No.-1, Ranchi

PR 350584 (Building) 25-26 (D)

जिला समादेष्टा का कार्यालय,झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी राँची

आदेश

W.P.(S) No- 5302/2022 गोविन्द महतो एवं अन्य बनाम झारखण्ड राज्य एवं अन्य के वाद में पारित न्यायादेश के अनुपालन हेतु महानिदेशक–सह–महासमादेष्टा, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा झारखण्ड, राँची का आदेश प्राप्त है। उक्त न्यायादेश के आलोक में 132 (एक सौ बत्तीस) कर्त्तव्य विमुक्त गृह रक्षकों का नियमानुसार उचित कानुनी प्रक्रिया के तह्त नाम परिवर्तित करते हुए उनका पुनः नामांकन किया जाना है।

अतः उक्त वाद में संबंधित जो भी गृह रक्षक राँची जिला से नामांकित है एवं उनकी आयु 60 वर्ष से कम है। वे सभी कर्त्तव्य विमुक्त गृह रक्षक निम्नांकित दस्तावेज के साथ दिनांक–23.04.2025 को समय 10.00 बजे जिला समादेष्टा कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, धुर्वा, राँची में पुनः नामांकन करने हेतु उपस्थित होंगे।

1. नाम परिवर्तन से संबंधित शपथ पत्र की मूल प्रति।
2. आधार कार्ड मूल प्रति के साथ।
3. शैक्षणिक प्रमाण–पत्र मूल प्रति के साथ।
4. गृह रक्षक होने का प्रमाण–पत्र।
5. आवासीय प्रमाण–पत्र।
6. गृह रक्षक परिचय पत्र।

आप सबों के द्वारा निर्धारित तिथि को जिला समादेष्टा कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, धुर्वा, राँची में उपस्थित नहीं होते है तो ये समझा जायेगा की आप पुनः नामांकन करने हेतु इच्छुक नहीं है, आपके द्वारा भविष्य के गृह रक्षक होने से संबंधित किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

जिला समादेष्टा
झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी
राँची

PR 350604 (Police)25-26*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया।
Email ID: eedwsd.jhumaritellaiya@gmail.com
आम सूचना

वर्ष 2025 के आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए जनहित में पेयजल से उत्पन्न समस्या से त्वरित निराकरण हेतु पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल झुमरीतिलैया अंतर्गत जिलास्तरीय जिला नियंत्रण कक्ष का गठन निम्न प्रकार किया जाता है।

जिला नियंत्रण कक्ष में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी / कर्मी निम्नवत है :–
(1) श्री दीपक कुमार, कनीय अभियंता मो0 – 7541920901
(2) श्री विशाल कुमार, निम्न वर्गीय लिपिक मो0 – 7269057933
(3) श्री अनिल कुमार, निम्न वर्गीय लिपिक मो0 – 6299093017

नियंत्रण कक्ष के प्रभारी श्री दीपक कुमार, कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया होगे। प्रभारी सुबह / शाम नोडल पदाधिकारी (सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल, झुमरीतिलैया) को प्रतिवेदित करेंगे। निर्देश है कि प्रमंडल स्तर पर शिकायत पंजी का संधारण / निराकरण कराया जायेगा। प्राप्त शिकायत को अवर प्रमंडल कार्यालय को तत्काल दूरभाष पर सूचित कर दर्ज कराया जायेगा।

अवर प्रमंडल / प्रशाखा स्तर पर सहायक अभियंता / कनीय अभियंता शिकायत पंजी का संधारण / निराकरण हेतु जिम्मेवार होगे। इस आलोक में प्रखंड स्तर पर नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है जो निम्नवत है :–

क्र0 सं0	प्रखंड का नाम	सहायक अभियंता	प्रतिनियुक्त पदाधिकारी का नाम / पदनाम	दूरभाष नम्बर
1	कोडरमा	सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल, कोडरमा मो0 नं0 9263952920	श्री विकास कुमार दास, कनीय अभियंता	9471329527
2	डोमचाँच		श्री अभिजीत कुमार, कनीय अभियंता	8789932957
3	सतगावाँ		श्री अमित कुमार, कनीय अभियंता	7250105348
4	जयनगर	सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल, झुमरीतिलैया मो0 नं0 9263952920	श्री ओम प्रकाश कनीय अभियंता	7033773207
5	मरकच्चो		श्री जहेन्द्र भगत, कनीय अभियंता	8084416065
6	चंदवारा		श्री प्रमोद कुमार सिन्हा, कनीय अभियंता	8969448444

(ई0 अनुज कुमार सिन्हा)
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल झुमरीतिलैया।

PR 350562 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

ई-प्रोक्योरमेंट सेल
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड, राँची

अति अल्पकलीन ई-प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – DHN-1 /03/2025-26 | दिनांकः– 16.04.2025

क्र0	विवरणी	ग्रुप नं0	संख्या	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र राशि (रू0 में)
1	Replacement of Rotten Riser Pipe of 32 mm dia., Connecting rods, C.I Cylinders (wherever required) etc. under D.W.& S. Division No-1, Dhanbad, on Turn Key Basis for the Year 2025-26 under DMFT	RRP/GOV	160 अदद	23.5956	0.48	5000.00
		RRP/KAN	140 अदद	20.64615	0.42	5000.00
		RRP/NIR	165 अदद	24.33296	0.50	5000.00
		RRP/KAL	145 अदद	21.38351	0.44	5000.00
		RRP/EGY	145 अदद	21.38351	0.44	5000.00
2	कार्य पूर्ण करने की अवधि	45 Days				
3	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	23.04.2025 .समय 04:00 बजे अपराहन्				
4	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	02.05.2025 समय 05:00 बजे अपराहन् तक				
5	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	02.05.2025 समय 05:00 बजे अपराहन् तक				
6	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	03.05.2025 समय 05:00 बजे अपराहन्				
7	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद।				
8	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम / पदनाम	रणजीत कुमार ठाकुर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल सं.1, धनबाद				
9	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	0326-3148874				
10	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651-2480345				

नोट – 1. केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
2. प्रायकलित की राशि घट–बढ सकती है, तदनुसार परिमाण विपत्र में अंकित प्राक्कलित राशि के आधार पर अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य मान्य होगा।
3. अधिक जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, संख्या–01, धनबाद

PR 350596 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

बुजुर्गों का ख्याल

हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। यह हाल पंजाब से लेकर देश के हर राज्य में कम या अधिक है। बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं?

मेष : बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थो की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

गोबर, गुस्सा और विश्वविद्यालय की गिरती गरिमा

दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा क्लासरूम और प्रिंसिपल के घर पर गोबर लीपने की घटना केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि एक गहरी असंतोष की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति थी। इस विरोध ने सत्ता और शिक्षा व्यवस्था के पाखंड को उजागर किया। जहां एक ओर गोबर को सांस्कृतिक प्रतीक माना जाता है, वहीं जब छात्र उसी प्रतीक का इस्तेमाल विरोध में करते हैं, तो उसे ह्यअसभ्यह्ल करार दिया जाता है। विश्वविद्यालय अब संवाद के नहीं, सत्ता के मंच बनते जा रहे हैं, जहां छात्रों की असहमति को दबाया जाता है। इस असामान्य विरोध ने न केवल व्यवस्था की संवेदनहीनता पर सवाल खड़े किए, बल्कि यह भी बताया कि प्रतीकों के जरिए भी तीखा प्रतिरोध संभव है। जब असहमति की जगह छिन जाती है, तो गुस्सा प्रतीकों के जरिए बोलता है, कभी-कभी गोबर से भी।

दिल्ली विश्वविद्यालय जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल ही में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने क्लास रूम की दीवारों पर गोबर लीप दिया और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया। यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव। यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक वक्तव्य। यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती है। क्या विश्वविद्यालय अब सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं? क्या छात्र आंदोलन केवल विचारों से नहीं, अब गंध से भी संवाद करने लगे हैं?

यह विरोध दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस स्थित एक कॉलेज में हुआ, जहां छात्रों ने गोबर लिपकर क्लासरूम को ह्यपवित्रह्ल करने की कोशिश की। दरअसल, यह 'पवित्रता' का तंज था, एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र अपवित्र मानते हैं। कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय और प्रशासन की असंवेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लीपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया।दरअसल भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवनशैली के प्रतीक के रूप में होता आया है। लेकिन इस मामले में इसका प्रयोग गहराई से व्यंग्यात्मक था। यह एक ऐसा प्रतीक था जो न केवल सत्ता की 'पवित्रता' को उलट देता है, बल्कि यह दिखाता है कि छात्र अब विरोध के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर, सत्ता की भाषा को उसके ही प्रतीकों से जवाब दे रहे हैं।

निश्चित रूप से गोबर से दीवारें लीपना किसी भी संस्थान के लिए एक अनुशासनहीन हरकत मानी जाएगी लेकिन यह भी सोचना होगा कि जब छात्र अपनी बात कहने के लिए इतना असामान्य तरीका अपनाते हैं तो समस्या केवल छात्रों में नहीं, व्यवस्था में भी है। वे किस हद तक खुद को असहाय और अनसुना समझते हैं, यह इस घटना से जाहिर होता है। यह विरोध न तो हिंसक था, न ही शारीरिक नुकसान पहुंचाने वाला लेकिन यह मानसिक और सांस्कृतिक असहजता पैदा करने वाला जरूर था। शायद यही इसका उद्देश्य भी था, लोगों को हिलाकर रख देना, ध्यान खींचना, और एक झटके में सत्ता की नकली गरिमा को धूल-गोबर में मिला देना।

-प्रियंका सौरभ

> दरअसल, यह 'पवित्रता' का तंज था, एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र अपवित्र मानते हैं। कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय और प्रशासन की असंवेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लीपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया।दरअसल भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवनशैली के प्रतीक के रूप में होता आया है।

भारतीय विश्वविद्यालय धीरे-धीरे उस विचारभूमि से हटते जा रहे हैं जहां असहमति को प्रोत्साहन मिलता था। आज यदि कोई छात्र या प्रोफेसर सत्ता के खिलाफ बोलता है तो उसे 'राष्ट्रविरोधी', या 'विकास-विरोधी' कहा जाने लगता है। कैंपस अब लोकतांत्रिक संवाद के केंद्र नहीं, बल्कि अनुशासन और डर के घेरे बनते जा रहे हैं। छात्रों के इस कदम को केवल ह्यअसभ्यताह्ल कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह भूलना नहीं चाहिए कि यह घटना उस निराशा और हताशा की उपज है जो वर्षों से भीतर ही भीतर सुलग रही है। जब संवाद के सारे रास्ते बंद कर दिए जाते हैं तो प्रतीकात्मक और चौंकाने वाले कदम ही एकमात्र विकल्प बनते हैं।

छात्रों का प्रदर्शन प्रिंसिपल के निजी घर तक पहुंचना न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि यह दशार्ता है कि छात्रों को अब संस्थागत दायरे में न्याय की उम्मीद नहीं रही। जब कॉलेज के भीतर के मंच निष्क्रिय हो जाते हैं, तो विरोध निजी दायरे तक पहुंच जाता है। यह खतरनाक संकेत हैं, न केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी लेकिन दुर्भाग्यवश किसी ने यह नहीं पूछा कि छात्र ऐसा क्यों कर रहे हैं? किस घटना ने उन्हें इस हद तक पहुंचाया? किसने संवाद के रास्ते बंद किए? मीडिया अक्सर लक्षणों पर बहस करता है, लेकिन बीमारी की जड़ तक नहीं जाता।

सत्ता का दोहरापनसत्ता जब गाय और गोबर को संस्कृति का हिस्सा मानकर उन्हें नीतियों में शामिल करती हैं, जैसे गोबर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना, पंचगव्य को चिकित्सा बताना। तब वह ह्यधर्म-सम्मतह्ल होता है लेकिन जब यही प्रतीक छात्रों के विरोध में आते हैं तो वे 'अश्लील' और 'असभ्य' बन जाते हैं। यही सत्ता का दोहरापन है। छात्रों का यह विरोध सत्ता के इस पाखंड की पोल खोलता है। यह दिखाता है कि सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग केवल सत्ता के लिए सुरक्षित नहीं है, बल्कि आम जनता भी उन्हें विरोध के औजार बना सकती है। मान लीजिए अगली बार छात्र प्रशासनिक आदेश को पवित्र मानकर उस पर गंगाजल छिड़क दें, तो क्या तब भी यह ह्यअसभ्यताह्ल मानी जाएगी, या यह ह्यसंस्कृतिह्ल के सम्मान में गिना जाएगा? जब प्रतीकों की राजनीति हो, तो प्रतीकों से ही जवाब देना सबसे तीखा व्यंग्य होता है और यही छात्रों ने किया।

क्या है समाधान इस घटना के बहाने यह जरूरी हो गया है कि विश्वविद्यालयों में संवाद की संस्कृति को फिर से मजबूत किया जाए। छात्रों की आवाज को सुनने, समझने और मान्यता देने की प्रक्रिया को संस्थागत रूप दिया जाना चाहिए। प्रोफेसरों और छात्रों के बीच विश्वास और सम्मान की नींव फिर से खड़ी की जानी चाहिए। किसी भी असहमति को देशद्रोह या अनुशासनहीनता बताने की प्रवृत्ति पर लगाम लगानी होगी। छात्रों को यह समझाना भी जरूरी है कि विरोध का तरीका ऐसा हो जो व्यापक समाज में उनकी बात को सही तरीके से पहुँचाए न कि केवल क्षणिक ध्यान आकर्षित करे। यह घटना एक प्रतीकात्मक चेतावनी है कि शिक्षा का मंदिर यदि सत्ता की चौकी बन जाए तो छात्र वहीं पर 'शुद्धि यज्ञ' करने लगते हैं। गोबर का यह विरोध हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र में असहमति की गुंजाइश बनी रहनी चाहिए, वरना दीवारें ही नहीं, सोच भी गंधाने लगती है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लेटर टू एडिटर

आतंकवाद की चुनौती

घाटी में नई सरकार के सामने आतंकवाद की बड़ी चुनौती उभरी है। पहले कश्मीरी पंडितों को लक्षित हिंसा का शिकार बनाया जाता रहा, लेकिन इस बार आतंकवाद की घटनाएं मजदूरों और कर्मचारियों पर केंद्रित रही हैं। ये हिंसा की घटनाएं केंद्र सरकार के शांति प्रयासों पर पानी फेर सकती हैं। पहले भी घाटी में भाड़े के आतंकी कहर बरपा चुके हैं।

– अमृतलाल रांची

सतर्क भी रहें

भारत और चीन के बीच हाल ही में हुए समझौते के तहत दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा से अपने सैनिकों को पीछे हटाने का निर्णय लिया है। भारत को इस पर सतर्क रहना चाहिए। चीन के प्रति नरम रुख अपनाने के बजाय, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। नागरिकों को चीनी सामान की निर्भरता कम करके आर्थिक लड़ाई में योगदान देना होगा।

– राजेश चौहान, कोडरमा

ट्वीट

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने अपनी राजनीति में देशहित को हमेशा सर्वोपरि रखा। सामाजिक समरसता और राष्ट्र-निर्माण के उनके प्रयासों को हमेशा याद किया जाएगा।

– नरेन्द्र मोदी, पीएम

विजय बड़ी है, तो चुनौती भी बड़ी होगी! लेकिन अबुआ सरकार में हर चुनौती का डटकर सामना करने के लिए झारखण्ड मुक्ति मोर्चा का हर सिपाही कमर कस कर तैयार है।

अबुआ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम कर रहे हैं हमारे कर्मठ और जनसेवा हेतु प्रतिबद्ध साथी।

कल्पना मुर्मू सोरेन, विधायक

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भड़काई गई हिंसा के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं?

- कमलेश पाण्डेय

सामयिक

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में जो हिंसा हुई वह सुनियोजित थी।यह अब तक की केन्द्रीय एजेंसियों की तफ्तीश से काफी कुछ साफ होता जा रहा है। लेकिन सवाल है कि इस सुनियोजित हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? राज्य प्रशासन की जवाबदेही क्यों नहीं सुनिश्चित की गई? उसकी लापरवाही पर संसद और जिम्मेदार संस्थाएं कब तक एक्शन लेंगीं, क्योंकि विदेशी-देशी सांठगांठ से हुई हिंसा में हिंदुओं के जानमाल की क्षति हुई है। ऐसा कोई पहली बार नहीं हो रहा। इसलिए उदंड और बेलगाम राजनीति की लगाम कौन कसेगा, यह अब यक्ष प्रश्न है?

जांच एजेंसियों के सूत्रों की मानें तो इस हिंसा की प्लानिंग लंबे समय से की जा रही थी लगभग पिछले तीन महीनों से इलाके के लोग इस घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे पूरे मामले की जांच के दौरान पाया गया है कि यह आतंकवाद फैलाने का नया तरीका है प्रारंभ में रामनवमी की तारीख तय थी, लेकिन उस दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण चीजें बदल गईं। लेकिन वक्फ संशोधन कानून ने ट्रिगर पॉइंट दे दिया।

खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक मुर्शिदाबाद की हिंसा में विदेशी हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता है। जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) जैसे समूह बांग्लादेश बॉर्डर से लगते इलाकों और सुंदरबन डेल्टा में हथियारों की आपूर्ति कर रहे है। ये आतंकी संगठन ट्रेनिंग देने के साथ ही प्रोपेगेंडा भी फैला रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठन अशांति को बढ़ाने के लिए वैश्विक मीडिया का उपयोग कर रहे हैं` वे दहशत फैलाने के लिए अफवाह फैलाने में मदद कर रहे हैं यह उसी तरह है जैसे सीएए विरोध प्रदर्शनों के दौरान एनआरसी को मुसलमानों की नागरिकता छीनने के रूप में प्रचारित किया गया था ` विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए या गिरफ्तार किए गए लोगों को भी नायक के रूप में महिमामंडित किया जा रहा है।

दरअसल वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हिंसा भड़क उठी है, उससे खुफिया एजेंसियों ने अन्य राज्यों में भी ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है` इसके दृष्टिगत देशभर में लगातार सतर्कता बरती जा रही है। यह बात दीगर है कि अभी तक अन्य राज्यों से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। केंद्र सरकार के मुताबिक वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की अधिसूचना के मद्देनजर अभी तक अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी सांप्रदायिक स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है। फिर भी पहले मुस्लिम आक्रान्ताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाहों ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक नीतियों को कानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिन्दू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया। कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठू लोग हिन्दुओं पर हावी होते चले गए।` इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया। इइसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्प्रदायिक विभाजन तक की नौबत आई` इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए` कथित राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए। मसलन बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका और अन्य समाज के जिम्मेदार स्तंभों से जुड़े लोग मुगलिया और ब्रितानी प्रशासनिक लापरवाहियों से कोई सबक नहीं सीख पाए।` वह लोग अपने फायदे की बात तो करते रहे, लेकिन, लेकिन आमलोगों के सुख-शांति में खलल डालने वालों के खिलाफ कभी सख्ती नहीं दिखाई` इस नजरिए से संसद और विधान मंडलों ने प्रभावकारी कानून नहीं बनाए। परिणाम यह है कि आज भी आम आदमी सुपोषण योग्य भोजन, अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सुविधा, जन-सुरक्षा के लिए मोहताज है।

एक ओर देश के अमनपसंद आमलोग जहाँ रोटी, कपड़ा और मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सम्मान की प्राप्ति के लिए आरक्षण को अचूक हथियार समझ बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर 1947 में पाकिस्तान और 1972 में बंगलादेश लेने वालों के वंशज ब्रेक के बाद भारतीय भू-भाग पर सांप्रदायिक तांडव मचा रहे हैं। और नेताओं की नीतिगत लापरवाहियों से हमारा सिविल और पुलिस प्रशासन असहाय बना रहता है।

रेडिमेड कपड़े खराब निकले तो मिलेगा मुआवजा

कानून

अक्सर ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीद में रेडिमेड कपड़े खराब निकल जाते हैं। ऐसे में दुकानदार अथवा साइट उसकी वापसी या बदल कर देने से इनकार करे तो उपभेक्ता आयोग में शिकायत कर न्याय प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे मामलों में प्रभावित खरीदार मुआवजे का हकदार है।

श्रीगोपाल नारसन

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, जालंधर ने महिलाओं के कपड़े बेचने वाले एक इंस्टाग्राम पेज को खराब शर्ट देने और खरीदार द्वारा की गई शिकायतों का जवाब देने में विफल रहने के लिए सेवाओं में कमी के लिए उत्तरदायी ठहराया है। ग्राहक खरीदार ने शिकायत की थी कि उसने महिलाओं की शर्ट व टॉपवियर खरीदने के लिए इंस्टाग्राम पेज फैशन से संपर्क किया था, विक्रेता ने पसंद किए गए कपड़े की कीमत 900 रुपये बताई जिसे खरीदने के लिए खरीदार सहमत हो गया। उसे विक्रेता की ओर से उत्पाद गुणवत्ता का आश्वासन भी दिया गया। शिकायतकर्ता ने पेटीएम के माध्यम से 900 रुपये का भुगतान विक्रेता को कर दिया। विक्रेता ने शिकायतकर्ता को आश्वासन दिया कि खरीदे गए कपड़े उन्हें 5 से 6 दिनों के भीतर डिलीवर हो जाएंगे।

खराब शर्ट के लिए मिला मुआवजा

लेकिन जब शिकायतकर्ता उपभोक्ता ने विक्रेता द्वारा भेजे गए पार्सल को खोला, तो उसमें शर्ट खराब निकली, शर्ट में केवल तीन बटन लगे थे, उस पर एक च्यूइंग गम स्टिक भी लगी थी। उसी दिन इंस्टाग्राम आईडी पर उक्त बाबत शिकायत भेजने के बावजूद, विक्रेता ने कोई जवाब नहीं दिया। असंतुष्ट होकर उपभेक्ता खरीदार ने विक्रेता ह्यड्ढफैशनह्ल के खिलाफ जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, जालंधर, पंजाब में उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराई। जिस पर सुनवाई के बाद उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय देते हुए जिला आयोग ने विक्रेता को 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के साथ 900 रुपये का भुगतान वापस करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, विक्रेता को मानसिक तनाव और उत्पीड़न के लिए मुआवजे के रूप में 10,000 रुपये और खरीदार को मुकदमा खर्च के रूप में 5,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। खरीदार पीड़ित उपभोक्ता को निर्देश दिया गया कि वह राशि प्राप्त करने पर विक्रेता को खराब सामान वापस कर दे।

माना सेवाओं में कमी का दोषी

इसी प्रकार बीकानेर के जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग ने एक रेडिमेड वस्त्र शो रूम को सेवाओं में कमी के लिए दोषी मानते हुए पीड़ित उपभोक्ता को 11,739.40 रुपए का भुगतान करने का फैसला सुनाया है। बीकानेर निवासी खरीदार महिला ने 2 अप्रैल, 2022 को शोरूम मिर्जा इंटरनेशनल लि. से लाल रंग की एक टी-शर्ट (साइज-एल-42) कीमत 719.70 रुपए और सफेद रंग की एक शर्ट (साइज झ एल-44) कीमत 1019.70 रुपए की खरीदी। जिसका बिल भी परिवादी ने लिया था। खरीदते समय परिवादी खरीदार ने शोरूम पर मौजूद व्यक्ति से पूछा था कि दोनों वस्त्रों में साइज और रंग को लेकर अगर कोई भिन्नता पाई जाती है तो उसे बदलवा सकते हैं या नहीं? तब शो रूम पर मौजूद व्यक्ति ने सात दिनों के भीतर दोनों वस्त्र या इनमें से कोई एक वस्त्र बदलवाने का आश्वासन दिया था। वस्त्र खरीदने के दो दिन बाद ही महिला ने शोरूम पर कॉल करके दोनों वस्त्र बदलने को कहा। तब शोरूम की ओर से उसे कहा गया कि अभी इस साइज और कलर में स्टॉक पर्याप्त नहीं है, एक-दो दिन बाद नया स्टॉक आ जाएगा, जिसकी सूचना फोन से परिवादी को कर दी जाएगी, तब आकर दोनों वस्त्र बदलवा लेना।

शोरूम से कोई कॉल नहीं आई तो तीन-चार दिनों बाद परिवादी दोबारा शोरूम पहुंची। उस दौरान शोरूम पर मौजूद व्यक्ति ने खरीद बिल देखकर कह दिया कि सात दिन बीत चुके हैं, अब दोनों वस्त्र नहीं बदले जा सकते हैं।

जनसमस्याओं के प्रति सीएम हेमंत सोरेने की प्रतिबद्धता। आमजन की समस्या सुनते मुख्यमंत्री।

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

दहेज के खिलाफ निकाली रैली

रामगढ़। ज्ञान महिला समिति ने गुरुवार को रामगढ़ के पारसोतिया, सौदागर मुहल्ला , विकास नगर और दुसाध मुहल्ला में बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ एवं दहेज प्रथा खिलाफ निकाली जागरूकता। समाजसेवी सोनी कुमारी ने कहा कि समाज को बदलने कीआवश्यकता है, जहां बेटी के जन्म के बाद माता-पिता दुख जताते हैं। माता-पिता को बेटी की शादी के लिए कर्ज लेना पड़ता है। समाजसेवी सुधीर महतो ने कहा कि जो परिवार बिना दहेज के बेटी का विवाह करेंगे या जो माता-पिता बेटे का विवाह बिना दहेज के करेंगे उनको ज्ञान महिला समिति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। । ज्ञान महिला समिति के संस्थापक विनोद जायसवाल ने कहा कि लगातार 20 वर्षों से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दहेज प्रथा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर रेखा देवी ,शीला देवी ,अनीता देवी ,मंजू देवी, रूपा देवी ,गुड़िया देवी, पुरनी देवी आदि उपस्थित थे।

महाधरना को सफल बनायें : वैश्य मोर्चा

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा के जवाहर नगर स्थित कार्यालय में गुरूवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के प्रमुख केंद्रीय पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु और संचालन केंद्रीय संगठन सचिव लखन अग्रवाल ने किया। 23 अप्रैल को रांची राजभवन के समक्ष आयोजित वैश्य अधिकार महाधरना की तैयारी को लेकर बैठक रखी गयी थी। सरकार ओबीसी और वैश्यों के साथ छल कर रही है। चुनाव के वक्त सभाओं में वादा करती है और फिर अपने वादे से मुकर जाती है। ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, छोटे दुकानदारों के 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्य समाज की लूटी गयी जमीन वापसी, ऑनलाइन मार्केटिंग पर रोक लगाने आदि मुद्दों पर वैश्य मोर्चा लगातार आवाज उठा रही है, लेकिन सरकार इतनी बड़ी आबादी वाले समाज की मांगों को दरकिनार कर रही है। बैठक में मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु , वरीय उपाध्यक्ष ढ़लन साव,इंदुभूषण गुप्ता, कपिल प्रसाद साहु , रामाशंकर राजन बीरेन्द्र कुमार, गुड्डू साहा, राहुल कुमार साहु, डॉ. अरविंद कुमार हलधर साहु, अशोक साव, रघु साहु, धनेश्वर साव, मैनेजर प्रसाद, संजय प्रसाद, दीपक प्रसाद, अनिल साव आदि उपस्थित थे।

विस्थापितों ने निकाला मशाल जुलूस

भुरकुंडा (रामगढ़)। लबगा विस्थापित विकास समिति के नेतृत्व में बुधवार की शाम लबगा मां पंच वहिनी हाई स्कूल से डैम तक मशाल जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरूषों ने भाग लिया और एनटीपीसी के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। विस्थापितों ने कहा कि एनटीपीसी द्वारा अब तक उन्हें किसी भी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है, न तो पुनर्वास की व्यवस्था की गई है और न ही रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य या अन्य मूलभूत जरूरतों को लेकर कोई ठोस कदम उठाया गया है। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। प्रदर्शन के दौरान हाथों में जलती हुई मशालें लेकर नारेबाजी करते हुए लोग डैम तक पहुंचे। समिति के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। लबगा विस्थापित विकास समिति के प्रतिनिधि लखन मुंडा, रामेश्वर गोप कैलाश मुंडा, रंजीत यादव ने कहा कि हमने कई बार अपनी मांगें प्रशासन और कंपनी के सामने रखीं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

दारू : करंट से युवक की मौत

दारू : सदर प्रखंड के भेलवारा निवासी शाहनवाज हुसैन उर्फ शानू (22 वर्ष) की एक शादी समारोह के दौरान बुधवार की रात मौत हो गई। घटना दारू थाना क्षेत्र के घाघरा गांव की है, जहां बारात में छतरी लाइट लेकर चल रहे शानू की जान 11 हजार वोल्ट की बिजली की तार की चपेट में आने से चली गई। शानू एक विद्युत सजावट टीम के साथ बारात में गया था और छतरी लाइट को थामे हुए था। जैसे ही बारात कुछ दूरी पर पहुंची, तभी एक जगह काफी नीची लटक रही हाई वोल्टेज तार छतरी से टकरा गई। देखते ही देखते शानू बुरी तरह झुलस गया। घटना रात करीब 11 बजे की है। उसे गंभीर अवस्था में सदर अस्पताल हजारीबाग लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुरुवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद भेलवारा गांव में उसे सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस हृदयविदारक घटना से शादी का माहौल मातम में तब्दील हो गया। परिजनों ने मुफस्सिल थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है और बिजली विभाग की घोर लापरवाही को मौत का ज़िम्मेदार ठहराते हुए उचित मुआवजे की मांग की है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बिजली का तार काफी नीचे झुका हुआ था, जिसे पहले से ही ठीक नहीं किया गया था इस दर्दनाक हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को पल भर में गम में बदल दिया।

गोंदुलपारा के विस्थापितों के पुनर्वास को लेकर बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

▶▶ प्रभावितों को सभी लाभ व सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी : डीसी

हजारीबाग। हजारीबाग समाहरणालय सभागार में गुरुवार को गोन्दुलपारा कोयला खनन परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुर्नवासन को लेकर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता उपायुक्त नैन्सी सहाय ने की। इस अवसर पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रतिनिधि, जिला और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी तथा प्रभावित रैयत प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में अडानी इंटरप्राइजेज की इस परियोजना के तहत बड़कागांव अंचल की सन्निहित रैयती भूमि अधिग्रहण से उत्पन्न विस्थापन की स्थिति, प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण, क्षेत्रीय विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा सांस्कृतिक संवर्धन जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। बताया गया कि गैर-स्वैच्छिक विस्थापन की स्थिति को देखते हुए ग्राम चदैरान (थाना नंबर 129) में पुनर्वास कॉलोनी निर्माण हेतु 162.56 एकड़ रैयती भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। शारदा एजेंसी द्वारा क्षेत्र में विस्तृत सर्वेक्षण और जनगणना कर पुनर्वासन योजना तैयार की गई है। उपायुक्त ने कहा कि परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा और प्रभावितों को सभी लाभ व सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। बैठक में सांसद मनीष जायसवाल ने उचित मुआवजा, रोजगार या पेंशन की व्यवस्था की मांग की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी प्रभावितों को न्यायसंगत मुआवजा देने की बात दोहराई। बैठक में कई रैयत और संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रेलवे साइडिंग के चेक पोस्ट पर अपराधियों ने की फायरिंग

लेवी के लिए राहुल दुबे गिरोह ने छोड़ा पर्चा, पतरातू में दहशत

खबर मन्त्र संवाददाता

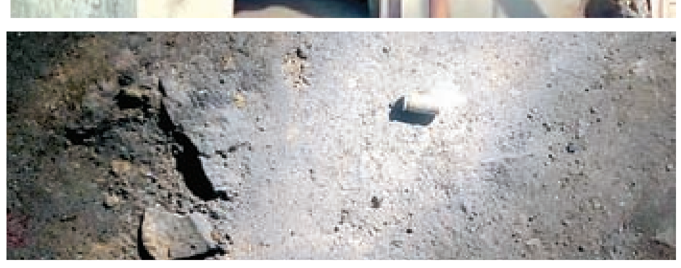

भुरकुंडा (रामगढ़)। पतरातू रेलवे साइडिंग के चेक पोस्ट पर बुधवार रात अपराधियों ने फायरिंग कर सनसनी फैला दी। घटना बुधवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे की बताई जाती है। जानकारी के अनुसार एक बाइक पर सवार होकर दो अपराधी चेकपोस्ट के केबिन के पास पहुंचे। जहां अपराधियों में से एक बाइक से उतरा और सीधे केबिन की ओर दो राउंड फायरिंग कर दहशत फैला दिया। इसके बाद तीन हवाई फायर करते हुए धमकी भरा पर्चा छोड़कर फरार हो गए। मौके पर छोड़े गए पर्चे में खुद को राहुल दूबे गिरोह का सदस्य बताते हुए, घटना को लेवी वसूली के उद्देश्य से अंजाम देने की बात लिखी गई है।

पर्चे में दामोदर मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर गजानंद साव को सीधी चेतावनी दी गई है। इसमें लिखा गया है कि ह्ययह एक ट्रेलर था, अगली बार एके-47 और एके-56 से स्वागत किया जाएगा। घटना के बाद से साइडिंग क्षेत्र में काम कर रहे कर्मचारियों और आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी सहित स्थानीय थाना एवं आसपास के ओपी की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोखे भी बरामद किए हैं और अपराधियों की तलाश में छापेमारी तेज कर दी गई है।

टीपीसी के नाम पर दो लाख मांगी लेवी स्कूल निर्माण बंद

बड़कागांव। प्रखंड के तलसवार संकुल अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय सोहादी में चारदीवारी निर्माण कार्य को टीपीसी (तृतीय प्रस्तुति कमेटी) के नाम पर लेवी मांगने के कारण रोक दिया गया है। विद्यालय में भोला महतो कंस्ट्रक्शन द्वारा लगभग 14 लाख रुपये की लागत से चारदीवारी का कार्य किया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, निर्माण स्थल पर टीपीसी के नाम से एक पोस्टर चिपकाया गया, जिसमें ठेकेदार से दो लाख रुपये की लेवी देने की मांग की गई। पोस्टर में धमकी भरे शब्दों में लिखा गया कि कुआं के पास घड़ा है, उसमें दो लाख की लेवी रख दो, अन्यथा अंजाम भुगतने को तैयार रहो। इस घटना से ठेकेदार समेत निर्माण कार्य में लगे सभी मजदूरों में भय का माहौल बन गया है, जिसके चलते निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। बताया गया कि निर्माणाधीन चारदीवारी की कुछ फीट दीवार को गिरा दिया गया है और एक ड्रम को नुकसान पहुंचाया गया है। घटना की सूचना प्रशासन को दे दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की मांग की जा रही है, ताकि कार्य दोबारा शुरू किया जा सके।

महायज्ञ से क्षेत्र में आती है सुख-समृद्धि : मनोज यादव

बरही। प्रखंड के डूमरडीह में श्री श्री 1008 नौ दिवसीय रुद्र महायज्ञ, शिव सहपरिवार एवं हनुमत प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गुरुवार को कलश यात्रा का शुभारंभ विधायक मनोज यादव ने किया। कलश यात्रा में सैकड़ो की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। विधायक मनोज यादव ने इस धार्मिक आयोजन को समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश देने वाला बताया। कहा कि महायज्ञ से क्षेत्र में सुख-समृद्धि आती है ।मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिला परिषद सदस्या प्रीति गुप्ता, सद्भावना विकास मंच के अध्यक्ष राजसिंह चौहान, करसो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मुकेश कुमार राम, पंसस विकास सिंह भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी, पूर्वी मंडल अध्यक्ष सह मुखिया संघ अध्यक्ष विजय कुमार यादव, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, भाजपा प्रदेश नेता रंजीत चंद्रवंशी आदि उपस्थित रहे। महायज्ञ में बतौर जजमान के रूप में बैजनाथ यादव सपत्नी, अजय सिंह, रविंदर सिंह, अजय चंद्रवंशी, मुनेश्वर यादव, धनेश्वर यादव, ठाकुरी यादव, वंशी यादव, दिनेश चंद्रवंशी, चंदेश्वर यादव, रमेश यादव, दिलीप सिंह, नंदू सिंह, सत्रुधन यादव, बृंदा सिंह, कैलाश सिंह व जनार्दन चंद्रवंशी आसीन रहे। पूजा संपन्न कराने में पंडित अर्जुन पांडेय, शुभम पांडे, शक्ति शास्त्री एवं उपेन्द्र पांडे, अध्यक्ष बैजनाथ यादव, उपाध्यक्ष शकर चंद्रवंशी, सचिव रामाधीन चंद्रवंशी, उपसचिव रविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष जीबलाल शर्मा, संयोजक बीरेंद्र शर्मा, जीबलाल राणा, झरी महतो, बीरेंद्र राणा, शंकर राम, लक्ष्मी सिंह, रामधनी राणा, कैलाश राम, रामाधीन राम, मुरली राम, लूकन राणा, धनुखी राम, पंकज राम, बाबूनी राम, सुकर महतो, लक्ष्मण यादव, तुलसी यादव, दिगंबर, उदय राम, प्रदीप राम, भीरगुनंदन यादव, कामाख्या सिंह, रामस्वरूप राम, नरेश राम, सुनील यादव, प्रभु राम, चंदन सिंह, विदेशी राम, चमन महतो, प्रमेशर ठाकुर, दुखी राम, मुनेष यादव, सूरज रविदास, द्वारिका भुइयां, जनार्दन राम, सहदेव महतो, रामदेव यादव, रामवृक्ष यादव, रामखेलावन राम, संतोखी सिंह सहित सैकड़ों महिला-पुरुषों का योगदान रहा।

मृतक के दोनों पुत्र को काम पर रखने के आश्वासन के बाद हटा सड़क जाम

कुजू। पैंकी में बिजली की 11 हजार वोल्ट की तार की चपेट में आने से हुई मौत के बाद परिजन समेत अन्य ग्रामीणों ने बिजली विभाग से आश्रित परिवार के लिए मुआवजा राशि एवं नौकरी देने की मांग को लेकर सड़क को जाम कर दिया था। जिसे लेकर पुलिस की मौजूदगी में बिजली विभाग और आश्रित परिवार के बीच समझौता हुआ। जिसमें मांडू विधायक तिवारी महतो, झामुमो के केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो, नीलकंठ महतो की उपस्थिति में विभाग के नियमानुसार पांच लाख, अंतिम संस्कार के लिए सहायता के तौर पर एक लाख और मृतक के दोनों पुत्र को विभाग में काम पर रखने के लिखित आश्वाशन के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद गुरुवार को मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। बताया जाता है कि 55 वर्षीय भीम महतो शौच कर वापस लौटने के दौरान 11 हजार वोल्ट तार की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई थी। जिसके बाद परिजनों व ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए सड़क को जाम किया।

डहरभंगा में कलश यात्रा के साथ रूद्र महायज्ञ शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

501 महिला और कन्याओं ने कलश यात्रा में हुयीं शामिल

टाटीझरिया। टाटीझरिया प्रखंड के छोटा डहरभंगा स्थित शिव मंदिर प्रांगण में गुरूवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्री श्री 1008 श्री पंचदिवसीय शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रूद्र महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य कलश यात्रा में 501 महिला और कुंवारी कन्याओं ने माथे पर कलश लेकर शामिल हुईं। श्रद्धालुओं के जयकारे व भजनों से माहौल भक्तिमय हो उठा। महायज्ञ के आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री, उपाचार्य विजय शास्त्री, आचार्य संदीप शास्त्री (वैदिक) सत्यानंद शास्त्री, नंदकिशोर पांडेय, संतोष पांडेय, मनोज पांडेय के द्वारा पूजा का कार्यक्रम शुरू किया गया। इसके बाद महायज्ञ स्थल पर मौजूद कन्याओं और महिलाओं ने माथे पर कलश लेकर यात्रा की शुरूआत की। कलश यात्रा को भव्य और दिव्य बनाने के लिए आयोजकों द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी। कलश यात्रा महायज्ञ स्थल से प्रारंभ होकर बडा डहरभंगा, लाईन होटल चौक, टाटीझरिया गांव से होता हुआ होलंग अरघवा नदी पहुंची। जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरने का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। यहां से पुनः कलश यात्रा महायज्ञ स्थल पर पहुंचकर कलश स्थापित की गई। महायज्ञ समिति के अध्यक्ष सुखदेव हजाम और सचिव जगदीश यादव ने बताया की पांच दिनों तक चलने वाले इस महायज्ञ की पूणार्हुति 21 अप्रैल को होगी। इसी दिन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का भी कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि महायज्ञ के दौरान कथा व्यास के लिए श्रीधाम वृंदावन से अनुराग कृष्ण जी महाराज पगडी वाले बाबा को आमंत्रित किया गया है। कलश यात्रा के दौरान प्रमुख संतोष मंडल, डहरभंगा मुखिया रेखा देवी, मुखिया प्रतिनिधि रवींद्र यादव, पंसस प्रतिनिधि परमेश्वर प्रसाद यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रवि सिंह, राजू यादव, पंकज पांडेय, बबलू यादव, संजय साव, सुरेंद्र प्रसाद यादव, उपेंद्र पांडेय, सुरेश प्रसाद, तुलसी साव, सुनिल साव, कन्हाय राम, रजनीकांत चौधरी, रवींद्र साव, जीवलाल साव, पिंटू साव, जितेंद्र साव, संतोष राम, गोपाल साव, तुलेश्वर यादव, बसंत राम, आलोक साव, मेघलाल साव, मुन्नीलाल साव, बिनेश्वर साव, धानेश्वर साव, मोहन यादव, सुमन साव समेत हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

एक नजर में

एनएमएल ने बच्चों को दिया स्वास्थ्य किट

बड़कागांव। एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय, महटीकरा में बुधवार को डॉ. निधि ने विद्यार्थियों को स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि हर रविवार नाखून काटना, साफ कपड़े पहनना, बालों और शरीर की सफाई रखना, शौच के बाद और भोजन से पहले हाथ धोना जैसी आदतें हमारे स्वास्थ्य के लिए कितनी जरूरी हैं ।कार्यक्रम में विद्यालय के कुल 155 विद्यार्थी, शिक्षकगण और प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को स्वास्थ्य किट वितरित की गई, जिसमें टूथपेस्ट,ब्रश, जीभी,डेटॉल साबुन और नेल कटर शामिल था। किट पाकर बच्चे बहुत उत्साहित हुए। यह पहल एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना की समुदाय के समग्र विकास और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

चौपारणः बोलेरो की टक्कर से महिला घायल

चौपारण। प्रखंड के बसरिया में एक तेज रफ्तार बोलेरो ने एक महिला को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब महिला सड़क पार कर रही थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला मौके पर ही गिर पड़ी और घायल अवस्था में तड़पने लगी। स्थानीय लोगों ने तुरंत सहायता करते हुए घायल महिला को पास के अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। डॉक्टरों के अनुसार महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। हालांकि, हादसे की पूरी घटना एक नजदीकी सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसकी मदद से पुलिस को जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। प्रारंभिक जांच के बाद बोलेरो वाहन को जब्त कर लिया गया है और पुलिस ने चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है।

विनोदानंद झा को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग। संयुक्त बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित विनोदानंद झा की 125वीं जयंती पर हजारीबाग जिला कांग्रेस की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन कृष्ण बल्लभ आश्रम स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय के सभागार में हुआ, जहां उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने की। उन्होंने पंडित झा के जीवन और योगदान को याद करते हुए बताया कि उनका जन्म 17 अप्रैल 1900 को देवघर जिले में हुआ था। वे संथाल परगना क्षेत्र के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने देश की आजादी के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और कई बार जेल भी गए। शैलेन्द्र यादव ने आगे बताया कि पंडित विनोदानंद झा 18 फरवरी 1961 से 1 अक्टूबर 1963 तक संयुक्त बिहार के तीसरे मुख्यमंत्री रहे और उन्होंने अपने कार्यकाल में विकास और जनहित के कई महत्वपूर्ण कार्य किए। कार्यक्रम का संचालन महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान ने दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बरही थाना में लगा जन शिकायत शिविर

बरही । थाना परिसर में बुधवार को जन शिकायत समाधान शिविर लगा। शिविर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसमें बरही अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थानों से सैकड़ों लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीओ जोहन टुडू ने की, जबकि एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, बरही सीओ अमित किस्कू, चौपारण सीओ संजय यादव, बरकट्ठा सीओ श्रवण कुमार झा सहित सभी अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी मौजूद रहे। शिविर में कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से बरही थाना से 19, चलकुशा, बरकट्ठा, और पदमा से एक-एक, चौपारण से तीन शिकायतें दर्ज की गईं। गोरहर थाना से कोई मामला नहीं आया। सभी शिकायतों को अधिकारियों ने गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य लोगों की समस्याएं सीधे सुनना और समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करना है। एसडीओ जोहन टुडू ने कहा कि इस तरह की पहल से प्रशासन और जनता के बीच विश्वास बढ़ता है। शिविर में पुलिस पदाधिकारी, थाना कर्मी और कई जवानों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और शिविर के सफल संचालन में सहयोग किया।

बिपिन कुमार ने छात्रों को दिया कॉपी व बैग

कटकमदाग। कटकमदाग के उत्क्रमित उच्च विद्यालय में मंगलवार को स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन की ओर से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता व करियर काउंसलिंग आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में फाउंडेशन के संस्थापक व निदेशक, बड़कागांव के सांढ़ निवासी युवा लेखक व शिक्षाविद बिपिन कुमार ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के टिप्स दिए और शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। प्रश्नोत्तरी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले दर्जनों छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क बैग एवं कॉपी वितरित किए गए, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बिपिन कुमार ने छात्रों से कहा कि पढ़ाई में सफलता के लिए अनुशासित दिनचर्या और एक स्पष्ट टाइम टेबल जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा हर बच्चा शिक्षित हो। बैग पाने वालों में सोनी, डोली, सना राज, मिथलेश, आरती, पूनम, अभिमन्यु, कामती, आसिया व पम्मी सहित कई छात्र-छात्राएं शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में बच्चे की मौत और दो घायल

बरही। थाना क्षेत्र अंतर्गत धनबाद रोड स्थित मदरसा के समीप सड़क दुर्घटना में एक बच्चे की मौत हो गई। दो बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी अनुसार मृतक बच्चा दोस्तों के साथ मदरसा जा रहा था। इसी दौरान धनबाद की ओर आ रही ट्रक संख्या (जेएच10बीजे 3352) ने चपेट में ले लिया जिससे एक बच्चे की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान हसन रजा करीब 13 वर्ष, पिता मोहम्मद इस्लाम शादी मोहल्ला कोनरा थाना बरही के निवासी रूप में हुई है। घायलों की पहचान सैफ अली खान उम्र 14 वर्ष, पिता मो कयूम एवं मो सोहेब, उम्र 13 वर्ष, पिता मो कयूम दोनों निवासी शादी मोहल्ला कोनरा थाना बरही के निवासी रूप में हुई है ।स्थानीय लोगों ने ट्रक को पकड़ लिया। जिसके बाद कुछ देर के लिए धनबाद रोड जाम हो गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बरही थाना को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सैफ अली खान को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

समन्वयकारी संत, तत्व ज्ञानी स्वामी अद्वैतानंद महाराजः ज्ञान-भक्ति के प्रखर स्तंभ

पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश के आनंदपुर में स्वामी अद्वैतानंद की चर्चा करते हुए कहा कि आधुनिक काल में जिस प्रकार समाज को स्वामी जी ने प्रेरित किया उसका दूसरा उदाहरण नहीं मिलता है। पीएम ने जिस महान संत, तत्वज्ञानी की चर्चा की उनकी भक्ति धारा को वर्तमान में मुख्य स्थान ब्रम्ह विद्यालय आश्रम छोटका राजपुर, जिला बक्सर गंगा नदी के तट पर स्थित है। स्थान के वर्तमान पदासीन 108 स्वामी सत्यानंदजी परमहंस जी पूरे देश में फैला रहें हैं। स्वामी जी छोटका राजपुर, बक्सर स्थित ब्रम्ह विदयालय आश्रम के मुख्य केन्द्र से पूरे देश में स्थित आश्रम जिसे कुटी कहा जाता है उसका संचालन कर रहें हैं।

कौन है स्वामी अद्वैतानंद जी परमहंस

स्वामी अद्वैतानंद जी का जन्म छपरा के दहियामा में रामनवमी के दिन 1846 में हुआ था। इनके पिता का नाम तुलसीराम पाठक और दादा जी का नाम ख्यालीराम जी पाठक था। उनके जन्म स्थान पर एक स्मारक बनाने की प्रकिया चल रही है जो ब्रम्ह विद्यालय सह आश्रम के तत्कालिन पदाशीन स्वामी सत्यानंद जी परमहंस द्वारा किया जा रहा है। नौ माह के जीवन में माता के निधन के बाद लाला नरहर दास और उनकी पत्नी को सौप दिया जिन्होंने उनका लालन पालन किया। इनका बचपन का नाम रामनवमी को जन्म लेने के कारण रामयाद पड़ा। बचपन में इन्हें अरबी और संस्कृत की शिक्षा लाला देवी प्रसाद से प्राप्त की। पांच साल की उम्र में इनके पिता तुलसीराम पाठक का भी निधन हो गया। बचपन से ही इनकी भक्ति में प्रगाढ़ रूचि थी। सतसंग में इनका मन लगता था। योग चर्चा में कुछ प्रकिया जानकर वे नौ वर्ष के उम्र में ही साधना के बल पर ध्यानस्थ होने और शरीर को भूमि से उपर उठा लेने की सिद्दि प्राप्त कर ली जिसे देखकर छपरा के लोग चकित रह गये। लोगों ने इन्हें इस अभ्यास को फिर न करने की सलाह दी।

लाला साहब के निधन के बाद उनका मन संसार से विरक्त हो गया और इन्होंने इस अल्पआयु में वैराग्य का निश्चय किया।

अद्वैतानंद जी का अध्यात्मिक जीवन

इनके पिता ने केदारघाट काशीवाले श्री परमहंस जी से ब्रम्हविद्या का उपदेश लिया था। अद्वैतानंद जी ने उनसे ब्रम्हा विद्या की दीक्षा ली। लेकिन दो परिवार के एक मात्र वारिश थे और बड़ी संपति के अधिकारी थे। गुरु ने भी पालनहार माता के रहते सन्यासी बनने का आदेश नहीं दिया। गुरुजी, संत अद्वैतानंद जी को बचपन में हापू कहकर पुकारते थे। जबकि लोग उन्हें रामयाद कहकर पुकारते थे। लेकिन लालाजी के मौत के तीन साल बाद उनकी पत्नी का निधन हो गया। संत अद्वैतानंद जी अपनी अंतिम जबावदेही का पूरी निष्ठा से पालन कर अंतिम संस्कार किया। तब उनकी उम्र 17 साल थी।

परिजनों ने घर में रहने का दबाव बनाया लेकिन वे सन्यास धारण कर छपरा से बक्सर पहुंचे। बक्सर से नौह्टटा होतु हुए वे अकबरपुर के जंगल में पहुंच गये। जंगल में जानवरों के साथ अवधूत की तरह बिना वस्त्र के रहने लगे। उन पर एक पुलिस इंस्पेक्टर बालमुकुंद सिंह ने उन्हें देखकर समझ लिया की कोई तपस्वी है। वह सदैव उनकी सेवा में तत्पर रहने लगे। छह वर्ष वहां बिताकर वे वहां से डुमरांव चले आये। वहां उन्होंने संकल्प लिया कि रमता जोगी बहता पानी ठहरे गंदला होय। किसी भी स्थान पर तीन दिन से अधिक न ठहरने की प्रतिज्ञा कर ली। वहां से वे महाराजगंज, बढ़पुर, बेसपुर, विलौटू, आरा, बेहरा, खगोल, दानापुर, बांकीपुर, लोदी कटड़ा आदि स्थानों पर भ्रमण करते हुए पटना पहुंचे। इस प्रकार लगभग चार वर्ष तक भ्रमण करते हुए बलिया, गाजीपुर, सारण, चंपारण भ्रमण करते हुए संवत 1920 से 1936 तक का समय व्यतीत किया।

इस बीच संत महात्माओं के साथ रहे। फिर वे अयोध्या, मथुरा, वृदावन गये। जहां उन्हें महान संतो का सानिध्य मिला। इसके बाद वे संवत 1940 में जयपुर गये जहां स्वामी आंनदपुरी से उनकी मुलाकात हुई। आंनदपुरी एक गुमास्ता के पुत्र थे जो बड़ी संपति ठुकराकर वैराग्य धारण कर चुके थे। उन्होंने संत अद्वैतानंद जी को अपना उत्तराधिकारी बता कर शरीर त्याग दिया। लगभग 22 वर्ष तक जयपुर में भक्ति फैलाने के बाद एक दिन दिवान भगवानदास ने संत अद्वैतानंद जी को टेरी चलने का आग्रह किया। टेरी दिवान जी का जन्म स्थान था। संवत 1956-57 में वे टेरी पहुंचे। वहां स्वामी जी थोड़ें समय में ही प्रसिद्ध हो गये। टलबुलंद, कोहाट, पेशावर, बन्नू, लक्की पर्वत, डेरा इस्माईलखां, जट्टा और लाची सहित देश के बड़ें हिस्से से लोग उनका सत्संग सुनने आने लगे। टेरी में सर्दी अधिक पड़ती थी। 11 फरवरी सन 1915 को उन्हें पक्षाघात का शिकार हो गये। टेरी में 13 जनवरी को उन्होंने आश्रम के काम योग्य शिष्यों के बीच बांट दिया। 15 जुन 1919 को अन्न त्याग दिया। पांच जुलाई को अपनी मृत्यु की घोषणा कर दी और गुरुवार आसाढ़ शुक्ल द्वादशी संवत 1976 विक्रमी सन 10 जुलाई 1919 को सुबह 6 बजे प्राण त्याग दिया। भक्त हरिचंद के मकान में ही पवित्र समाधि दी गयी।

वर्तमान समय में ब्रह्म विद्यालयआश्रम छोटका राजपुर ब्रह्म विद्या का केन्द्र है जिसकी स्थापना 1008 स्वामी शिवर्धमानंद जी परमहंस ने की है। उनकी इच्छा थी कि छपरा की भक्ति छपरा पहुंचे और वर्तमान स्वामी सत्यानंद जी परमहंस ने स्वामी अद्वैतानंद जी के छपरा और उनके नानी घर नंद पुर में ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम स्थापित कर गुरुदेव की इच्छा को पूरा किया। इस स्थान पर स्वामी अद्वैतानंद जी के जन्म दिवस पर स्वामी सत्यानंद जी के नेत्त्व में पदयात्रा निकाली जाती है। यह पद यात्रा परमहंस दयाल के जन्म दिन के अवसर पर उनके नानीघर नंदपुर से दहियांवा स्थित उनके जन्म स्थल तक आयोजित होती है। ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम के वर्तमान स्वामी सत्यानंदजी परमहंस के नेतृत्व में यह धार्मिक आयोजन किया जताा है। जिसमें पूरे देश से भक्त शामिल हुए। आज भी देश में स्वामी अद्वैतानंद जी की छपरा से टेरी तक और टेरी से छपरा लौटने की भक्ति यात्रा भारतीय सत्य सनातन के दसनामी तत्व ज्ञान और सन्यास धर्म को जीवित रखा है।

दौ सौ साल से यह भक्ति की धारा को स्वरूपानंद जी महाराज जन्म 1884 मृत्यु 1936 आत्मविवकानंद जी महाराज जन्म 1864 से मृत्यु 1949 शिवधर्मानंद जी जन्म 1907 से 20 मार्च 1999 तक और वर्तमान में स्वामी सत्यांनद जी परमहंस 1999 से से वर्तमान में पदासीन है। वर्तमान में इसका मुख्य आश्रम स्थान छोटका राजपुर जिला बक्सर गंगा तट के किनारे स्थित है। इसकी स्थापना स्वामी शिवधर्मानंद जी ने की है। पाकुड़, गढ़वा, जमशेदपुर, बोकारो, रांची में स्थित आश्रम सहित पूरे देश में इस मत के अनुआयी इन्हें अध्यात्मिक सदगुरु मानते हैं।

प्रस्तुति- मुरलीधर

पीएम मोदी से आनंदपुर धाम के संबोधन में हो गयी बड़ी चूक, टेरी में है स्वामी जी की समाधि

विगत दिनों आनंदपुर धाम के धार्मिक कार्यक्रम में संबोधन के क्रम में पीएम मोदी ने आनंदपुर धाम को स्वामी अद्धैतानंद महाराज का समाधि स्थल बोल दिया। यह बड़ी भूल है। पीएम मोदी दुनिया के सबसे शीर्ष नेताओं में शुमार है। इस विषय पर ब्रम्ह विद्यालय आश्रम छोटका राजपुर बक्सर बिहार के वर्तमान स्वामी सत्यानंदजी परमहंस ने बताया कि परमहंस दयाल जी का जन्म छपरा में हुआ था और उनको ज्ञान भी छपरा में ही प्राप्त हुआ। उन्होंने अपनी भक्ति यात्रा छपरा से जयपुर होते हुए टेरी जो अभी पाकिस्तान में हैं वहां तक की। टेरी में उन्होंने अपने ब्रम्ह विद्यालय आश्रम की स्थापना करके भक्ति को फैलाया। वहीं उनकी समाधि स्थल भी है क्योंकि उन्होंने अपरा शरीर वहीं छोड़ा। स्वामी सत्यानंद जी ने कहा कि पीएम का संबोधन को पूरी दुनिया सुनती है जिससे गलत जानकारी लोगों तक जाएगी। महात्मा बुद्ध, शंकराचार्य के समतुल्य रहे स्वामी अद्धैतानंद के जीवन में छपरा जन्म स्थल और टेरी जो अब पाकिस्तान में है वह आश्रम सह स्माधि स्थल है। आनंदपुर धाम एमपी में, नागंली धाम यूपी में गढ़वाघाट आश्रम काशी में और ब्रम्ह विद्यालय आश्रम छोटका राजपुर, बक्सर बिहार में स्थित है जहां आज भी अद्धैतानंद महाराज के दिखाये मार्ग पर ज्ञान और भक्ति की शिक्षा दे रहें हैं। स्वामी अद्धैतानंद जी पूरे दुनिया में लाखों शिष्य हैं इसलिए भ्रम की स्थिति न हो, भारत की परम्परा दुनिया में श्रेष्ठ है और स्वामी अद्धैतानंद इसके प्रखर स्तंभ हैं। वर्तमान समय में ब्रम्ह विद्यालय आश्रम की रांची सहित पूरे देश में कुटी है। 108 स्वामी सत्यानंदजी परमहंस रांची स्थित बसारगढ़ आश्रम में प्रवास कर रहें है जहां वे 21 अप्रैल तक सत्संग करेंगे।

ब्रम्हा विद्यालय आश्रम के भक्तगण पहुंचे परमहंस दयाल की तपोस्थली जोगिया मान

मनोज सिंह

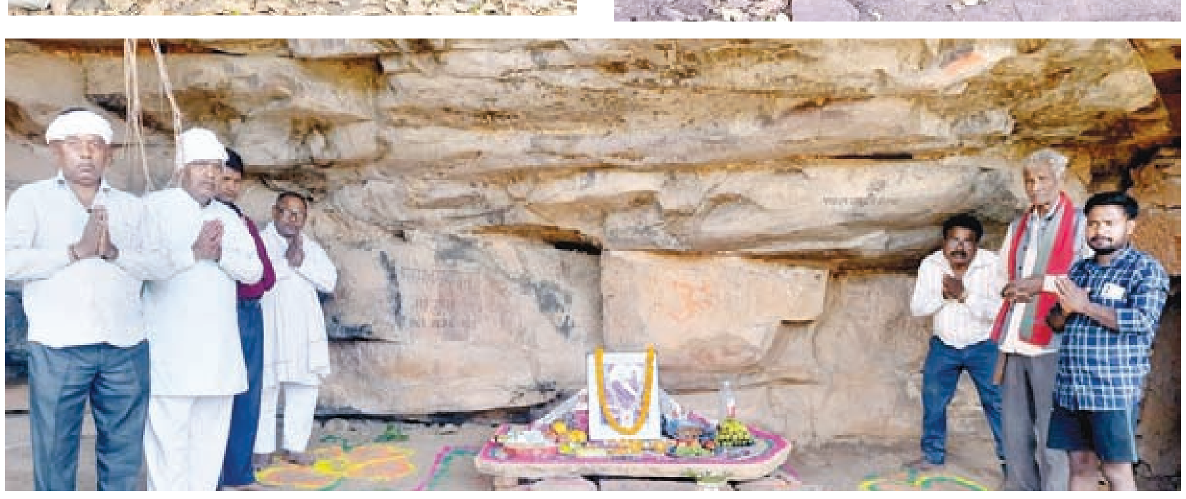

ब्रम्ह विद्यालय आश्रम छोटका राजपुर बक्सर बिहार के वर्तमान पादशाही 108 स्वामी सत्यानंदजी परमहंस के आदेश पर आश्रम के भक्त गण रोहतास जिले के अकबरपुर के पास स्थित परमहंस दयाल के तपोभूमि का दर्शन और पूजन किया। इसके कुछ पूर्व स्वामी जी स्वयं इस स्थान का दौरा किया।

इस गुफा की चर्चा करते हुए ब्रम्ह विद्यालय सह आश्रम के वर्तमान स्वामी सत्यानंद जी परमहंस ने बताया कि छपरा में ज्ञान प्राप्त होने के बाद स्वामी अद्धैतानंद जी महाराज ने गृह त्याग कर घूमते हुए इसी गुफा तक पहुंचें जहां उन्होंने तपस्या की। इसके बाद उन्होंने विश्व के कल्याण के लिए पश्चिम दिशा में भ्रमण करते हुए जयपुर के रास्ते टेरी पहुंचे। छपरा के ज्ञान को उन्होंने टेरी में जाकर आश्रम बनाकर वहां महात्माओं मंत्र दीक्षा दी और स्थापित किया। यह गुफा स्वामी अद्धैतांनदजी महाराज के भक्तों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक स्थल है। आज भी इसका स्वरुप नहीं बिगड़ा है। उन दिनों जंगल ज्यादा होगा लेकिन अब जंगल कम हो गया है।

रामनवमी के शुभ अवसर पर रोहतास गढ़ पहाड़ी जंगल में स्थित ऐतिहासिक गुफा जो जोगिया मान गुफा के नाम से प्रसिद्ध है की पवित्र तपस्थली पर भक्तों ने परमहंस दयाल स्वामी अद्वैतानंद जी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई और पाठ आरती पूजन अर्चन किया । यों तो परमहंस दयाल जी की जयंती रामनवमी को देश विदेश में मनाई ही जाती है किंतु इस पवित्र गुफा पर यह प्रथम उत्सव है, जो सौभाग्यपूर्ण, आनंददायी और ऐतिहासिक है`यह अत्यंत ही दुर्गम मार्ग, सघन विवर ,और भीषण पहाड़ी वाला स्थान है ।यह कार्यक्रम ब्रह्म विद्यालय एवं आश्रम छोटका राजपुर के स्वामी जी महाराज की आज्ञा व कृपा से ही संभव हुआ है` इस प्रोग्राम में अवधविहारी मितवा, सुनील कु. सिंह, मनोज वर्मा ,गप्पू स्वर्णकार, मोहन प्रसाद, शुभम सिंह निवासी बलिया, उ.प्र. तथा ओमप्रकाश, मनोज कुमार निवासी लिलारी रोहतास बिहार एवं अवधेश यादव ,श्रवण कुमार, पृथ्वी उरावँ आदि स्थानीय भक्तगण शामिल हुए।

स्वामी अद्वैतानंद की तपस्थली रोहतास किला के समीप जोगिया मान गुफा का विकास होः स्वामी जी

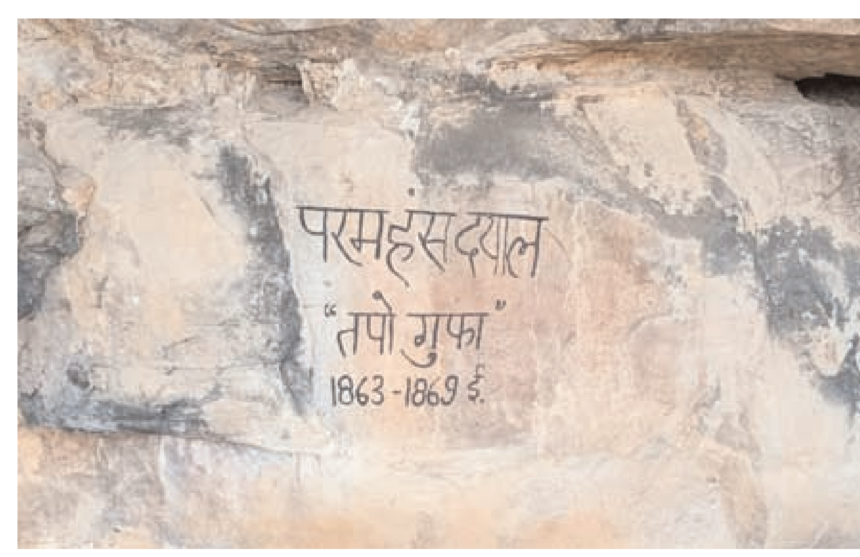

मुरलीधर

भारत धम की भूमि है और यही धर्म और भक्ति देश की श्रेष्ठ सांस्कृतिक परम्परा है। आधुनिक काल में जिस प्रकार गुरु भक्ति की परम्परा आज भी देश में जीवित है उससे हमारी पांच हजार साल पुरानी सभ्यता और संस्कृति की महानता प्रगट होती है। दुनिया के अनेक सभ्यता रोम, यूनान आदि नष्ट हो गयी लेकिन भारत भूमि संत मनीषियों के तप और मार्गदर्शन के कारण आज भी विश्व में श्रेष्ठ है। ऐसे ही एक श्रेष्ठ परम्परा के वाहक स्वामी अद्वैतानंदजी महाराज ने जो भक्ति का संदेश और परम्परा कायम किया वह आज भी श्रेष्ठ है।

ज्ञान की श्रेष्ठ परम्परा को स्वामी जी ने अपनी जिंदगी में उतारकर प्रकट किया। स्वामी सत्यानंदजी परमहंस ने बताया कि ब्रम्ह विद्यालय आश्रम की लीलारी कुटी जो रोहतास जिले में है, वहां से यह गुफा 60 किलोमीटरकी कदूरी पर है। यहां जाने के लिये कोई नियमित बस या कोई दूसरी सुविधा नहीं है।

इस संबंध में लेखक सह वरीय अधिवक्ता अवध बिहारी मितवा ने विशेष भेंट में बताया कि

रामनवमी के शुभ अवसर पर रोहतास गढ़ी पहाड़ी जंगल में स्थित जोगिया मान गुफा पवित्र स्थली पर भक्तों ने परमहंस दयाल स्वामी अद्वैतानंद जी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई और पाठ आरती पूजन अर्चन किया` यों तो परमहंस दयाल जी की जयंती रामनवमी को देश विदेश में मनाई ही जाती है किंतु इस पवित्र गुफा पर यह प्रथम उत्सव है, जो सौभाग्यदाई और ऐतिहासिक है`

दुर्गम मार्ग और जटिल लोकेशन वाला यह कार्यक्रम राजपुर के स्वामी जी महाराज की आज्ञा व कृपा से ही संभव हुआ है\` इस प्रोग्राम में अवधविहारी मितवा, सुनील कु. सिंह, मनोज वर्मा ,गप्पू स्वर्णकार, मोहन प्रसाद, शुभम सिंह निवासी बलिया,उ.प्र. तथा ओमप्रकाश, मनोज कुमार निवासी लिलारी रोहतास बिहार एवं पृथवी उराव आदि स्थानीय भक्तगण शामिल हुए । वहां जाने के लिये एक रास्ता अकबरपुर से जाता है। यह स्थल स्वामी परमहंस दयाल जी महाराज के जीवन में महत्वपूर्ण स्थलों में एक है। इस स्थान पर अभी गुफा के पास रहने वाले लोग पूजा पाठ करते हैं।

इसके विकास के लिए ब्रम्ह विद्यालय आश्रम सजग और सक्रिय है। आज जिस प्रकार देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों का विकास हो रहा है उसमें जोगिया मान गुफा का विकास भी देश के अध्यात्मिक उन्नति के लिये अनिवार्य है।

लेखक सह वकील अवध बिहारी मितवा ने बताया कि स्वामी सत्यानंदजी परमहंस की आज्ञा से रामनवमी के दिन मैं और मेरे कई मित्र इस गुफा में पहुंचे। रामनवमी के पुनीत अवसर पर जिस दिन स्वामी अद्वैतानंदजी महाराज का जन्म छपरा में हुआ था उसी दिन हम सब उनके तपोस्थली रोहतास के पहाड़ों के बीच स्थित तपोभूमि में पहुंचे। वहां हमने स्वामी जी के आदेश पर अदैतानंदजी महाराज की आरती की और उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया। श्री मितवा ने बताया कि जब वे गुफा में पहुंचे तो रोमांच से भर उठे। उन्हें अलौकिक अनुभव हुआ। श्री मितवा ब्रम्ह विदयालय आश्रम में स्वामी अदैतानंद जी महाराज जिन्हें परमहंस दयाल के नाम से भी जाना जाता है उनके जीवन पर आधारित नाट्य के मंचन का अवसर भी मिलता है। वे परमहंस दयाल जी के जीवन पर अध्ययन भी करते हैं और उनकी तपोस्थली पर पहुंचने का अध्यात्मिक गौरव भी स्वामी जी के आर्शिवाद से प्राप्त हुआ। वे आने वाले समय में भी आश्रम के आदेश के अनुसार उस गुफा के विकास के लिए जो जबावदेही द ी जाएगी वैसा काम करेंगे।

निश्चित ही महान संत अदैतानंदजी महाराज के जीवन और उनसे जुड़ें स्थानों में छपरा के साथ रोहतास का जोगिया मान गुफा का विकास भी उस परमपूज्य अनुकरणीय संत की प्रेरणा पाने का माध्यम बने यह भारतीय समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। गुरु से ज्ञान और ज्ञान से भक्ति की अकाट्य सिद्धांत और परम्परा के वाहक स्वामी परमहंस दयाल की भक्ति धारा को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान स्वामी सत्यांनदजी परमहंस विगत तीन दशकों से पूरे देश में एक दिन के भी विश्राम के बिना भक्तों को ज्ञान और भक्ति का संदेश दे रहें हैं।

स्वामी जी अभी रांची के बसारगढ़ स्थित ब्रम्ह विद्यालय आश्रम में सुबह दस से और शाम छह बजे से प्रतिदिन दो घंटे ज्ञान और भक्ति की गंगा अविरल प्रवाहित कर रहें हैं। 21 अप्रैल तक स्वामी जी रांची में प्रवास करेंगे। 22 को प्रातः गया के लिये प्रस्थान कर जायेंगे। आज भी सैकड़ों सन्यासी स्वामी के मार्गदर्शन में तत्वज्ञान की विशुद्ध शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं।

स्पीड न्यूज

एसयूवी ने खड़ी कार में मारी जोरदार टक्कर

जमशेदपुर। कदमा-सोनारी लिंक रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने पहले से खड़ी कार को जोरदार टक्कर मारते हुए रोड डिवाइडर पर चढ़ गई। यद्यपि खड़ी कार में उस वक्त कोई सवार नहीं था अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी। कदमा पुलिस ने सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची और कार को जब्त कर लिया। एसआई सुनील कुमार ने बताया कि जांच के पश्चात ही यह सुनिश्चित हो सकेगा कि दोष किसका था।

टाटा में मंत्री के खिलाफ 21 को विरोध मार्च

जमशेदपुर। झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और झामुमो नेता हफीजुल हसन अंसारी द्वारा शरीयत को संविधान से ऊपर बताने वाले बयान पर सूबे की मुख्य विपक्षी दल भाजपा हमलावर हो गयी है। भारतीय जनता पार्टी ने इस बयान को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान पर खुला हमला करार देते हुए 21 अप्रैल को जमशेदपुर में विशाल विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। इस निमित्त, गुरुवार को साकची स्थित जिला कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारी एवं मोर्चा जिलध्याक्षों की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने की रणनीति पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। इस दौरान निर्णय लिया गया कि 21 को सुबह 10 बजे साकची स्थित जिला कार्यालय से जिला उपायुक्त कार्यालय तक भव्य विरोध मार्च निकाला जायेगा, जिसमें वरिष्ठ नेताओं के संग हजारों कार्यकर्ताओं एवं आमजन शामिल होंगे। इस दौरान भाजपा उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपेगा।

गम्हरिया : सेविकाओं को दिया गया मोबाइल

गम्हरिया। आंगनबाड़ी सेविकाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा उन्हें मोबाईल उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें सरकारी योजनाओं से सम्बंधित एप्प डाउनलोड किया गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत बीरबास पंचायत भवन में कार्यक्रम आयोजित कर प्रखंड क्षेत्र की सेविकाओं के बीच मोबाइल का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि इससे सेविकाओं को कार्य करने में आसानी होगी और अब वे इन एप्प के जरिये लाभुकों का एंट्री और उन्हें दी जानेवाली सुविधाओं का डाटा संग्रह कर सकेंगी।

कांड्रा आरपीएफ से स्थानांतरित चार जवानों को दी गयी विदाई

गम्हरिया। कांड्रा आरपीएफ पोस्ट में समारोह आयोजित कर वहां से स्थानांतरित चार जवानों को सहकर्मियों द्वारा विदाई दी गई। विदित है कि कांड्रा आरपीएफ में तैनात जवान नीरज कुमार को आदित्यपुर, प्रमोद दास को टाटानगर, छबील पासवान को चाईबासा और हेड कांस्टेबल पंकज कुमार को चक्रधरपुर स्थानांतरित किया गया है। इस मौके पर उपस्थित कांड्रा आरपीएफ प्रभारी अस्मित वर्मा ने कहा कि इन सभी जवानों का कांड्रा में पांच साल का कार्यकाल बेहतर रहा है। सभी अपने कार्य और यात्री सुरक्षा के प्रति काफी जिम्मेवार रहे और हर विभागीय निर्देशों का पालन करते रहे। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि ये जवान जहां भी तैनात होंगे वहां इसी प्रकार अपना बेहतरीन कार्य का अमिट छाप छोड़ेंगे। डीटीआई सुकेश कुमार एवं कांड्रा स्टेशन प्रबंधक एनके पांडेय ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ग्रामीण विद्यालयों की बदहाल व्यवस्था से बढ़ी अभिभावकों की चिंता

गांव के स्कूलों में आज भी शिक्षक व आधारभूत सुविधाओं का है टोटा

प्लस टू के बच्चे जमीन पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। देश भले ही वैश्विक स्तर पर सफलताओं के नए आयाम और कीर्तिमान स्थापित कर रहा हो मगर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं बदहाल हैं। सरकार भले ही विकासशील होने का दावा कर रही हो मगर जमीनी हकीकत यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी आजादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी शिक्षा की सुविधाओं के नाम पर केवल आश्वसान की घुट्टी पिलाई जा रही है। जबकि गांव के स्कूलों में आज भी शिक्षक, भवन, बेंच डेस्क, शौचालय व पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का टोटा है। सरकार भले ही शिक्षा व स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का ढिंढोरा पीट रही हो पर गांव के धरातल पर सरकार की वास्तविकता की हकीकत कुछ अलग ही बयां करती है। सरकारी तौर पर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के दावा किया जा रहा हैं। लेकिन धरातल का सच इस दावे की पोल खोल रहा है। प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों की व्यवस्था लचर है। सरकारी तौर पर 40 विद्यार्थियों पर एक कमरा व एक शिक्षक होना चाहिए। लेकिन किसी विद्यालय में इस अनुपात में न तो शिक्षक हैं और न ही कमरे संसाधनों का भी घोर अभाव है। उच्च विद्यालयों में भी संसाधनों का अभाव है। सरकार द्वारा मध्य विद्यालयों को उच्च विद्यालय व उच्च विद्यालयों को प्लस टू विद्यालय में अपग्रेड कर दिया गया है। लेकिन संसाधन उपलब्ध नहीं कराया गया। प्लस टू के बच्चे जमीन पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। वही स्कूलों में कार्यरत शिक्षक भी पठन-पाठन में रुचि नहीं ले रहे हैं। उनके कार्य शैली को देखकर लोग यही कहते हैं कि विद्यालयों में पठन-पाठन की सिर्फ औपचारिकता पूरी की जा रही है। वही बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए मिड डे मील की व्यवस्था की गई है। इसमें भी अनियमितता देखने को मिल रही है। किसी तरह भोजन बनाने व खिलाने की औपचारिकता पूरी की जा रही है। खाने के लिए बच्चों को खाना देकर छोड़ दिया जाता है बच्चे जैसे तैसे बैठकर कीचड़ व गंदगी के बीच भोजन करते है।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय की बदहाल व्यवस्था से वे परेशान हैं। जिस विभाग के जिम्मे शिक्षा व्यवस्था को देखना है उसके पदाधिकारी अपने दायित्व के प्रति काफी उदासीन हैं। प्रखंड के कई ऐसे विद्यालय हैं जहां पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। पानी के लिए बच्चों को लंबी दौड़ लगानी पड़ती है। ऐसे में बच्चे विद्यालय में कैसे शिक्षा ग्रहण करेंगे यह बड़ा सवाल है। विद्यालयों की बदहाल व्यवस्था को देखकर अभिभावकों को अपने बच्चों के भविष्य की चिता सताने लगी है। उनका कहना है कि सरकारी विद्यालयों की बदहाली से ही निजी विद्यालय फल फूल रहे हैं।

बेंच डेस्क और दरी के अभाव में जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रहे बच्चे।

मांडर में मेगा प्लेसमेंट ड्राइव एवंस्टार एलुमनाई कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। हेसमी स्थित मेगा प्लेसमेंट ड्राइव एवंस्टार एलुमनाई कनेक्ट कार्यक्रम का भव्य आयोजन गुरुवार को किया गयाकझारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाइटी की प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री सारखी योजना' के अंतर्गत रोजगार प्लेसमेंट ड्राइव करना है। इस योजना के अंतर्गत राज्य के 18-35 वर्ष के युवाओं के लिए निः शुल्क कौशल प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार से जोड़े जाने का अभियान चलाया जा रहा है। मिशन निदेशक शैलेन्द्र कुमार लाल झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के निदेर्शानुसार दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र सक्षम झारखण्ड कौशल विकास सेंटर के विभिन्न ट्रेड में विशेषप्लेसमेंट ड्राइव, औद्योगिक भ्रमण और ऑन जॉब ट्रेनिंग उपलब्ध कराया गया। सहाना क्लोदिंग प्राइवेट लिमिटेड, एससीएम गारमेंट्स, याजाकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा प्लेसमेंट में 85 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया जिसमें 45 प्रशिक्षुओं का चयन किया गया। वही 60 प्रशिक्षुओं को कौशल पाठ्यक्रम पूरा करने का प्रमाण पत्र दिया गया और पूर्व छात्र अभ्यर्थियों को सम्मानित भी किया गया। झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी द्वारा उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

मानगो : 22 से दरभंगा डेयरी से लेकर ब्लूबेल्स स्कूल तक वन वे

- मानगो डिमना रोड में फ्लाई ओवर निर्माण के लिए होगा रुट डायवर्ट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। मानगो डिमना रोड में फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान रूट डायवर्ट करने को लेकर उप नगर आयुक्त श्री कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में आज कार्यालय मानगो नगर निगम में बैठक का आयोजन संपन्न हुआ। बैठक में 22 अप्रैल को रूट का ट्रायल को लेकर रूट डायवर्ट करने का निर्देश दिया गया जबकि 24 अप्रैल से उक्त डाइवर्ट किये गये रूट के स्थान पर कार्य आरंभ करने का निर्देश संबंधित एजेंसी को दिया गया।

बैठक में ट्रैफिक डीएसपी, डीएसपी हेड क्वार्टर 1, सहायक नगर आयुक्त, मानगो नगर निगम, कार्यपालक अभियंता दीपक सहाय पथ निर्माण विभाग एवं अन्य शामिल हुए। बैठक के पश्चात उप-नगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने खबर मन्त्र से कहा कि फ्लाईओवर निर्माण कार्य को लेकर आम लोगों को आवागमन की सुविधा को देखते हुए 22 अप्रैल को रूट का ट्रायल करते हुएरूट को डाइवर्ट करने का निर्देश दिया गया है ताकि 24 तारीख से फ्लाई ओवर का निर्माण तीव्र गति से हो सके।

इसके लिए दरभंगा डेयरी से ब्लू बेल्स स्कूल तक 250 मीटर के रूट डायवर्ट कर वन वे किया जाएगा। वन वे के दौरान सड़क जाम न हो इसके लिए सड़क किनारे किये गये अतिक्रमण को हटाया जायेगा। उन्होंने डाइवर्ट किए गए रूट के अनुसार लोगों को सुगम रूप से आवागमन करने की अपील की है ताकि ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न न हो।

बैठक करते उप-नगर आयुक्त कृष्ण कुमार।

एक नजर में

सोनुवा में छह किसानों के बीच सांसद जोबा माझी के हाथों सोलर पंप का हुआ वितरण

सोनुवा। किसान समृद्धि योजना के तहत गुरुवार को सोनुवा के छह किसानों के बीच सोलर पंप सेट का वितरण किया गया। प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से सांसद जोबा माझी उपस्थित रही। सोनुवा के प्रमिला महतो, उषा रानी महतो, रासमनी महतो, चांदो महतो, संजय कुमार महापात्र और संजय अंगरिया को 90 फीसद अनुदान पर सोलर पंप सेट सांसद के हाथों प्रदान किया जायेगा। इस मौके पर सांसद ने कहा सोनुवा के किसान मेहनतकश है। यहां सिंचाई की भी सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को सोलर पंप वितरण का लक्ष्य बढ़ाने और योजना का प्रचार-प्रसार करने को कहा। सांसद ने स्थानीय ग्रामीणों से भी कृषि कार्य से जुड़ने की अपील की। कहा राज्य सरकार कई तरह की योजनाएं किसानों के लिए चला रही है उसका लाभ उठाने की जरूरत है। इस दौरान एजेंसी ने लाभुकों को सोलर पंप के संचालन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मौके पर बीडीओ सोमनाथ उरांव, सीओ अनुज टेटे, उप प्रमुख रचना महतो, मुखिया जोसेफ मुर्मू, कृषि पदाधिकारी आर्थभंजन प्रधान, कृष्णा बास्के, ललिता कोड़ाह उपस्थित रहे।

कदमा के डिजनीलैंड मेला का समापन 28 को

जमशेदपुर। कदमा गणेश पूजा मैदान स्थित क्राफ्ट इंडिया शॉपिंग एक्सपो सह डिज्नीलैंड द्वारा आयोजित डिजनीलैंड फेयर को जमशेदपुर वाशियों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। मेले के आयोजक संदीप श्रीवास्तव एवं उमेश गुप्ता ने कहा कि चूंकि यह मेला, 28 अप्रेल को समापन हो रहा है अतः लोगों से यह अपील की जाती है कि मेले मे आकर इसका आनंद उठायें। मेले मे स्थित कई तरह के झूले बच्चों को पसंद आ रहे हैं। कुल मिलाकर इस मेले मे परिवार सभी सदस्यों के लिए कुछ न कुछ है। पुनः उन्होंने कहा की कदमा गणेश पूजा मैदान मे पहली बार इतना भव्य तरीके से फेयर का आयोजन किया जा रहा है। यहां उपलब्ध सारे उत्पाद बेहतर गुणवत्ता वाले एक उचित मूल्य पर एक ही छत के निचे उपलब्ध है। जिसमे एक्सक्लूसीव फैशन ज्वेलेरी, सिल्क कॉटन साड़ी, ड्रेस मेटरियल, घर सजावट के उत्पाद, शूट, खादी के शर्ट एवं कपड़े, कॉटन के कुर्ता एवं पायजामा, कारपेट बेड सीट, लखनवी चिकन शूट, साड़ी, दुपट्टा सहित घरेलू उपयोग की कई वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

रातू। काठीटांड़ से लापता युवक का शव बरामद

रातू। पुलिस ने गुरुवार की दोपहर बड़ा तालाब किनारे झाड़ी से युवक का शव बरामद किया है। उसकी पहचान 25 वर्षीय भीम साहू के तौर पर की गयी है। वह काठीटांड़ निवासी रामवृत साहू का पुत्र था। मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया है। मामले को लेकर रातू थाने में यूडी केस दर्ज किया गया है। इसकी जांच की जा रही है। परिजनों ने बताया कि वह 11 अप्रैल की शाम से ही लापता था। हालांकि, पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी गयी थी। ग्रामीणों के मुताबिक, भोला को शराब पीने की आदत थी। इसकी वजह से वह कई गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो गया था।

तेज रफ्तार कार ने तीन को रौदा दिया, दो की मौत

बुंडू। रांची टाटा राजमार्ग-33 पर बुधवार के बीती रात मुंडा कॉलोनी बुंडू के पास खड़े तीन युवक को जमशेदपुर से रांची की ओर जा रही तेज रफ्तार अज्ञात कार गाड़ी ने रौंद दि मौके पर दो युवक घटना स्थल पर मौत हो गई। जिसमें एक युवक संजय मुंड़ा गंम्भीर रूप से घायल हो गया है। जिसमें मृत दो युवक सरबन मुंडा उम्र 24 वर्ष रेलाडीह बुंडू और मनीश मुंडा उम्र 22 वर्ष काजुबारू, बुंडू के रहने वाला था। वहीं घायल संजय मुंडा जिंतु सोनाहातू का रहनेवाला है। घायल संजय मुंडा को प्रशासनों के मदद से ट्रॉमा में प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। जहां उसकी इलाज चल रही है बुंडू पुलिस ने बॉडी को पोस्टमार्टम कर परिवार को सौंप दिया। इधर घटना के बाद से परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

रेलवे फाटक के समीप ग्रामीणों ने दिया धरना प्रदर्शन

अपनी मांगों को लेकर धरना पर बैठे ग्रामीण।

इटकी। इटकी रेलवे समपार फाटक रेल अधिकारियों द्वारा चोरी छिपे गड्ढा खोद का बंद किये जाने के विरोध में इटकी झामुमो के संयोजक वसीम एकबाल पम्मू के अगुवाई में गुरुवार को इटकी रेलवे फाटक के समीप ग्रामीणों के साथ धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आरओबी की मांग करते रेलवे विभाग से खोदी गयी गड्ढे को बंद करने की मांग रखी। साथ ही समपार फाटक के बंद किए जाने और फटक के दोनों ओर रेलवे विभाग द्वारा किए गए गड्ढे को लेकर विरोध जताया। विभाग को स्कूली बच्चों के आवागमन में हो रही कठिनाइयों से अवगत कराया और शीघ्र गड्ढे को भरने की मांग की है, ताकि स्कूल आने जाने वाले बच्चों को होने वाली कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। दो दिनों के अंदर उक्त गड्ढे को विभाग नही भरती है तो ग्रामीण तीसरे दिन गड्ढे को भर देगी। झामुमो प्रखंड संयोजक वसीम इकबाल पम्मू ने कहा कहा कि एक पखवारे के अंदर विभाग अपने आला अधिकारियों को वार्ता के लिए भेजे अन्यथा 15 दिनों के बाद चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी गयी है। धरना प्रदर्शन मे कुद्दूस अंसारी, फजले अंसारी, भंगा उराव, साजिद हाशमी, उस्मान अंसारी, परवेज अंसारी आदि शामिल थे।

परशुराम जन्मोत्सव शोभा यात्रा के सफल आयोजन को लेकर मानगो में हुई बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। परशुराम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर 29 अप्रैल की अपरान्ह 3 बजे से मानगो गांधी मैदान से विशाल शोभा यात्रा निकाली जायेगी। शोभा यात्रा गांधी मैदान के बगल में स्थित बड़ा हनुमान मंदिर में पूजा-पाठ के पश्चात निकलेगी, और मानगो पुल होते हुए साकची शीतला मंदिर परिसर में जाकर संपन्न होगी। उक्त जानकारी शिव प्रकाश शर्मा ने साउथ प्वाइंट स्कूल में तैयारी बैठक के पश्चात खबर मन्त्र को दी।

तैयारी बैठक में साउथ प्वाइंट स्कूल के निदेशक एवं ब्राम्हण श्रेष्ठ शिव प्रकाश शर्मा ने कहा कि शोभा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए समाज के हर वर्ग से सम्पर्क करना होगा तभी कार्यक्रम सफल होगा इसलिए आज के बैठक में उपस्थित सभी लोग युद्ध स्तर पर आज से लग जाएं। शोभा यात्रा को सफल बनाने मे सभी लोग एक-दूसरे परिवार. से सम्पर्क करें और इसे एक अभियान के रूप मे लेकर कार्य करें तभी सफलता मिलेगी।

बैठक में उपस्थित अरुण पाण्डेय ने कहा कि इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी युवाओ के कंधो पर जरूर है लेकिन युवा के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को सफल बनाना होगा। अन्य तैयारियो मे भगवान श्री परशुराम जी का सज्जित रथ होगा।

बीए इंजीनियरिंग कॉलेज एंड टेक्नोलोजी के 14 छात्रों का कोलकाता की कंपनी में हुआ प्लेसमेंट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। संचार क्षेत्र की अग्रणी कंपनी मेसर्स हाई टेकनेक्स्ट टेलीकॉम एंड इंजीनियरिंग, कोलकाता ने भर्ती के उद्देश्य से 15 अप्रैल 2025 को बी ए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बीएसीईटी), घुटिआ, जमशेदपुर का दौरा किया। कैंपस ड्राइव में कंपनी ने कुल 14 छात्रों (सीएसई- 7 छात्र, ईईई- 4 छात्र, ईसीई- 2 छात्र, मैकेनिकल- 1 छात्र) को उनके तकनीकी ज्ञान के आधार पर चुना। चयन प्रक्रिया में 11 पुरुष छात्रों के साथ 3 महिला उम्मीदवारों का भी चयन हुआ है।

दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो, वोडाफोन आदि प्रमुख दूरसंचार कंपनियों को सहायता प्रदान करती है। छात्र जून 2025 के मध्य में कंपनी में शामिल होंगे और उन्हें आवास और वाहन सुविधाओं के साथ अच्छा पैकेज दिया जाएगा। पुरुष उम्मीदवार साइट इंजीनियर के रूप में और महिलाएं कंपनी के कोलकाता कार्यालय में मानव संसाधन और तकनीकी कागजी कार्य के रूप में शामिल होंगी। विद्यार्थियों के चयन पर कॉलेज के चेयरमैन डॉ शिव कुमार सिंह, प्राचार्य डॉ संजय कुमार रॉय, प्लेसमेंट अधिकारी श्री राहुल सिंह एवं समस्त प्रोफेसर्स ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनायें दी।

चयनित छात्र- छात्राओं संग चेयरमैन डा एसके सिंह।

बागबेड़ा वृहद जलापूर्ति योजना को जून तक पूर्ण करे विभाग : डीडीसी

- डीडीसी की अध्यक्षता में हुई पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षात्मक बैठक
- गुड़ाबंधा जलापूर्ति योजना में बाधक बन रहे एक व्यक्ति पर कार्रवाई का निर्देश
- जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण की समीक्षा दिये गये कई दिशा-निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गयी। उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में आहूत बैठक में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण में अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई। जल जीवन मिशन की समीक्षा में शहरी एवं ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की गई। डीडीसी ने बागबेड़ा वृहद जलापूर्ति योजना को जून माह तक पूर्ण करते हुए पेयजलापूर्ति शुरू करने का निदेश दिया गया। बोड़ाम-पटमदा वृहद जलापूर्ति योजना में पाइपलाइन बिछाने के कार्य को गति देते हुए एक माह में कार्य पूर्ण कर शुरू करने का निदेश दिया गया।

बैठक में निर्देश देते डीडीसी अनिकेत सचान।

डुमरिया प्रखंड के 118 संथाल परिवार झेल रहे हैं सामाजिक बहिष्कार, डीसी से मांगा न्याय

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सांसद विद्युतबरण महतो को डुमरिया प्रखंड के विभिन्न गांवों के संथाल जनजाति के 118 परिवारों के प्रमुखों ने हस्ताक्षरित एक ज्ञापन मिला है जिससे यह स्पष्ट होता है कि ये सभी बहिष्कृत परिवारों का स्थानीय ग्राम प्रधान समेत अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने सामाजिक बहिष्कार किया है। आज इन ग्रामीणों ने डीसी से मिल कर अपनी व्यथा सुनायी और न्याय मांगा। दूसरी ओर उन्होंने सांसद का लिखा पत्र भी डीसी को सौंपा। सांसद ने डीसी को लिखे पत्र में कहा है कि सामाजिक बहिष्कार के कारण ये सभी परिवार विभिन्न सामाजिक परंपराओं, रीति-रिवाजों, धार्मिक अनुष्ठानों से वंचित हैं। इस कारण से विभिन्न अवसरों पर ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में कई बार टकराव की स्थिति भी बनी हुई है।

कराम को हरा पुंदाग-11 बना हाजी एहसान अंसारी नाइट क्रिकेट चैंपियन

- मैन ऑफ दी सीरीज-मोहम्मद कैफ
- सर्वश्रेष्ट बल्लेबाज- इरफान

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन द्वारा आयोजित हाजी एहसान अंसारी मेमोरियल नॉकआउट नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइन मैच पुन्दाग-11 व केसीसी करमा के बीच खेला गया। अब्दुर रज्जाक अंसारी फुटबाल मैदान ईरबा में आयोजित प्रतियोगिता का फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केसीसी करमा की टीम के खिलाड़ी वसी अकरम की 20 गेंद पर दो छक्का व चार चैके सहित 26 रन की मदद पर चार विकेट खोकर 67 रन ही बना सकी, वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए पुन्दाग-11 की टीम 5.5 ओवर में मात्र एक विकेट के नुकसान पर लक्ष्य प्राप्त कर फाइनल मुकाबाल जीत लिया। पुन्दाग-11 की ओर से नाबाद 20 गेंद में दो छक्क व चार चैका की मदद से 34 रन की शानदार पारी खेलने वाले टीम के कप्तान इरफान फरहत को मैन ऑफ दी मैच का पुरस्कार मिला। इसके अलावे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिसमें मैन ऑफ दी सीरीज केसीसी करमा के खिलाड़ी मोहम्मद कैफ को मिला। वहीं सर्वश्रेष्ट बल्लेबाजी व गेंदबाजी में पुन्दाग-11 के कप्तान इरफान फरहत व आदित्य कुमार को मिला। इसके अलावा हाजी एहसान अंसारी एजुकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से मैच के विजेता टीम को नगद पुरस्कार 71 हजार, उप-विजेता टीम को 41 हजार मिला। वहीं तीसरे व चैथे नंबर की टीम को 10-10 हजार का चेक पुरस्कार दिया गया। इससे पूर्व फाइनल मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजेश कच्छप ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त व बल्लेबाजी कर किया। कहा ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति काफी उत्साह है। शानदार आयोजन व युवाओं को रात्रि में लाइट पर खेलने का अवसर प्रदान करने के लिए आयोजक की प्रशंसा कि, और कहा रात में भी इतने लोगों का मैच देखने पहुंचना आयोजन की सफलता व लोगों का उत्साह को चरितार्थ कर रही है। वहीं नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता के संरक्षक अबूनसर बहाउद्दीन अंसारी ने विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया, और आयोजन को सफल बनाने का श्रेय अतिथियों के अलावे प्रतियोगिता में शामिल सभी टीम के खिलाड़ी व दर्शकों को दिया।

विजेता टीम को पुरस्कार देते संरक्षक अबूनसर बहाउद्दीन।

लय में लौटी मुंबई, हैदराबाद को चार विकेट से रौंदा

मुंबई इंडियंस ने लगातार दो जीत से वापसी की, हैदराबाद के बल्लेबाजों ने पिच पर संघर्ष किया, मुंबई के लिए विल जैक्स का ऑलराउंडर प्रदर्शन

एजेंसी

मुंबई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस आइपीएल 2025 में लय में लौटती दिख रही है। पहले 5 मैचों में चार हार झेलने के बाद हार्दिक पंड्या की टीम ने लगातार दो मुकाबले जीत लिए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई ने 6 विकेट से जीत हासिल की। बल्लेबाजी के लिए मुश्किल विकेट पर हैदराबाद की टीम ने 5 विकेट पर 162 रन बनाए। मुंबई ने 19 ओवर में 4 विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। स्कोर बराबर होने के बाद मुंबई ने दो विकेट खो दिए। 5 डॉट बॉल के बाद मुंबई की टीम लक्ष्य हासिल कर पाई। यह 7 मैचों में मुंबई की तीसरी जीत जबकि इतने ही मैचों में हैदराबाद की 5वीं हार है।

हैदराबाद के बल्लेबाज चले ही नहीं

वानखेड़े स्टेडियम की पिच स्पिनरों को मदद मिल रही थी और तेज गेंदबाजों को धीमी गेंदों से फायदा मिल रहा था जिससे सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों को पारी में विकेट के अनुकूल ढलने में संघर्ष करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी में देर से लय हासिल की। टीम ने आखिरी पांच ओवरों में 57 रन बनाकर अंत में स्कोर में इजाफा किया। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने सटीक योजना बनाई जिसमें जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 21 रन देकर एक विकेट झटका। ट्रेंट बोल्ट ने फिर से अपनी यॉर्कर गेंद का फायदा उठाते हुए चार ओवर में 29 रन देकर एक विकेट झटका जबकि विल जैक्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। सनराइजर्स हैदराबाद को शुरू से ही संघर्ष करना पड़ा और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 28 गेंद में सात चौकों की मदद से 40 रन बनाए। पहले ओवर में दीपक चाहर की गेंद पर टीम के दोनों सलामी बल्लेबाजों को जीवनदान मिला।

हैदराबाद 162/5 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
अभिषेक कै. बावा बो. हार्दिक	40	28	07	00
हेड कै. सैंटनर बो. जैक्स	28	29	03	00
किशन स्टंप रिकेल्टन बो. जैक्स	02	03	00	00
रेड्डी कै.तिलक बो. बोल्ट	19	21	01	00
क्लासेन बो. बुमराह	37	28	03	02
अनिकेत वर्मा नाबाद	18	08	00	02
पैट कमिंस नाबाद	08	04	00	01

अतिरिक्त : 10

विकेट पतन : 1-59, 2-68, 3-82, 4-113, 5-136.

गेंदबाज : दीपक चाहर : 4-0-47-0, ट्रेंट बोल्ट : 4-0-29-1, जसप्रीत बुमराह : 4-0-21-1, विल जैक्स : 3-0-14-2, हार्दिक पंड्या : 4-0-42-1, मिचेल सैंटनर : 1-0-8-0.

मुंबई 166/6(18.1 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
रिकेल्टन कै. हेड बोल्ड हर्षल	31	23	05	00
रोहित कै. हेड बो. कमिंस	26	16	00	03
जैक्स कै. अंसारी बो. कमिंस	36	26	03	02
सूर्यकुमार कै. अंसारी बो. कमिंस	26	15	02	02
तिलक वर्मा नाबाद	21	17	02	00
हार्दिक कै. किशन बो. मलिंगा	21	09	03	01
धीर एलबीडब्ल्यू मलिंगा	00	03	00	00
मिचेल सैंटनर नाबाद	00	01	00	00

अतिरिक्त : 05

विकेट पतन : 1-32, 2-69 , 3-121, 4-128, 5-162, 6-162 .

गेंदबाज : मोहम्मद शमी : 3-0-28-0, पैट कमिंस : 4-0-26-3, ईशान मलिंगा : 4-0-36-2, जीशन अंसारी : 3.1-0-35-0, हर्षल पटेल : 3-0-31-1, राहुल चाहर : 1-0-9-0.

पहले ओवर में दो कैच छूटे

अभिषेक का कैच पहली ही गेंद पर जैक्स ने छोड़ दिया जबकि चौथी गेंद पर कर्ण शर्मा भी ट्रैविस हेड का कैच लपकने में विफल रहे। अभिषेक ने पांचवें ओवर में चाहर की गेंदों पर तीन चौके जड़े, लेकिन वह लय में नहीं दिखे। आठवें ओवर में हार्दिक पंड्या की गेंद पर अभिषेक आउट हुए। जैक्स ने इसके बाद ईशान किशन का महत्वपूर्ण विकेट लिया जो मात्र दो रन पर स्टंप आउट हो गये। दूसरे छोर पर हेड खुलकर खेलने की पूरी कोशिश करने के बावजूद भी रन नहीं बना पाए। वह 29 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। मुंबई इंडियंस ने इतना दबदबा बनाया हुआ था कि मैच का पहला छक्का 18वें ओवर में लगा जो सनराइजर्स की पारी का सबसे बेहतरीन ओवर रहा। इसमें हेनरिक क्लासेन (28 गेंद में 37 रन) ने 21 रन बनाये जिससे चाहर के आंकड़े को खराब कर दिया। अंतिम ओवर में अनिकेत वर्मा ने पंड्या पर दो छक्के लगाए और पैट कमिंस ने एक छक्का लगाकर 22 रन बटोरे।

रोहित ने तेज शुरूआत दी

मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा ने तेज शुरूआत दी। उन्होंने मोहम्मद शमी के खिलाफ तीसरे ओवर में दो छक्के मारे। इसके बाद चौथे ओवर में पैट कमिंस के खिलाफ छक्का उड़ाया। 16 गेंदों पर 3 छक्के की मदद से रोहित 26 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने ही उनका विकेट लिया। पावरप्ले के बाद मुंबई का स्कोर एक विकेट पर 55 रन था।

मैच से पहले रोहित सम्मानित, संन्यास की चर्चा जोरों पर

मुंबई। रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इंडियन प्रीमियर लीग मैच से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से एक विशेष स्मृति चिन्ह मिला। बीसीसीआई के प्रेसीडेंट रोजर बिन्नी ने रोहित को विशेष तौर पर सम्मान चिन्ह भेंट किया। यह मान्यता आइपीएल में रोहित के महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है जहां वह एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। आधा आइपीएल बीत जाने के बाद रोहित शर्मा को आखिरकार होम ग्राऊंड वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई की ओर से सम्मानित किया गया। इससे पहले विराट कोहली को उनके आरसीबी के होमग्राऊंड चिन्नास्वामी स्टेडियम, महेंद्र सिंह धोनी को एम चिदंबरम स्टेडियम में ऐसा ही विशेष स्मृति चिन्ह बीसीसीआई की ओर से दिया गया था। कयास है कि यह तीनों दिग्गजों का आईपीएल में आखिरी सीजन हो सकता है। ऐसे में रोहित को जब यह स्मृति चिन्ह मिला तो सोशल मीडिया पर उनके संन्यास की चर्चा छिड़ गई।

आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
दिल्ली	06	05	01	00	10	+0.899
गुजरात	06	04	02	00	08	+1.081
बेंगलुरु	06	04	02	00	08	+0.539
पंजाब	06	04	02	00	08	+0.172
लखनऊ	07	04	03	00	08	+0.086
कोलकाता	07	03	04	00	06	+0.547
मुंबई	07	03	04	00	06	+0.239
राजस्थान	07	02	05	00	04	-0.714
हैदराबाद	07	02	05	00	04	-1.217
चेन्नई	07	02	05	00	04	-1.276

पर्पल कैप
12 विकेट
नूर अहमद
चेन्नई

ऑरेंज कैप
357 रन
निकोलस पूरन
लखनऊ

किशन का फ्लॉप शो जारी

आइपीएल के मौजूदा सत्र में ईशान के बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में शतक जरूर जड़ा था लेकिन इसके बाद कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। अब तक खेली सात पारियों में उन्होंने सिर्फ 138 रन बनाए हैं। लखनऊ के खिलाफ वह खाता भी नहीं खोल पाए थे। अब एक बार फिर वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे।

फ्रेंच ओपन में सम्मानित होंगे रफेल नडाल

पेरिस। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल को फ्रेंच ओपन के शुरूआती दिन 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में सम्मानित किया जायेगा। फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल से संन्यास ले लिया था। फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने गुरुवार को कहा कि राफा ने कई मायनों में फ्रेंच ओपन के इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी है इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जायेगा। क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम के गलियारे में पहले से ही नडाल की एक प्रतिमा बनी हुई है। वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे।

घर में पहली जीत की तलाश में उतरेगी आरसीबी

एजेंसी

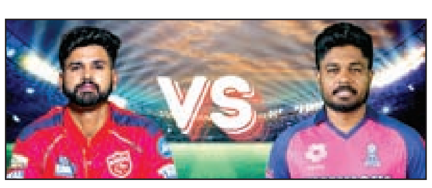

बेंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए घर में जीत दर्ज करना चुनौती बना हुआ है। शुक्रवार को उनका सामना पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच में अगर आरसीबी को जीत दर्ज करनी है तो उन्हं पंजाब के स्पिन आक्रमण से सावधान रहना होगा।आरसीबी के बल्लेबाजों को बंगलुरू की धीमी पिच पर गुजरात टाइटंस के आर साई किशोर तथा दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव और विपराज निगम के सामने संघर्ष करना पड़ा था। अब युजवेंद्र चहल और ग्लेन मैक्सवेल उनकी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। यही नहीं, चहल और मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी की तरफ से खेलते रहे हैं और यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। अगर कप्तानों की बात करें तो रजत पाटीदार और श्रेयस अय्यर में बहुत कम समानता है। इस टूर्नामेंट में एक बल्लेबाज के रूप में शानदार रिकार्ड रखने वाले अय्यर ने आईपीएल विजेता कप्तान के रूप में अपनी साख साबित की है। दूसरी तरफ पाटीदार आइपीएल में पहली बार कप्तान बने हैं। लेकिन असमानता यहीं पर खत्म हो जाती है क्योंकि यह दोनों खिलाड़ी शांत रहकर बड़ी कुशलता से अपनी टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। कोलकाता के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच में जीत दर्ज करने से पंजाब का हौसला बढ़ा होगा लेकिन उसे आरसीबी से सतर्क रहना होगा।

धनबाद को हराकर रांची फाइनल में

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला महिला (सीनियर) क्रिकेट प्रतियोगिता में रांची टीम ने सुपर लीग मैच में धनबाद टीम को 8 विकेट से हराया और फाइनल में अपनी जगह बनाई। फाइनल मैच शनिवार को चाईबासा में पश्चिमी सिंहभूम के साथ होगा। इससे पहले रांची टीम ने सुपर लीग में सिमडेगा को हराया था। गुरुवार के मैच में धनबाद टीम ने रांची टीम को जीत के लिए 215 रनों का लक्ष्य दिया जिसे रांची टीम ने 2 विकेटों के नुकसान पर 216 रन बनाकर मैच जीत लिया। जिसमें कुमारी पलक 92 रन एवं मानसी ने 62 रनों का योगदान दिया और 8 विकेट से मैच जीत लिया।

संजय झा को किया गया सम्मानित

रांची। झारखंड राज्य कबड्डी संघ के मान्यता प्राप्त रांची जिला कबड्डी संघ के द्वारा झारखंड राज्य कबड्डी संघ के संजय कुमार झा को झारखंड ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव एवं मीडिया कमेटी के सदस्य बनाये जाने पर सम्मानित किया गया। मौके पर श्री झा ने कहा कि शुरू से ही खेल के पति पूरी तरह समर्पित है। कबड्डी खेल अंग अंग में भरा हुआ है। राज्य में कबड्डी खिलाड़ियों को थोड़ी परेशानी जरूर है परंतु समय के अनुसार सारी परेशानी समाप्त हो जायेगी। हम भी अपने स्तर से पहले भी और आज भी प्रयास में लगे हुये हैं झारखंड राज्य में कबड्डी का एक मंच हो जिससे खिलाड़ियों को सही दिशा निर्देश के साथ आगे बढ़ाने में सहायक /सिद्ध हो सके। इसके लिए हम अपने स्तर से झारखंड ओलंपिक संघ के तमाम पदाधिकारी से इस संदर्भ में अपना विचार रखेंगे और इसे निदान करने का प्रयास करेंगे। मौके पर झारखंड राज्य कबड्डी संघ के अध्यक्ष तपन रावत, कोषाध्यक्ष हरीश कुमार, प्रशिक्षक शिवकुमार, प्रदीप तिर्की, रामप्रसाद, शमी सिंह, विक्की शर्मा, कुणाल कुशवाहा उपस्थित होकर श्री झा को सम्मानित किया।

नीरज ने 84.52 मीटर थ्रो के साथ सत्र की शुरूआत की

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरूआत की है। नीरज ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया।

डौव स्मिथ से आगे रहे नीरज

भारतीय स्टार नीरज दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर का था। नीरज का प्रदर्शन हालांकि उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंच गए। इस प्रतियोगिता में सिर्फ दो खिलाड़ियों नीरज और स्मिट ने ही 80 मीटर की दूरी पार की। दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन 71.22 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

जेलेज्नी की देखरेख में काम कर रहे नीरज चोपड़ा

नीरज अपने नये कोच चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में अभ्यास कर रहे हैं। जेलेज्नी तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। भारत का यह 27 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल लंबे समय तक अपने कोच रहे जर्मनी के क्लॉस बार्टोनिट्ज से अलग हो गए थे। वह 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरूआत करेंगे। नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। वह पिछले लंबे समय से 90 मीटर का आंकड़ा छूने का प्रयास कर रहे हैं। जेलेज्नी के मार्गदर्शन में नीरज अपनी कामयाबी को एक अलग स्तर पर ले जाने की कोशिश करेंगे।

21 से 25 मई तक स्टेट टेनिस प्रतियोगिता आयोजित

रांची। झारखंड टेनिस एसोसिएशन के तत्वाधान में इस वर्ष 21 से 25 मई तक स्टेट टेनिस प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में झारखंड टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह ने रांची जिमखाना क्लब में प्रेसवार्ता कर कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया इस प्रतियोगिता में रांची जिमखाना क्लब बतौर स्ट्रेटेजिक पार्टनर रहेगी। प्रतियोगिता का आयोजन क्ले कोर्ट में किया जा रहा है। केके सिंह ने बताया पूरे झारखंड में केवल जिमखाना क्लब के पास ही दो क्ले कोर्ट हैं। इस प्रतियोगिता के लिए 18 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू होगी। केके सिंह ने बताया के झारखंड टेनिस एसोसिएशन साल में दो बार स्टेट प्रतियोगिता का आयोजन सभी वर्ग कैटेगरी में आयोजित करेगा।

झारखंड महिला एवं पुरुष कुश्ती चयन ट्रायल संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। 11 से 15 मई 2025 तक पटना बिहार में आयोजित होने 7th खेलो इंडिया यूथ गेम्स, महिला एवं पुरुष कुश्ती में भाग लेने के लिए झारखंड राज्य कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वधान में झारखंड कुश्ती टीम का चयन ट्रायल गुरुवार को गनपत राय इनडोर स्टेडियम खेलगांव होटवार रांची में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न जिले से 65 कुश्ती खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसके आधार पर 15 खिलाड़ियों का चयन किया गया। उक्त चयन ट्रायल का उद्घाटन झारखंड राज्य कुश्ती संघ महासचिव रजनीश कुमार के देख रेख में आयोजिय किया गया। इस चयन में विशेष रूप से झारखंड राज्य कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष बबलू कुमार, देवघर जिला कुश्ती संघ के सचिव संजीव झा, सीनियर प्लेयर सह कोच राजीव रंजन भीम, खेलो इंडिया सेंटर साहिबगंज के प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल, साथ अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। चयन ट्रायल में चयनित 08 पुरूष और 7 महिला पहलवान, दिनांक 11 से 15 मई 2025 तक पटना बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आर्सेनल 16 साल बाद चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

रियल मैड्रिड को 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से हराया

एजेंसी

मैड्रिड। इंग्लिश क्लब आर्सेनल ने चैंपियंस लीग 2024-25 सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड को क्वार्टरफाइनल में 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से मात दी। बुधवार रात हुए दूसरे लेग के मुकाबले में आर्सेनल ने 2-1 से जीत दर्ज कर 16 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से होगा। आर्सेनल ने पिछले हफ्ते लंदन में खेले गए पहले लेग में 3-0 की बड़ी जीत दर्ज की थी, जिसका फायदा उन्हें मैड्रिड में मिला। मैच की शुरूआत से ही आर्सेनल ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और रियल मैड्रिड के आक्रामक खेल को ज्यादा मौके नहीं दिए।

साका ने चूकी पेनल्टी, फिर दागा पहला गोल

पहले हाफ में आर्सेनल को पेनल्टी का मौका मिला जब वीएआर की मदद से रियल के राउल असेंसियो द्वारा मिकेल मेरिनो को खींचने का मामला पकड़ में आया। हालांकि, साका का पेनल्टी किक थिबो कोर्टुआ ने रोक लिया। इस चूक के बाद साका ने दूसरे हाफ में 65वें मिनट में शानदार वापसी की और टीम के लिए पहला गोल दागा।

विनीसियस जूनियर ने लौटाई उम्मीद मार्टिनेली ने की निर्णायक वार

साका के गोल के दो मिनट बाद ही विलियम सलीबा की गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने बराबरी का गोल कर रियल को थोड़ी उम्मीद दी। लेकिन, स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे के चोटिल होकर मैदान छोड़ने से रियल मैड्रिड की मुश्किलें और बढ़ गईं। मैच के इंजरी टाइम में गेब्रियल मार्टिनेली ने आर्सेनल के लिए दूसरा और निर्णायक गोल कर रियल मैड्रिड की वापसी की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं।

रियल मैड्रिड का फीका प्रदर्शन

पिछले सीजन में चैंपियंस लीग और ला लीगा डबल जीतने वाली रियल मैड्रिड इस बार अपनी लय में नहीं दिखी। पहले लेग में 3-0 की हार के बाद टीम मैड्रिड में भी ज्यादा कुछ नहीं कर पाई। स्टार स्ट्राइकर एम्बाप्पे भी पूरी तरह लय में नहीं दिखे और आखिरी मिनटों में चोटिल होकर बाहर हो गए।

आर्सेनल तीसरी बार सेमीफाइनल में

आर्सेनल ने अब तक चैंपियंस लीग इतिहास में सिर्फ तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पिछली बार 2009 में टीम इस मुकाम पर पहुंची थी। अब उनका सामना पेरिस सेंट जर्मेन से होगा, जो इस सीजन में भी दमदार लय में है।

इंटर मिलान चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

एजेंसी

मिलान। इंटर मिलान ने यूइएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टरफाइनल के रोमांचक मुकाबले में बायर्न म्यूनिख को 4-3 के एग्रीगेट स्कोर से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। बुधवार देर रात सान सिरो स्टेडियम में हुए दूसरे लेग का मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन पहले लेग में मिली 2-1 की जीत के चलते इटालियन चैंपियन इंटर ने अंतिम-4 में प्रवेश किया। अब इंटर का मुकाबला सेमीफाइनल में बार्सिलोना से होगा। बारिश और तेज हवाओं के बीच खेले गए इस मुकाबले में पहले हाफ तक दोनों टीमों के बीच गोल नहीं हुआ। हालांकि, दूसरे हाफ में मुकाबला रोमांचक हो उठा। बायर्न के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने 52वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबले को नई जान दे दी।

इसके बाद इंटर के कप्तान लौटारो मार्टिनेज ने 58वें मिनट में गोल दागकर इंटर को फिर से बढ़त दिलाई। महज तीन मिनट बाद, बेंजामिन पावार्ड ने एक शानदार हेडर से गोल कर इंटर को निर्णायक बढ़त दिला दी।

किशोरी का अर्धनग्न अवस्था में मिला शव

दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जिला के मसलिया थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय किशोरी की गड्ढे से अर्धनग्न अवस्था में शव गुरुवार को बरामद हुआ। इधर पुलिस फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। मृतका नौवीं की छात्रा थी, लड़की के पिता यात्री बस के चालक हैं। दरअसल यह पूरा मामला दुमका के मसलिया थाना क्षेत्र का है। जहां नवीं कक्षा की एक छात्रा बुधवार देर शाम लगभग 7:30 बजे कुछ काम की बात कहकर घर से निकली। काफी समय बीतने के बाद जब वह घर नहीं लौटी तो परिजन चिंतित हो गई। उन्होंने खोजबीन शुरू कर दिया, लेकिन वह नहीं मिली। गुरुवार सुबह घर वालों को कुछ ग्रामीणों के द्वारा यह जानकारी हुई की। लापता बेटी का शव उसके घर से लगभग 700 मीटर दूर एक सुनसान इलाके में स्थित गड्ढे में पड़ा हुआ है।

क्या कहते हैं एसपी : एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने कहा कि एक किशोरी का शव बरामद हुआ है। पुलिस की टीम घटनास्थल की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाये गी।

किशोरी का शव अर्धनग्न अवस्था में थी। इस मामले की जानकारी होते ही आसपास के ग्रामीण सैकड़ों की संख्या में घटनास्थल पर जमा हो गए। लोगों के द्वारा मसलिया थाना को सूचित किया गया तो थाना प्रभारी धनंजय प्रजापति पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके द्वारा जिला मुख्यालय से फॉरेंसिक जांच टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। मृतका के अंतःवस्त्र घटनास्थल पर ही पड़े थे। जिससे इस बात की आशंका और बढ़ गई कि नाबालिग के साथ दुष्कर्म हुआ हो। आवश्यक जांच के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसडीपीओ विजय कुमार महतो भी मौके पर पहुंच लोगों से पूछताछ में जुटे है।

स्पीड न्यूज

19 अप्रैल की आहूत बैठक स्थल का निरीक्षण किये पूर्व सांसद

बेरमो। बेरमो विधानसभा के फुसरो नगर परिषद के कल्याण मंडप करगली गेट स्थित 19 अप्रैल को होने वाली ?भाजपा सक्रिय सदस्यों? का बैठक स्थल निरीक्षण करते सोलहवीं लोकसभा गिरिडीह सांसद रवींद्र कुमार पांडेय ने विधि व्यवस्था की जानकारी लिया। करगली गेट से फुसरो बाजार तक सड़क के दोनों किनारे झंडा लगाया गया। कार्यक्रम की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है।

पैसा गबन करने के आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

बेरमो। बेरमो थाना कांड संख्या 171/ 24 दिनांक 15 /12 /24 धारा -316(2)/ 118(4)/ 338/ 336(3) इठर के प्राथमिकी अभियुक्त आनंद कुमार सिंह उर्फ. गोपाल पिता निर्मल कुमार सिंह पता अमन ग्रीन अपार्टमेंट 1बी /बॉलक -202 सीएमपीएल कॉलोनी थाना-सरायडेला जिला-धनबाद को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। आरोपी पर वादी का पैसा गबन का आरोप था।

जागरूकता सह परामर्श कार्यक्रम का आयोजन

फुसरो (बेरमो)। बेरमो प्रखंड कार्यालय के सभागार में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के द्वारा किशोरियों के लिए दो दिवसीय जागरूकता सह परामर्श कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार से किया गया. इसमें बेरमो व चंद्रपुरा प्रखंड की 20-20 किशोरियां भाग ले रही हैं. काउंसलर सुजाता रानी ने कहा कि किशोरियों को उनके अधिकार व स्वास्थ्य संबंधित जानकारी देनें के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

छह परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी, परीक्षा होगी 8 मई से

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ने गुरुवार को छह परीक्षाओं के लिए परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें बीबीए व बीसीए सेमेस्टर-4, बीबीए व बीसीए सेमेस्टर-1 एवं बीएड सेमेस्टर-1 और 3 की परीक्षाएं शामिल हैं। बीबीए व बीसीए सेमेस्टर-4 की परीक्षा 8 से 14 मई तक आयोजित होगी। वहीं बीबीए व बीसीए सेमेस्टर-1 और बीएड सेमेस्टर-1 की परीक्षा 8 से 13 मई तक होगी। बीएड सेमेस्टर-3 की परीक्षा 8 से 17 मई तक चलेगी। बीबीए व बीसीए सेमेस्टर-1 और बीएड सेमेस्टर-1 की परीक्षा पहली पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगी। जबकि अन्य सभी परीक्षाएं दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होंगी।

बीबीए, बीसीए और एमलिस सेमेस्टर-2 का परीक्षाफल हुआ जारी

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ने बीबीए, बीसीए और एमलिस सेमेस्टर-2 की परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया है। बीबीए सेमेस्टर-2 में छात्र सफल रहे। जिसमें परिणाम शत-प्रतिशत रहा। वहीं बीसीए सेमेस्टर-2 में 99.14 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। एमलिस सेमेस्टर-2 परीक्षा में 88.89 प्रतिशत छात्रों को सफलता मिली है। विश्वविद्यालय के आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। जहां छात्र अपने परिणाम देख सकते हैं।

विधवा वृद्धा के साथ टोटो चालक ने किया दुष्कर्म

दुमका। जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आसनसोल पंचायत की रहने वाली 65 वर्षीय विधवा वृद्धा के साथ बाघमारा गांव के एक युवक ने दुष्कर्म किया। विरोध करने पर महिला की जमकर पिटाई भी की। महिला का मेडिकल कालेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी चालक दिनेश सोरेन की तलाश कर रही है। घटना 13 अप्रैल देर शाम की है। महिला ने अगले दिन मुफस्सिल थाना में शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

समाजसेवी शहनाज ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं से कराया अवगत

जल्द समाधान का मिला आश्वासन

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा /महगामा। प्रखंड क्षेत्र की लोकप्रिय समाजसेवी सह नेता श्रीमती शहनाज ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं विकासात्मक मुद्दों से अवगत करते हुए मुख्यमंत्री से विस्तृत चर्चा की। इस दौरान समाजसेवी शहनाज ने महागामा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जल आपूर्ति और महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ी समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा और उनके शीघ्र समाधान की मांग की। मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने समाजसेवी सह नेता शहनाज की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को उचित कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। वहीं समाजसेवी शहनाज के समर्थकों की माने तो समाजसेवी की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की गई ये मुलाकात न केवल महगामा प्रखंड क्षेत्र की जनता की आवाज को झारखंड सरकार तक पहुंचाने का प्रयास था, बल्कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सार्थक कदम भी सिद्ध होगी।

निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

बेरमो। सीसीएल बीएंडके अर्पिता महिला मंडल द्वारा महिलाओं और युवतियों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी एवं सशक्त बनाने के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का संचालन करती है। बुधवार को निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र मे समिति की अध्यक्षा श्वेता कुमारी प्रशिक्षण ले रही महिलाओं एवं युवतियों से मिली।कोर्स के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ कोर्स की समाप्ति के बाद उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बेचने में भी सहयोग दिया जाता है। महिला समिति की सदस्याओं ने सभी कार्यक्रम से लाभान्वित महिलाओं एवं युवतियों का हौसला बढ़ाते हुए उनसे कार्यक्रम में सीखे गए हुनर का उपयोग अपने जीविकापार्जन हेतु करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने अर्पिता महिला मंडल समिति द्वारा भविष्य में भी हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया। इस दौरान ट्रेनर पिंकी गोस्वामी, सरिता गैवाल,सीता साहू, प्रियंका चौबे, सौम्या त्रिपाठी आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

बेरमो स्टेशन क्षेत्र के 45 राशन कार्डधारियों को

तीन माह से नहीं मिला राशन, लाभुकों ने की शिकायत

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बेरमो दक्षिणी पंचायत के बेरमो स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले राशन कार्डधारियों को पिछले तीन माह से राशन नहीं मिलने की शिकायत पर मंगलवार को एक बैठक आयोजित की गई। भोजन का अधिकार अभियान झारखंड के सदस्य एवं शोषित मुक्ति वाहिनी के महासचिव मुन्ना सिंह ने प्रभावित लाभुकों के साथ बैठक कर मामले की जानकारी ली। बैठक में लाभुकों ने आरोप लगाया कि जन वितरण प्रणाली के दुकानदार राम बाबू पिछले तीन माह से राशन नहीं दे रहे हैं। आरोप है कि डीलर समय पर दुकान नहीं खोलते, मशीन में फिंगर लगवाने के बाद भी राशन नहीं दिया जाता, और दुकान में अक्सर राशन उपलब्ध नहीं रहता। कुछ लाभुकों ने बताया कि फिंगर लगवाने के दौरान तराजू में पत्थर रखकर वजन किया जाता है। कई लाभुकों से केवाईसी के नाम पर अंगूठा लगवाकर राशन उठा लिया गया, पर उन्हें दिया नहीं गया। वहीं कुछ लोगों को राशन के बदले पैसे देकर टरका दिया गया। लाभुकों का कहना है कि वे रोज कमाने-खाने वाले मजदूर हैं और सरकारी राशन उनके लिए जीवन-निर्वाह का प्रमुख साधन है। इस पूरे मामले को लेकर अफजल अनीस, मुन्ना सिंह और लाभुक गुड़िया कुमारी के नेतृत्व में प्रभावित 45 लाभुकों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सह आपूर्ति पदाधिकारी बेरमो से मुलाकात कर लिखित शिकायत सौंपी। पदाधिकारी ने जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।इस बीच, अफजल अनीस ने राज्य खाद्य आयोग से भी मामले की शिकायत की है और सभी प्रभावित परिवारों को तीन माह का लंबित राशन शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

मॉक ड्रिल कर स्कूली बच्चों को दी आपदा से बचाव की जानकारी

फुसरो। अग्निशमन पदाधिकारी अखिलेश पासवान व प्रधान अग्निक चालक राजेश बरनवाल अपने कर्मियों के साथ गुरुवार को फुसरो स्थित भरत सिंह पब्लिक स्कूल में आकर आपदा प्रबंधन कार्यक्रम के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया. यहाँ उन्होंने अग्निकांड से बचने व नुकसान रोकने के उपाय की जानकारी तथा प्रशिक्षण दी. छात्र एवं छात्राओं को अग्निशमन यंत्रों की प्रयोग विधि से अवगत कराया. बिजली से होने वाली आगजनी से बचाव के लिए सावधानियों के बारे में बताया गया. विभिन्न प्रयोग द्वारा आग बुझाने के तरीकों का प्रदर्शन किया गया. कार्यक्रम में बच्चो को डेमो देकर तीनों विभाग ने आपदा प्रबंधन से बचाव के गुरु मंत्र दिए. विद्यालय निदेशक शत्रुघ्न सिंह तथा सचिव राजेश कुमार सिंह ने अधिकारियों को धन्यवाद दिया. वहीं प्रधानाचार्या शिखा चटर्जी ने महत्वपूर्ण विषय पर जानकारियां देने के लिए आभार व्यक्त की।

खबर एक नजर में

मंत्री दीपिका ने आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच स्मार्टफोन का किया वितरण

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा /मेहरमा। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में गुरुवार को आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच स्मार्टफोन का वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह शामिल हुई। वहीं मौके पर प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी खगेन महतो, मेहरमा जिला परिषद उत्तरी सदस्या ज्योति कुमारी, प्रखंड प्रमुख कंचन कुमारी, उप प्रमुख ब्रह्मदेव स्वर्णकार, बीस सूत्री अध्यक्ष शशांक शेखर सिन्हा, कांग्रेस पार्टी के पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि नरेंद्र शेखर आजाद मौजूद रहे। इस दौरान आंगनवाड़ी सेविकाओं द्वारा ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह एवं अन्य अतिथियों का पौधा प्रदान कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण, विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के द्वारा सभी सेविकाओं के बीच स्मार्टफोन का वितरण किया गया। वहीं छोटे-छोटे बच्चों के लिए खेल किट वितरण किया गया साथ ही महिलाओं की गोद भराई का कार्यक्रम किया गया। स्मार्टफोन वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि आंगनबाड़ी बहनों को ऑनलाइन कार्य करने में अब साहूलियत होगी। राज्य की हेमंत सरकार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मंईया सम्मान योजना का लाभ सभी महिलाएं एवं बहनों को मिल रहा है। साथ ही सभी गरीब जरूरतमंद परिवार का अबुआ आवास के तहत पक्का घर का सपना पूरा हो रहा है। राज्य के जनता की सभी समस्याओं को पूरा करने के लिए हेमंत सरकार अग्रसर है। वहीं स्मार्टफोन प्राप्त होने पर आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी साहब लाल हांसदा, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूनम कुमारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस पार्टी के नेता अरविंद झा, अंजुलता सिन्हा, आत्मा पांडेय, पंचायत समिति सदस्य अरविंद पासवान, बमबम कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुलिस तीन को गिरफ्तार कर भेजी जेल, अब भी एक फरार

मजदूरी करने गई महिला को सामूहिक दुष्कर्म का शिकार बनाया था हवसी

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जिले के काठीकुंड में महिला की हत्या मामले का पुलिस उद्भेदन करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर गुरूवार को जेल भेज दी है। पुलिस थाना क्षेत्र के झिली गांव निवासी सुनील हांसदा, बेटका हांसदा एवं क्रिस्टोफर मुर्मू को गिरफ्तार कर जेल भेजी है। इसकी जानकारी प्रेसावार्ता कर एसपी पितांबर सिंह खेरवार ने बताया कि बीते 2 मार्च को महिला स्नान करने नदी गई थी। इसी दौरान शिकार के लिए जंगल में घूम रहे चार लड़कों की नजर महिला पर गई। चारों मिलकर महिला को उठाकर सुनसान स्थल पर ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के दौरान मुंह दबाए रखने से उसकी मौत हो गई। उसके बाद महिला के शव को नदी किनारे रख कर फरार हो गए। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी द्वारा मानवीय स्रोत एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर सुनील हांसदा, बेटका हांसदा तथा क्रिस्टोफर मुर्मू को गिरफ्तार किया है। तीनों काठीकुंड थाना के झिल्ली गांव का रहने वाला है। तीनों आरोपियों ने स्वीकारोक्ति बयान में अपना अपराध स्वीकार किया है। गिरफ्तार आरोपी के निशानदेही पर दुष्कर्म किए गए स्थल से मृतका की टूटी हुई चूड़ी एवं घटना के समय पहना हुआ गमछा भी बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि हत्याकांड में शामिल एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। यहां बता दें कि बीत 3 मार्च को काठीकुंड थाना क्षेत्र के भांवर पाथर स्थित नदी किनारे झाड़ी से एक महिला का शव मिला था। मृतका की पहचान फिटकोरिया निवासी मनोज राय की पत्नी के रूप में हुई थी। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई थी। महिला मजदूरी के दौरान दोपहर में नहाने नदी गई थी। इस हत्या कांड की गूंज विधानसभा में भी सुनाई पड़ी थी। पुलिस ने इस हत्याकांड का उद्वेदन करते हुए तीन आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रेसवार्ता करते एसपी

एसपी कॉलेज में रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन

छात्रों को सम्मानित करते प्राचार्य व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। एसपी कॉलेज के दो दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला दूसरे दिन भी जारी रहा। कार्यशाला का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ एसके अम्बष्ठ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यशाला दो सत्रों में संचालित किया गया।

इस तकनीकी सत्र के जनमत शोध संस्थान के सचिव संचालक अशोक सिंह उपस्थित थे। श्री सिंह ने विस्तारपूर्वक छात्र-छात्राओं को डायरी लेखन, प्रतिवेदन लेखन, आत्मकथा लेखन आदि का वर्णन किया। बाद प्रतिभागी छात्र-छात्राओं से दो दिवसीय कार्यशाला के प्रशिक्षण का फीडबैक फार्म भी भरवाया गया। छात्र-छात्राओं ने प्रतिवेदन आदि भी प्रस्तुत करवाया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद अभयकांत प्रसाद थे। पूर्व सांसद ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ एसके अम्बष्ठ एवं प्राचार्य डॉ केपी यादव की सराहना की। रचनात्मक लेखन की महत्त्वपूर्ण जानकारी देते हुए प्राचार्य ने भविष्य में ऐसी कार्यशाला कॉलेज में होती रहे, इसकी सलाह भी दी।

ऊपरघाट में वज्रपात का कहर, 9 मवेशियों की मौत, एक की हालत गंभीर

किसानों का रो-रोकर बुरा हाल

खबर मन्त्र संवाददाता

ऊपरघाट के अदलबेड़ा-रामारहरिया में वज्रपात में मरे मवेशी व ग्रामीण।

बोकारो थर्मल। नावाडीह प्रखंड के ऊग्रवाद प्रभावित ऊपरघाट के पलामू पंचायत के अदलबेड़ा-रामारहरिया में गुरूवार की शाम चार बजे बरसात के साथ हुई वज्रपात के कहर से 9 मवेशियों की मौत घटनास्थल पर हो गयी है। एक मवेशी की हालत गंभीर बनी हुई है। गांव स्तरीय गोबर की लैप लगाकर इलाज किया जा रहा है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अदलबेड़ा-रामारहरिया स्थित खेत पर दो दर्जन से अधिक मवेशी घास खा रहें थे। उसी दौरान बरसात शुरू हो गयी। बरसात शुरू होने के पश्चात कुछ मवेशी भागकर अपने-अपने किसान के घर पहुंच गए। ओर दस मवेशी वहीं पर स्थित एक विशालकाय जामुन के पेड़ के नीचे पानी से बचने के लिए पहुंच गए। उसी दौरान वज्रपात के चपेट में दस मवेशी आ गए। जिसमें नौ मवेशियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। एक की गंभीर हालत में किसान उठाकर घर ले गए। जहां गोबर का लेप लगाकर इलाज किया जा रहा है। मरने वाले मवेशियों में दो गाय गर्भवती थी। पलामू पंचायत के किसान कोटेश्वर गंजू का एक गर्भवती गाय, सोनाराम गंजू का एक गर्भवती गाय, एक बैल व एक बछड़ा, जालेश्वर गंझू का एक गाय, एक बछड़ा, होपन मांझी का एक बैल, पुरन गंझू का एक बैल, केतरा गंझू का घायल बैल, व अंधुवा निवासी जीतु मांझी का एक बैल शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद भाजपा नेता सह पंसस प्रतिनिधि गोविंद किस्कु, झामुमो नेता देवीलाल मांझी, बीस सूत्री अध्यक्ष बृजलाल हांसदा घटनास्थल पहुंचे ओर प्रखंड के बीडीओ प्रशांत हेम्ब्रम, सीओ अभिषेक कुमार को सूचना दी ओर सभी किसानों को मुआवजा देने की मांग किया। इससे पहले कंजकिरो के झापाटोंगरी में भी वज्रपात से 13 मवेशियों की मौत हो गयी थी। लेकिन मुआवजा को लेकर किसान आज भी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। जिप सदस्य खुशबू महतो ने जिला ओर प्रखंड प्रशासन से यथाशीघ्र पूरे मामले में किसानों को मुआवजा देने की मांग किया है।

पेज एक का शेष

कोई शक्ति राष्ट्रपति ...

राष्ट्रपति संविधान की रक्षा, संरक्षण और बचाव की शपथ लेते हैं। यह शपथ केवल राष्ट्रपति और उनके द्वारा नियुक्त राज्यपाल लेते हैं। हर कोई, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, मंत्री, सांसद, न्यायाधीश, ये सभी संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं। उन्होंने कहा, संविधान की रक्षा करने के लिए और संविधान का संरक्षण करने के लिए, वह भारत के राष्ट्रपति, सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर की शपथ है। उन्होंने कहा कि हाल के न्यायालय के एक निर्णय द्वारा राष्ट्रपति को एक निर्देश दिया गया है।
सबको संवेदनशील होना होगा : उन्होंने कहा कि देश एक संकट की ओर बढ़ रहा है।
इसके लिए सभी को अत्यंत संवेदनशील होना होगा। यह किसी के समीक्षा दायर करने या न करने का सवाल नहीं है। उन्होंने कहा, हमने इस दिन के लिए शपथ नहीं ली। राष्ट्रपति को एक समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह तो एक दिन न्यायाधीश कानून बनायेंगे, कार्यकारी कार्य करेंगे, सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और बिल्कुल भी जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उन्होंने विधायिका के संबंध में कहा कि विधानसभा या संसद के किसी भी चुनाव में हर उम्मीदवार को संपत्ति घोषित करनी होती है, लेकिन न्यायाधीशों के लिए यह अनिवार्य नहीं है।
धनखड़ ने बेसिक स्ट्रक्चर सिद्धांत को लेकर भी पूर्व न्यायाधीशों पर निशाना साधा। उन्होंने एक पूर्व जज द्वारा लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह का जिक्र किया, जिसमें इस सिद्धांत की प्रशंसा की गई थी। उन्होंने कहा, ह्लकेशवानंद भारती केस में 13 जजों की पीठ थी और फैसला 7 अनुपात 6 से हुआ था। इसे अब हमारी रक्षा का आधार बताया जा रहा है, लेकिन उसी के दो साल बाद 1975 में आपातकाल लगाया गया। लाखों लोगों को जेल में डाला गया और सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकार लागू नहीं होंगे। फिर इस सिद्धांत का क्या हुआ? उन्होंने सवाल उठाया कि जब आपातकाल के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने नौ उच्च न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया, तब बेसिक स्ट्रक्चर सिद्धांत की रक्षा क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा, ह्लअब जज कानून बनाएंगे, कार्यपालिका की भूमिका निभाएंगे, संसद से ऊपर होंगे और उनके लिए कोई जवाबदेही नहीं होगी। हर सांसद और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है, लेकिन जजों पर यह लागू नहीं होता।

झारखंड में विदेशी...

इनमें स्पेनिश विंड एनर्जी एसोसिएशन और स्पेनिश सोलर फोटोवोल्टिक एसोसिएशन शामिल हैं। वहीं 22 को माइनिंग और स्टील सेक्टर की कंपनियों के प्रतिनिधियों से बातचीत होगी। 23 को बर्सिलोना में कृषि मंत्रालय के प्रतिनिधियों से मुलाकात होगी। वहीं दूसरे चरण में 25 को स्वीडन में क्लीन एनर्जी पर काम करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात होगी। 26 उद्यमियों के साथ वन टू वन मीटिंग का कार्यक्रम है। **विदेशी निवेश में झारखंड टाप 10 में :** विदेशी निवेश के मामले में झारखंड का देश के टॉप दस राज्यों की सूची में आठवां स्थान है। यहां विदेशी निवेशकों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। राज्य सरकार की कोशिश से झारखंड में औद्योगिक माहौल तैयार हो रहा है। इससे निवेश में वृद्धि हो रही है। वर्ष 2019-2024 के दौरान झारखंड में 19,383 करोड़ का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ। सिर्फ वित्तीय वर्ष 2023-24 में करीब 44 करोड़ का निवेश हुआ, जो कोविड महामारी के दौर में भी बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों से अधिक था।

जनहित की तीन...

उन्होंने कहा कि सिर्फ योजनाएं ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी पूरी तत्परता के साथ कार्य करें ताकि हर मोर्चे पर राज्य तेजी से आगे बढ़े। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी और सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार समेत सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।
योजनाएं पारदर्शी, प्रभावी, असरदायक हो : सीएम ने कहा कि जिन योजनाओं का चयन किया जाये, वह पूरी तरह पारदर्शी, प्रभावी और असरदायक होनी चाहिए। उसका फायदा राज्य की जनता को सहूलियत के साथ मिल सके। योजनाएं औचित्यपूर्ण होनी चाहिए। कोई भी योजना तभी सार्थक साबित होती है, जब उसका लाभ लोगों को सही समय पर मिलता है। ऐसे में समय से पहले पूरा करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि गर्मी के पूर्व पेयजल और मॉनसून के पहले जल प्रबंधन तथा जाड़े का मौसम शुरू होने के पूर्व कंबल वितरण की व्यवस्था दुरुस्त कर ली जानी चाहिए। शैक्षणिक सत्र शुरू होने के पहले ही विद्यार्थियों के बीच पठन- पाठन सामग्री और साइकिल का वितरण सुनिश्चित करें।
विभागों को संसाधन भी जुटाने हैं : सीएम ने कहा कि सरकार की ओर से कई फ्लैगशिप योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के लिए राशि का प्रावधान करने की दिशा में हमने प्रयास शुरू कर दिये हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए विभागों को ठोस रणनीति के साथ कार्य करना है। विभागों को सिर्फ राशि ही नहीं खर्च करना है, बल्कि संसाधनों को भी जुटाना है। जब हमारे पास संसाधन होंगे, तभी हम योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने में कामयाब होंगे।

स्पीड न्यूज

काठमांडू में सोने व चांदी के साथ नौ भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू। काठमांडू में दो करोड़ रुपये से अधिक के सोने और चांदी के साथ नौ भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी राजधानी के विभिन्न स्थानों सोना और चांदी की अवैध बिक्री कर रहे थे। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता अपील बोहरा कहा कि पुलिस कार्रवाई के दौरान छापा मार कर एक किलो 76.518 ग्राम सोना तथा एक किलो 845.429 ग्राम चांदी जब्त की गई है। जब्त किए गए सोने की कीमत एक करोड़ 70 लाख रुपए, जबकि चांदी की कीमत 30 लाख रुपये है। इसके अलावा उनके कब्जे से 8 लाख 27 हजार रुपये नेपाली करेंसी और 91 हजार 700 रुपये भारतीय करेंसी बरामद की गई है।

'जाट-2' के सीक्वल में काम करेंगे सनी देओल

मुंबई। बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल फिल्म जाट के सीक्वल जाट 2 में काम करते नजर आयेंगे। फिल्म 'जाट' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म जाट के जरिये सनी देओल ने फिल्म गदर 2 के बाद करीब दो साल बाद वापसी की है।दर्शकों ने सनी देओल की एक्शन परफॉर्मेंस की तारीफ की। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर जाट 2 का पोस्टर शेयर करते हुये कैप्शन में लिखा, जाट नये मिशन पर।

टैरिफ को ले ट्रंप सरकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कैलिफोर्निया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ रोक के लिए संघीय अदालत में मुकदमा दायर कर दिया है। राज्य का आरोप है कि राष्ट्रपति ने शक्तियों का गलत प्रयोग किया है। इससे उनके राज्य ही नहीं बल्कि पूरे अमेरिका की अर्थ व्यवस्था को काफी नुकसान पहुंच रहा है। बीते दनों ट्रंप ने दस फीसदी से लेकर ऊंची दरों पर टैरिफ लगाए हैं। टैरिफ से अमेरिका के कमोवेश सभी राज्य परेशान हैं, लेकिन अभी कैलीफोर्निया खुलकर टैरिफ के विरोध में आ गया है।

अगले हफ्ते अमेरिका जायेंगे राहुल गांधी

नयी दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले सप्ताह की शुरूआत में अमेरिका की यात्रा पर जायेंगे और इस दौरान वह ब्राउन यूनिवर्सिटी में शिक्षकों और छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी दी।

राजद विधायक रीतलाल यादव ने किया समर्पण

पटना। दानापुर से राजद बाहुबली विधायक रीतलाल यादव ने गुरुवार कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। रीतलाल के साथ उसके भाई ने भी कोर्ट में आत्मसर्पण किया है। बीते दिनों पुलिस और एसटीएफ ने एक बड़े बिल्डर ने रीतलाल यादव पर रंगदारी मांगने और उन्हें जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था, जिसके बाद पुलिस ने उनके ठिकानों छापेमारी की थी। अब उन्होंने सरेंडर कर दिया है।

हिंदुओं से हर क्षेत्र में अलग : असीम मुनीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत और हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगला। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है।

देश से नक्सलवाद खत्म करने में कोबरा बटालियन की भूमिका अहम

केवल चार जिलों तक सीमित नक्सलवाद अगले साल 31 मार्च तक समाप्त होगा : शाह

एजेंसी

▸▸ सीआरपीएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित किए हैं 400 से अधिक अग्रिम संचालन अड्डे

नीमच (मप्र)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि भारत के केवल चार जिलों तक सीमित नक्सलवाद को अगले वर्ष 31 मार्च तक समाप्त कर दिया जाएगा और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) इस मिशन की रीढ़ है। वह मध्यप्रदेश के नीमच जिले में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पशुपतिनाथ से तिरुपति तक लाल आतंक फैलाने का सपना देखने वाले नक्सली आज सिर्फ चार जिलों तक सीमित हैं। इसमें सबसे बड़ा योगदान सीआरपीएफ का है। देश में खतरा (नक्सलवाद का) 31 मार्च 2026 तक समाप्त हो जाएगा जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सीआरपीएफ खासकर इसकी कोबरा बटालियन देश से नक्सलवाद को खत्म करने में बड़ी भूमिका निभा रही है। कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन (कोबरा) सीआरपीएफ की एक विशेष इकाई है जो छापामार और जंगल युद्ध में अपनी दक्षता के लिए जानी जाती है, खासकर नक्सल खतरे का मुकाबला करने के लिए। शाह ने कहा कि सीआरपीएफ ने नक्सल प्रभावित इलाकों में 400 से अधिक अग्रिम संचालन अड्डे स्थापित किए हैं। इसकी वजह से इन क्षेत्रों में हिंसा में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है और हम अब इसे समाप्त करने के करीब हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा में सीआरपीएफ का योगदान अतुलनीय है, चाहे कश्मीर घाटी में आतंकवादियों से लड़ने की बात हो, पूर्वोत्तर में शांति सुनिश्चित करने की बात हो या कट्टर नक्सलियों को आज सिर्फ चार

सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह में परेड का निरीक्षण करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

जिलों तक सीमित करने की बात हो। उन्होंने कहा कि इन सभी उपलब्धियों में सीआरपीएफ जवानों की अहम भूमिका रही है। कोई भी किताब उनकी बहादुरी, कर्तव्य की भावना और साहस के साथ न्याय नहीं कर सकती। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीआरपीएफ की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक नक्सलवाद को खत्म करने में इसका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि आज सबसे खूंखार नक्सली भी कोबरा कमांडो के पास आने की आवाज सुनकर कांप जाते हैं। उन्होंने कहा कि कोबरा बटालियन वीरता का प्रतीक बन गई है। मैं सभी कोबरा जवानों कोबधाई देता हूं और उनके साहस के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि आपके नेतृत्व में सीआरपीएफ जवानों ने नक्सलवाद के खात्मे में उल्लेखनीय प्रगति की है। और आज मैं घोषणा करता हूं कि 31 मार्च 2026 तक भारत से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया हो जाएगा। यह एक प्रतिज्ञा है जिसे राष्ट्र ने लिया है और सीआरपीएफ इस मिशन की रीढ़ है। शाह ने कहा कि सीआरपीएफ के 2,264 जवानों ने देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक हर क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करने की तरफ बढ़ रहा है और इस लक्ष्य को हासिल करने में सीआरपीएफ के शहीद जवानों के बलिदान का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के शहीदों की बहादुरी की अमर गाथा को आजादी के 100 साल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जाएगा। शाह ने कहा कि सीआरपीएफ ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए हमेशा सर्वोच्च बलिदान दिया है।

संसद भवन पर आतंकी हमले को सीआरपीएफ ने किया था नाकाम

उन्होंने कहा कि 2001 में जब हमारे लोकतंत्र के प्रतीक संसद भवन पर आतंकवादियों ने हमला किया था तो सीआरपीएफ ने उसे नाकाम कर दिया था। शाह ने याद दिलाया कि इसी तरह 2005 में श्रीराम जन्मभूमि पर आतंकी हमला हुआ था और सीआरपीएफ ने हमले को नाकाम कर मंदिर को सुरक्षित रखा। उन्होंने कहा कि चाहे अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त किये जाने के बाद कश्मीर में शांति कायम करने की बात हो या शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने की, सीआरपीएफ जवानों ने हर जगह अपना कर्तव्य सच्चे मन से निभाया है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए और उस समय लोगों को कई तरह की आशंकाएं थीं लेकिन सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों ने सुरक्षा सुनिश्चित की।

चौथे दिन भी झूमा शेयर बाजार

सेंसेक्स 1509 अंक छलांग लगाकर 78,553 पर पहुंचा

एजेंसी

▸▸ निफ्टी 414 अंक तेजी के साथ 23851 पर बंद हुआ

▸▸ मारुति और टेक महिंद्रा को छोड़कर 28 कंपनियों में तेजी

मुंबई। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर चल रही जवाबी कार्रवाई से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध की आशंका के बावजूद भारत के टैरिफ से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होने की बदौलत स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली से गुरुवार को शेयर बाजार लगातार चौथे दिन उछल गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1508.91 अंक अर्थात 1.96 प्रतिशत की तेजी के साथ तेरह कारोबारी सत्र के बाद 78 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 78,553.20 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 414.45 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की छलांग लगाकर 23851.65 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.56 प्रतिशत मजबूत होकर 41,980.48 अंक और स्मॉलकैप 0.52 प्रतिशत चढ़कर 47,946.66 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4106 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2427 में लिवाली जबकि 1522 में बिकवाली हुई वहीं 157 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इसी तरह एनएसई में कुल 2977 कंपनियों के शेयर कारोबार के लिए रखे गए, जिनमें से 1847 में तेजी जबकि 1047 में गिरावट हुई वहीं 83 में टिकाव रहा। बीएसई के सभी 21 समूहों में

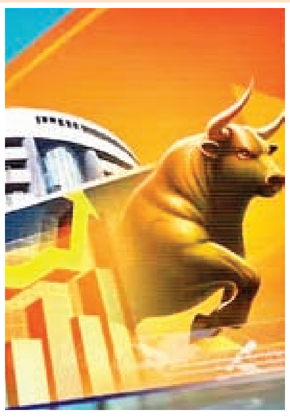

लिवाली हुई। इस दौरान कमोडिटीज 0.56, सीडी 0.95, ऊर्जा 1.13, एफएमसीजी 0.61, वित्तीय सेवाएं 2.00, हेल्थकेयर 0.91, इंडस्ट्रियल्स 0.57, आईटी 0.24, दूरसंचार 2.22, यूटिलिटीज 0.71, ऑटो 1.01, बैंकिंग 2.56, कैपिटल गुड्स 0.75, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.71, धातु 0.25, तेल एवं गैस 0.98, पावर 0.94, रियल्टी 0.49, टेक 1.19, सर्विसेज 1.47 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.21 प्रतिशत उछल गए।

इस दौरान सेंसेक्स में मारुति और टेक महिंद्रा की 0.24 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर अन्य 28 कंपनियों में तेजी रही। इटर्नल 4.37, आईसीआईसीआई बैंक 3.68, भारती एयरटेल 3.63, सन फार्मा 3.50, एसबीआई 3.28, बजाज फिनसर्व 3.24, कोटक बैंक 3.06, रिलायंस 2.90, एक्सिस बैंक 2.51, अदानी पोर्ट्स 2.34, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.69, टाइटन 1.61, एचडीएफसी बैंक 1.53, अल्ट्रासिम्को 1.52 और एनटीपीसी के शेयरों ने 1.34 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। साथ ही नेस्ले इंडिया 1.28, बजाज फाइनेंस 1.21, पावरग्रिड 0.96, टाटा मोटर्स 0.88, टीसीएस 0.80, इंडसइंड बैंक 0.78, आईटीसी 0.73, एलटी 0.57, इंफोसिस 0.51, एशियन पेंट 0.42, एचसीएल टेक 0.41, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.32 और टाटा स्टील के शेयर 0.15 प्रतिशत लाभ में रहे।

निवेशकों ने कमाए 4.49 लाख करोड़

शेयर बाजार में आई मजबूती से स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपति में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 419.49 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। निवेशकों को करीब 4.49 लाख करोड़ का मुनाफा हुआ।

शिखर पर पहुंचा सोना चांदी की भी बढ़ी चमक

▸▸ 24 कैरेट सोना 96 हजार व 22 कैरेट 88 हजार पार

▸▸ चांदी एक लाख रुपये किलो

नयी दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर जारी तनातनी के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। 24 कैरेट सोना गुरुवार को पहली बार 96 हजार के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना पहली बार 88 हजार रुपये के ऊपर पहुंचा। चांदी के भाव में भी तेजी बनी हुई है। सोना 970 रुपये से लेकर 1,010 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में आए इस उछाल के बाद देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना महंगा होकर 96,180 रुपये से लेकर 99,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 88,160 रुपये से लेकर 88,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी भी 300 रुपये महंगी हुई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 96,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 88,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 96,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 88,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 96,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 88,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

नीतीश कुमार ने पूर्व पीएम चंद्रशेखर को दी श्रद्धांजलि

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को गुरुवार को जन्म दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कुमार ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर के जन्म दिवस के अवसर पर पटना में राजकीय जयंती समारोह पर स्व. चन्द्रशेखर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी, पूर्व मंत्री श्याम रजक, बिहार नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार समेत कई गणमान्य लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

महागठबंधन में समन्वय समिति का गठन, अध्यक्ष बनाए गए तेजस्वी यादव

पटना। बिहार में इस वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले घटक दलों की एकजुटता के लिए गुरुवार को हुई महागठबंधन की बैठक में समन्वय समिति का गठन और उसका अध्यक्ष तेजस्वी यादव को बनाने का निर्णय लिया गया। महागठबंधन की बैठक राजद कार्यालय में हुई। बैठक में राजद की ओर से तेजस्वी यादव, संजय यादव एवं अब्दुल बारी सिद्दीकी, कांग्रेस से बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम एवं मदन मोहन झा, भाकपा से के. डी. यादव, माकपा से अजय कुमार, भारत की भाकपा-माले से राज्य सचिव कुणाल और वीआईपी की ओर से वीआईपी अध्यक्ष मुकेश सहनी एवं देव ज्योति शामिल हुए।

शीर्ष अदालत ने बंगाल के शिक्षकों को दी सशर्त राहत

एजेंसी

कक्षा नौ से 12 तक नई भर्ती पूरी होने तक पढ़ा सकते हैं शिक्षक

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पशिम बंगाल के उन शिक्षकों को गुरुवार को सशर्त एक बड़ी राहत दी, जिनकी नियुक्ति वर्ष 2016 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के आधार पर रद्द कर दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह राहत दी। पीठ ने यह राहत राज्य सरकार और पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) को कक्षा नौ से 12 तक के लिए सहायक शिक्षक के पदों की नई भर्ती के लिए 31 मई, 2025 तक नई विज्ञापन प्रकाशित करने और 31 दिसंबर, 2025 तक भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की शर्त पर दी है। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कक्षा नौ से 12 तक के सहायक शिक्षक राज्य में संबंधित पदों पर नई भर्ती पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। अदालत ने हालांकि, यह भी स्पष्ट किया कि यह राहत सिर्फ उन्हीं शिक्षकों को मिलेगी, जिनकी नियुक्ति में कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई थी। शीर्ष अदालत ने गत तीन अप्रैल को पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के उन पदों पर भर्ती की पूरी प्रक्रिया को दूषित और सुधार से परे दागदार घोषित करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय की ओर से भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के फैसले पर मुहर लगाई थी। अदालत ने सात मई, 2024 को कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें पश्चिम बंगाल के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था।

कैलाश मानसरोवर यात्रा जल्द शुरू होगी

नयी दिल्ली। भारत और चीन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने को लेकर जारी तकनीकी बातचीत पूरी हो गई है और जल्द ही सरकार यात्रा की शर्तों और अन्य विवरण सार्वजनिक करेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को नियमित ब्रीफिंग में कहा कि भारत सरकार कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर जल्दी ही एक नोटिस जारी करेगी। दोनों देशों के बीच यात्रा के तौर तरीकों और शर्तों आदि को लेकर जारी तकनीकी बातचीत में सहमति बन गई है। यह पूछे जाने पर कि लद्दाख में डेमचोक के रास्ते से कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालित करने पर बातचीत हो रही है, उन्होंने भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने के बारे में कहा कि इस बारे में दोनों देशों के उड्डयन विभागों के बीच तकनीकी बातचीत जारी है, जैसे ही सहमति बनती है, वैसे ही जानकारी साझा की जाएगी।

राबर्ट वाड्रा से इडी ने तीसरे दिन भी की पूछताछ

जमीन घोटाला मामला

▸▸ सवालों में नया कुछ नहीं पहले दिये हैं जवाब : वाड्रा

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा धन शोधन निवारक अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार को लगातार तीसरे दिन ईडी के अधिकारियों के समक्ष हाजिर हुए।

उन्होंने तीन घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद ईडी के कार्यालय से निकलने पर मीडिया से बातचीत में कहा कि ईडी उनसे पुराने सवाल ही पूछे जा रही है और उन्हें बार-बार वही जवाब देना पड़ रहा है। वाड्रा के विरुद्ध यह मामला 2008 में हरियाणा में एक भूमि सौदे से जुड़े कथित घोटाले से जुड़ा है। ईडी इस मामले में कथित तौर पर अपराध की काली कमाई को वैध करने के पहलू की जांच कर रही है। ईडी के अधिकारियों ने पिछले दो दिनों में वाड्रा से कुल मिला कर 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। ईडी के सूत्रों ने बताया कि वाड्रा से उपरोक्त मामलों में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान लिए जा रहे हैं। पूछताछ के बाद वाड्रा ने कहा कि 2019 में भी मुझे बुलाया था, (वे) वही सवाल दोहरा रहे हैं। मैं 15 बार गया हूं, 10-10 घंटे तक जवाब दिए हैं। अभी भी जो बुलाया गया है, उन्हीं विषयों पर, मैं वही जवाब दोहरा रहा हूं।

उन्होंने कहा कि ईडी के पास कोई नये सवाल हैं नहीं , नयी बात है नहीं। हर चीज क्लियर है। स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि अगर कल सार्वजनिक अवकाश नहीं होता तो, कल जो मेरा जन्म दिन है, वह मैं ईडी के कार्यालय में ही बैठ कर मना रहा होता। ईश्वर का शुक्र है कि कल गुड फ्राइडे है तो मैं अपने परिवार के साथ अपना जन्म दिन मनाऊंगा।

भ्रष्टाचारियों को जेल जाना होगा : भाजपा

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के बयान पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि देश के कानून से बढ़कर कोई नहीं है। कानून अपना काम कर रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि जानकर हैरत होगी कि एक ऐसा भ्रष्टाचारी नकली गांधी परिवार इस देश में है, जो हर कानून को तोड़ता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भ्रष्टाचार को खत्म करने के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। भ्रष्टाचार को समाप्त कर देंगे, भ्रष्टाचारियों को जेल की सलाखों के पीछे डालेंगे, किसानों से हड़पी गई जमीन को वापस लेकर किसानों को देंगे।